{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
बुधवार 11 फरवरी 2026
फाल्गुन कृष्ण 10 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 139
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स - 84,273.92
निफ्टी - 25,935.15
सोना - 1,58,780
चांदी - 2,90,000
डॉलर - 90.58

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

संसद में हंगामा : लोकसभा स्पीकर के खिलाफ विपक्ष लामबंद, दिया अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस...

सपा, डीएमके और कई अन्य विपक्षी दलों के 118 सांसदों ने किया समर्थन, ओम बिरला का लोकसभा में ना जाने का फैसला; 9 मार्च को प्रस्ताव पर चर्चा होगी

ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

राहुल गांधी ने स्पीकर को पद से हटाने के लिए प्रस्ताव लाने के नोटिस पर नहीं किए साइन, टीएमसी विपक्ष के साथ नहीं

स्पीकर ने लोकसभा सेक्रेटरी को पद से हटाने का प्रस्ताव लाने के लिए दिए गए नोटिस की जांच करने का निर्देश दिया

नई दिल्ली। संसद में जारी गतिरोध के बीच विपक्ष ने लोकसभा स्पीकर के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। विपक्ष स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया है। मंगलवार को सचिवालय को स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दे दिया गया है। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने बताया कि स्पीकर को हटाने के लिए संविधान के अनुच्छेद 94-सी के तहत लोकसभा सचिवालय को नोटिस दिया गया है। इस प्रस्ताव को 118 सांसदों का समर्थन हासिल है। ओम बिरला अब लोकसभा नहीं जाएंगे। अविश्वास प्रस्ताव के गिरने के बाद ही वह स्पीकर की चेयर संभालेंगे। विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर सदन में 9 मार्च को चर्चा हो सकती है। 13 फरवरी को बजट सत्र के वर्तमान सेशन का आखिरी दिन है। विपक्ष का आरोप है कि स्पीकर ने सदन की कार्यवाही के दौरान पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाया और विपक्ष की आवाज को दबाया गया। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव पेश किया है। प्रस्ताव सौंपने की प्रक्रिया में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई, मुख्य सचेतक कोडिकुनिल सुरेश और सांसद मोहम्मद जावेद शामिल थे। हालांकि, इस प्रस्ताव में टीएमसी विपक्ष के साथ नहीं है। वहीं स्पीकर ओम बिरला ने लोकसभा सेक्रेटरी जनरल उत्पल कुमार सिंह को विपक्ष द्वारा उन्हें पद से हटाने का प्रस्ताव लाने के लिए दिए गए नोटिस की जांच करने का निर्देश दिया।

विपक्ष ने यह कदम स्पीकर के कार्यशैली और पार्लियामेंट के संचालन के तरीकों पर असंतोष जताने के चलते उठाया है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि यह प्रस्ताव संसदीय इतिहास में महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है, क्योंकि इसके समर्थन में बड़ी संख्या में सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। अब आगे की कार्रवाई में संसद अध्यक्ष या स्पीकर इस प्रस्ताव को स्वीकार करेंगे और चर्चा/मतदान की प्रक्रिया तय करेंगे। इसके बाद ही प्रस्ताव पर बहस और वोटिंग होगी।

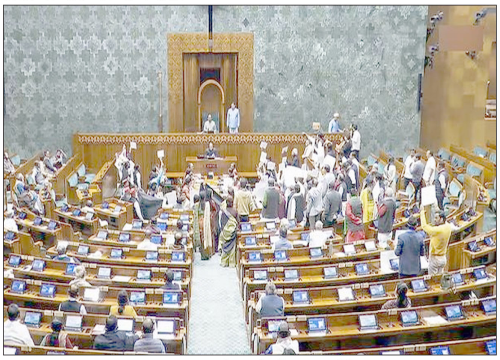

सूत्रों के मुताबिक, इस प्रस्ताव पर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, डीएमके और कई अन्य विपक्षी दलों के कुल 118 सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। बीते 2 फरवरी को, राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान पूर्व सेना प्रमुख एमएम नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण से जुड़ा विषय उठाने की अनुमति न मिलने, सदन की अवमानना के मामले में आठ विपक्षी सांसदों के निलंबित होने और अन्य मुद्दों को लेकर लोकसभा में गतिरोध की स्थिति बनी रही। विपक्ष का आरोप है कि लोकसभा में विपक्षी नेताओं को बोलने की अनुमति नहीं दी जा रही, जबकि सत्तापक्ष के नेताओं को स्वतंत्रता है कि वे किसी भी मुद्दे पर बोल सकें। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने स्पीकर को पद से हटाने के लिए प्रस्ताव लाने के नोटिस पर साइन नहीं किए हैं।

स्पीकर के खिलाफ नोटिस पर भाजपा का वार

लोकसभा में मंगलवार का दिन भी हंगामे से भरा-पूरा रहा। इसका सबसे बड़ा कारण था विपक्ष का वो नोटिस बना, जिसमें लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को हटाने का प्रस्ताव लाने की मांग की गई। इसके बाद भाजपा ने इस नोटिस को लेकर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। पार्टी ने आरोप लगाया है कि राहुल गांधी और कांग्रेस की यह हरकत केवल राजनीतिक स्वार्थ और सत्तारूढ़ पार्टियों पर दबाव बनाने की कोशिश है। पार्टी का कहना है कि अब समय आ गया है जब कांग्रेस और राहुल गांधी को राजनीति से महाभियोग लगाकर हटाने पर विचार किया जाना चाहिए। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि जिन लोगों की सोंच में ही महाभियोग लग चुका है। वही भारत के संवैधानिक पदों को हटाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और उसके सहयोगी, अमेरिकी अरबपति जॉर्ज सोरोस के इशारे पर, भाजपा के सत्ता में आने के बाद संवैधानिक संस्थाओं पर हमला कर रहे हैं।

सरकार के दबाव में स्पीकर

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने इस मुद्दे पर कहा,स्पीकर साहब का खुद निरादर किया गया है। उन पर दबाव डाला गया है, इसलिए उन्हें स्वयं सफाई देनी पड़ रही है, जो बिल्कुल उचित नहीं है। प्रियंका गांधी ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री पर हमले का सवाल ही नहीं उठता। उनका आरोप है कि सरकार के दबाव में आकर स्पीकर ने बयान दिया, क्योंकि उस दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सदन में उपस्थित नहीं हुए। स्पीकर द्वारा सफाई देना लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ है। इस अविश्वास प्रस्ताव के बाद यह सवाल उठ रहा है कि क्या ओम बिरला के खिलाफ यह प्रस्ताव लोकसभा में पारित हो पाएगा। साथ ही, लोकसभा स्पीकर को हटाने के नियम क्या हैं और भारतीय संसदीय इतिहास में अब तक कितनी बार ऐसा प्रस्ताव लाया गया है।

अमेरिका से डील नहीं, ढील हुई- अखिलेश

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने लोकसभा में बजट पर बोलते हुए सरकार पर तीखे सवाल उठाए हैं। उन्होंने अमेरिका के साथ हुए कथित डील और बजट की प्राथमिकताओं पर सरकार को घेरा। यादव ने कहा कि यह डील नहीं बल्कि ढील साबित हुई है, जिसका देश की अर्थव्यवस्था और किसानों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ने कई देशों के साथ फ्री ट्रेड डील करने का दावा किया है, लेकिन अब सवाल यह है कि कितने देश बचे हैं जिनसे ऐसी डील नहीं हुई है। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि इस डील के बाद रुपये की स्थिति क्या होगी और पूछा कि अगर यही डील करनी थी तो पहले क्यों नहीं की गई। उनके अनुसार, यह डील देश के लिए कोई बड़ा लाभ नहीं बल्कि एक प्रकार की ढील है, जिससे देश को यह तय करना होगा कि 18 बड़ा है या जीरो, और बजट पहले बना या डील पहले हुई।

बिरला के खिलाफ लाए अविश्वास प्रस्ताव पर राहुल गांधी ने क्यों नहीं किए हस्ताक्षर...कांग्रेस ने बताया

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष ने बड़ा कदम उठा दिया है। विपक्षी दलों ने लोकसभा स्पीकर को पद से हटाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस लोकसभा सचिवालय को सौंप दिया है। इस प्रस्ताव पर कांग्रेस, डीएमके, समाजवादी पार्टी सहित विभिन्न विपक्षी दलों के करीब 120 सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। इसी बीच खबर आ रही है कि इस प्रस्ताव पर राहुल गांधी ने इस पर साइन नहीं किए हैं। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, संसदीय लोकतंत्र की मर्यादा और परंपराओं को ध्यान में रखकर विपक्ष के नेता का स्पीकर के खिलाफ इसतरह के प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करना उचित नहीं माना गया।

विपक्षी दलों का कहना है कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव की चर्चा के दौरान राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं को बोलने से रोका गया, इससे लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का उल्लंघन हुआ। इस बात को आधार बनाकर स्पीकर के खिलाफ यह प्रस्ताव लाया गया है।

कांग्रेस नेता मणिकम टैगोर ने कहा कि विपक्ष ने हमेशा संवैधानिक मर्यादाओं में विश्वास रखा है। उन्होंने लिखा कि लोकसभा स्पीकर के व्यक्तिगत सम्मान को बनाए रखते हुए भी, सार्वजनिक महत्व के मुद्दों पर विपक्षी सांसदों को लगातार बोलने का मौका न मिलने से गहरी निराशा है। उनके अनुसार, कई वर्षों बाद स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाना एक जरूरी और असाधारण कदम है।

वहीं नोटिस सौंपे जाने के बाद लोकसभा स्पीकर बिरला ने खुद को सदन की कार्यवाही के संचालन से अलग कर लिया। मंगलवार को वह लोकसभा की अध्यक्षता करते हुए आसन पर नहीं बैठे। विपक्ष का आरोप है कि सदन की कार्यवाही के दौरान स्पीकर की टिप्पणियों से कांग्रेस सदस्यों पर सीधे तौर पर गलत और भ्रामक आरोप लगाए गए।

खास खबर

टीना अंबानी को नया समन जारी करेगा ईडी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय जल्द ही रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी की पत्नी टीना अंबानी को नया समन जारी करेगा। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में पूछताछ के लिए उन्हें फिर से बुलाया जाएगा। 68 साल की पूर्व अभिनेत्री टीना अंबानी को 9 फरवरी को जांच एजेंसी के सामने पेश होना था, लेकिन वह नहीं पहुंचीं। अधिकारियों के मुताबिक, अब उन्हें जल्द ही दोबारा बुलाया जाएगा। माना जा रहा है कि न्यूयॉर्क के मैनहट्टन में एक लग्जरी अपार्टमेंट (कंडोमिनियम) की खरीद से जुड़े पैसों के लेनदेन के मामले में उनसे पूछताछ होनी है। ईडी ने हाल ही में इस मामले में रिलायंस कम्युनिकेशन के पूर्व प्रेसिडेंट पुनीत गर्ग को भी गिरफ्तार किया था। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर एजेंसी ने अनिल धीरूभाई अंबानी ग्रुप के खिलाफ बैंक धोखाधड़ी और वित्तीय गड़बडियों के कई मामलों की जांच के लिए हाल ही में एक एसआईटी का गठन किया है।

मणिपुर के उखरुल में हिंसा भड़की

इंफाल। मणिपुर में नई सरकार बनने के एक हफ्ते बाद ही एक बार फिर हिंसा भड़क गई है। उखरुल के लिटन सरेइखोंग गांव में मंगलवार को उपद्रवियों ने कई घरों को आग लगा दी। इसके बाद 5 दिन के लिए इंटरनेट सस्पेंड कर दिया है। तांगखुल और कुकी जनजातियों के बीच हाल ही में हुई हिंसक झड़प के बाद उखरुल के लिटन गांव में सिक्योरिटी फोर्स मौजूद हैं। मणिपुर के मंत्री गोविंददास कोंथौजम ने सोमवार को कहा था कि कम से कम 21 घर जला दिए गए हैं और हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हालात को कंट्रोल करने के लिए इलाके में और सिक्योरिटी फोर्स तैनात की गई हैं। तांगखुल नागा के दो संगठनों, काथो लॉन्ग और काथो कटमनाओ लॉन्ग ने उखरुल और आस-पास के कामजोंग जिले में कुकी लोगों के आने-जाने पर रोक लगा दी है।

सुनेत्रा पवार राज्यसभा से इस्तीफा देंगी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद सुनेत्रा पवार बुधवार को राज्यसभा से इस्तीफा देंगी। बुधवार सुबह सुनेत्रा पवार गृहमंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से करेंगी मुलाकात। अजित पवार के निधन के बाद सुनेत्रा पवार को महाराष्ट्र का उपमुख्यमंत्री बनाया गया है। अब उन्हें राज्यसभा से इस्तीफ़ा देना होगा।

कुछ ना कहना

हिमंता शूटिंग वीडियो विवाद- सुप्रीम कोर्ट सुनवाई को तैयार, सीजेआई बोले

चुनाव आते ही कोर्ट भी राजनीति का हिस्सा बन जाता है

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के विवादित वीडियो को लेकर सीपीआई(एम) और सीपीआई के नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई है। वीडियो में मुख्यमंत्री एक मुस्लिम लोगों की ओर राइफल ताने हुए दिखाई दे रहे थे। इस वीडियो के आधार पर वामपंथी नेताओं ने मुख्यमंत्री के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

सीनियर वकील निजाम पाशा ने मंगलवार को यह मामला चीफ जस्टिस सूर्यकांत के सामने मेंशन किया। उन्होंने कहा कि असम के मौजूदा मुख्यमंत्री के भाषणों और हाल में सामने आए वीडियो को लेकर सुप्रीम कोर्ट के तत्काल हस्तक्षेप की जरूरत है। निजाम पाशा ने यह भी बताया कि इस मामले में संबंधित अधिकारियों को शिकायतें दी गई हैं, लेकिन अब तक किसी भी शिकायत पर एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। जस्टिस सूर्यकांत ने यह भी कहा कि कोर्ट इस याचिका पर सुनवाई के लिए तारीख तय करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने सीपीआई(एम) और सीपीआई नेताओं की याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई है। याचिका में असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है।

कांग्रेस ने पहले उठाया था वीडियो का मुद्दा

दरअसल, 8 जनवरी को कांग्रेस ने दावा किया कि असम बीजेपी एक्स हैंडल से एक वीडियो पोस्ट किया गया जिसमें असम सीएम हिमंत बिस्वा सरमा मुसलमानों को गोली मारते दिख रहे हैं। कांग्रेस ने कहा कि ये वीडियो अल्पसंख्यकों की टार्गेटेड पॉइंट-ब्लैंक हत्या को बढ़ावा देने जैसा है। कांग्रेस का दावा है कि वीडियो डिलीट कर दिया गया है। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत के एक्स हैंडल पर दिख रहे वीडियो में नजर आ रहा है कि असम मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा कथित तौर पर एक राइफल से निशाना साधते और दो लोगों पर गोली चलाते हुए दिख रहे थे। निशाने में दिख रही तस्वीर में एक ने टोपी पहनी थी और दूसरे की दाढ़ी थी। इसका कैप्शन पॉइंट-ब्लैंक शॉट था। श्रीनेत के शेयर किए गए वीडियो में असम की भारतीय जनता पार्टी का एक्स अकाउंट नजर आ रहा है।

हिमंत सरमा ने गोगोई पर ठोका 500 करोड़ का मानहानि का दावा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस नेताओं द्वारा लगाए गए आरोपों को झूठा और दुर्भावनापूर्ण बताया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये आरोप उनकी छवि खराब करने के इरादे से लगाए गए हैं। इन आरोपों के खिलाफ मुख्यमंत्री सरमा ने कांग्रेस नेता गौरव गोगोई और दो अन्य लोगों के खिलाफ 500 करोड़ रुपये का मानहानि (डिफेमेशन) का केस दर्ज कराया है। मुख्यमंत्री का कहना है कि कांग्रेस नेताओं ने बिना किसी सबूत के गंभीर आरोप लगाए, जिससे उनकी व्यक्तिगत और राजनीतिक छवि को नुकसान पहुंचा है।

नए इनकम टैक्स एक्ट में पैन कार्ड की अनिवार्यता से जुड़े बदलाव

10 लाख तक कैश ट्रांजैक्शन पर पैन जरूरी नहीं

नई दिल्ली। नए इनकम टैक्स एक्ट, 2025 के ड्राफ्ट नियमों में पैन कार्ड की अनिवार्यता से जुड़े बदलाव किए गए हैं। इसका मकसद छोटे ट्रांजेक्शन पर कागजी कार्रवाई कम करना है। प्रस्तावित नियमों के मुताबिक, अब एक फाइनेंशियल ईयर में 10 लाख या उससे ज्यादा कैश जमा करने या निकालने पर ही पैन नंबर देना अनिवार्य होगा। वर्तमान में बैंकिंग कंपनी या को-ऑपरेटिव बैंक में एक दिन में 50,000 से ज्यादा कैश जमा करने पर पैन कार्ड देना जरूरी होता है। सरकार के इस कदम से छोटे व्यापारियों और आम लोगों को राहत मिलेगी।

वहीं होटल के बिल चुकाने के लिए पैन कार्ड की लिमिट 50,000 से बढ़ाकर 1 लाख की गई है। यानी अगर बिल 1 लाख से कम है, तो पैन की जरूरत नहीं होगी। यही नियम कन्वेंशन सेंटर और इवेंट मैनेजमेंट पेमेंट पर भी लागू होगा। वहीं, प्रॉपर्टी की खरीद-बिक्री या गिफ्ट के मामले में यह लिमिट 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख करने का प्रस्ताव है।

5 लाख से महंगी बाइक पर देना होगा पैन

अगर आप 5 लाख से ज्यादा कीमत की मोटरसाइकिल या कोई भी मोटर व्हीकल खरीदते हैं, तो पैन नंबर देना होगा। मौजूदा नियमों में टू-व्हीलर के लिए पैन की कोई शर्त नहीं थी, जबकि चार पहिया वाहनों के लिए कीमत चाहे जो भी हो, पैन देना अनिवार्य था। अब 5 लाख तक की गाडियों को इस दायरे से बाहर रखा जा सकता है। वहीं किसी भी इंश्योरेंस कंपनी के साथ अकाउंट-बेस्ड रिलेशनशिप शुरू करने के लिए पैन जरूरी होगा। अभी तक सिर्फ 50 हजार रुपए से ज्यादा के लाइफ इंश्योरेंस प्रीमियम पर ही पैन मांगा जाता था। अकाउंट-बेस्ड रिलेशनशिप का मतलब है कि अब पॉलिसी खरीदने पर बैंक की तरह आपका एक स्थायी प्रोफाइल या खाता खुलेगा। क्रिप्टो एक्सचेंज को अब इनकम टैक्स विभाग के साथ जानकारी साझा करना अनिवार्य होगा। डिजिटल करेंसी को भी अब इलेक्ट्रॉनिक पेमेंट के रूप में स्वीकार किया गया है।

मोदी का प्लेन 14 फरवरी को हाइवे पर लैंड करेगा

पहली बार कोई पीएम इमरजेंसी एयरस्ट्रिप पर उतरेंगे, असम के मोरान में बना पूर्वोत्तर का पहला एयरस्ट्रिप

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 फरवरी 2026 को असम के मोरान में एक हाईवे पर बनी इमरजेंसी एयरस्ट्रिप पर उतर सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह पूर्वोत्तर भारत में पहली बार होगा जब किसी पीएम का प्लेन पारंपरिक एयरपोर्ट की बजाय हाईवे पर लैंड करेगा। यह एयरस्ट्रिप नेशनल हाईवे 127 के डिब्रूगढ़-मोरान हिस्से पर बनाई गई है।

यह पूर्वोत्तर में पहला ऐसा मौका होगा। पीएम की मौजूदगी में राफेल और सुखोई लड़ाकू विमान एक स्पेशल एरियल डेमो करेंगे। इसमें विमान हाईवे से ही लैंडिंग और टेकऑफ दिखाएंगे। डेमो करीब 30-40 मिनट का होगा। यह इवेंट भारत की इमरजेंसी तैयारियों, पूर्वोत्तर के विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा को दिखाएगा। पीएम की यात्रा इंफ्रास्ट्रक्चर के दोहरे इस्तेमाल (सिविल-मिलिट्री) पर जोर देगी। यह डेमो एयरस्ट्रिप की क्षमता का पता करेगा। राफेल फ्रांस से खरीदे गए आधुनिक जेट हैं, जबकि सुखोई रूस से लिए गए हैं। दोनों ही भारतीय वायुसेना के मुख्य हथियार हैं।

एआई से बने वीडियो अब नहीं बचेंगे

सरकार लाई सख्त नियम, 3 घंटे में हटेगा फेक कंटेंट

नई दिल्ली। सरकार ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बने कंटेंट को लेकर नए नियम नोटिफाई कर दिए हैं। इन नियमों का सीधा असर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और डिजिटल कंपनियों पर पड़ेगा। अब इंटरनेट पर जो भी कंटेंट एआई टूल्स से बनेगा, उसे साफ तौर पर लेबल करना जरूरी होगा। ये बदलाव 20 फरवरी 2026 से लागू होंगे।

पिछले कुछ समय में डीपफेक वीडियो, फर्जी तस्वीरें और नकली ऑडियो तेजी से फैलते दिखे हैं। आम यूजर के लिए असली और नकली में फर्क करना मुश्किल हो गया है। सरकार का मानना है कि इसी वजह से गलत जानकारी, बदनामी और धोखाधड़ी के मामले बढ़े हैं। नए नियम इसी खतरे को कंट्रोल करने की कोशिश हैं। सरकार ने अब सिंथेटिक कंटेंट की साफ परिभाषा दी है। इसका मतलब ऐसे ऑडियो, वीडियो, फोटो या विजुअल्स से है जो कंप्यूटर या एल्गोरिदम से बनाए गए हों और देखने में बिल्कुल असली लगें। यानी ऐसा कंटेंट जो किसी इंसान या घटना को इस तरह दिखाए कि लोग उसे सच मान लें। हालांकि साधारण एडिटिंग, कलर सुधार, ट्रांसलेशन या डॉक्यूमेंट तैयार करना इस दायरे में नहीं आएगा, जब तक उससे कोई फर्जी या भ्रामक रिकॉर्ड नहीं बनता।

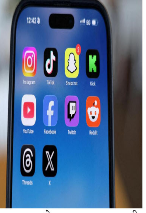

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा...

उपद्रवियों ने कई घरों को आग के हवाले किया

इंफाल। मणिपुर में नई सरकार के गठन के महज एक सप्ताह बाद ही हालात फिर बिगड़ते दिख रहे हैं। उखरुल जिले के लिटन सरेइखोंग गांव में हिंसा भड़क उठी, जहां उपद्रवियों ने कई घरों को आग के हवाले किया। घटना के बाद प्रशासन ने एहतियातन पूरे क्षेत्र में पांच दिनों के लिए इंटरनेट सेवाएं निलंबित की हैं। जानकारी के अनुसार, लिटन सरेइखोंग गांव में यह हिंसा तांगखुल और कुकी जनजातियों के बीच हाल ही में हुई झड़प के बाद सामने आई है। आगजनी की घटना के बाद गांव और आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल है। स्थिति को काबू में रखने के लिए सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ा दी गई है। मणिपुर सरकार में मंत्री गोविंददास कोंथौजम ने बताया कि हिंसा के दौरान करीब 21 घरों को जलाया गया है। उन्होंने कहा कि हालात फिलहाल तनावपूर्ण बने हुए हैं, लेकिन प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है। मंत्री के अनुसार, किसी भी नई घटना को रोकने के लिए इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल भेजा हैं और शांति बहाली के प्रयास हो रहे हैं। इस बीच, तांगखुल नागा समुदाय से जुड़े दो संगठनों—काथो लॉन्ग और काथो कटमनाओ लॉन्ग—ने उखरुल और उससे सटे कामजोंग जिले में कुकी समुदाय के लोगों के आने-जाने पर रोक लगाने का ऐलान किया है। इस फैसले के बाद क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है, क्योंकि इससे सामाजिक और प्रशासनिक चुनौतियां खड़ी हो गई हैं।

विधवा बेटी के पुनर्विवाह पर तालिबानी समाज ने जाति से बहिष्कृत किया, 25 हजार का जुर्माना भी लगाया!!

कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनी 96 आवेदकों की समस्या

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 10 फरवरी को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर जीएस धुर्वे, श्री डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव ने आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनका निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 96 आवेदक अपनी समस्या लेकर आये थे ।

जनसुनवाई में मंडई टेकरी लांजी के निवासी 73 वर्षीय मानिक सोनवाने शिकायत लेकर आये थे कि उनके द्वारा अपनी विधवा पुत्री का पुनर्विवाह कराये जाने के कारण बिंझवार समाज के अध्यक्ष अजय पालेवार, उपाध्यक्ष राजकुमार मलगाम, कोषाध्यक्ष राजू मेघनाथ एवं लक्ष्मण नेवारे द्वारा सामाजिक बैठक बुलाकर उसे 10 साल की अवधि के लिए जाति समाज से बहिष्कृत कर दिया गया है और उस पर 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। मानिक सोनवाने का कहना है कि उसकी पुत्री का पूर्व में विवाह होने के बाद वर्ष 2022 में गंभीर बीमारी के कारण उसके पति की मृत्यु हो गई है। उसने अपनी विधवा पुत्री का सामाजिक रीति रिवाज के अनुसार एवं कोर्ट मैरिज के माध्यम से महाराष्ट्र रामटेक के युवक से 08 जनवरी 2026 को पुनर्विवाह कराया है। अपनी विधवा पुत्री का पुनर्विवाह कराना समाज के लोगों द्वारा स्वीकार नहीं किया जा रहा है और उसका सामाजिक बहिष्कार करने का फरमान 16 जनवरी 2026 को जाति समाज की बैठक में सुनाया गया है। जिसके कारण वह मानसिक पीड़ा व क्लेश से परेशान है। इस पर लांजी एसडीएम को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं।

फर्जी भूमि स्वामी का पट्टा!!

जनसुनवाई में लांजी तहसील के ग्राम बकरामुंडी निवासी तिलकसिंह वरकड़े शिकायत लेकर आये थे कि उसका परिवार 100 वर्ष से जिस जमीन पर कब्जा है उसका देवचंद कालबेले, कपूरचंद कालबेले, ताराचंद कालबेले ने कूटरचित तरीके से जालसाजी कर फर्जी भूमि स्वामी का पट्टा बना लिया है। जिसके कारण उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित होना पड़ रहा है। अतः इसकी जांच कर दोषी व्यक्तियों पर कार्यवाही की जाये। इस प्रकरण में लांजी एसडीएम को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये है।

परिवार पेंशन की मांग

खैरलांजी तहसील के ग्राम भौरगढ़ की रजनी मुड़े परिवार पेंशन दिलाने की मांग लेकर आयी थी। उसका कहना था कि कोरोना काल में माता-पिता दोनों की मृत्यु हो गई है। उसके पिता शासकीय प्राथमिक शाला कटोरी से सेवानिवृत्त हुए थे। उसके पास अपना गुजारा करने के लिए कोई सहारा नहीं है। इस पर सामाजिक न्याय विभाग की जिला समन्वयक को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं।

निःशक्त विवाह प्रोत्साहन योजना की मांग

कटंगी तहसील के ग्राम सेलवा के निवासी शुभम विश्वकर्मा निःशक्त विवाह प्रोत्साहन योजना की राशि दिलाने की मांग लेकर आये थे। उनका कहना था कि वह निःशक्त है और उसका विवाह 10 मई 2024 को हुआ है। उसने निःशक्त विवाह प्रोत्सावहन योजना में मिलने वाली राशि के लिए 04 सितम्बर 2024 को आवेदन किया है, लेकिन उसे अब तक राशि नहीं मिली है। अतः उसे शीघ्र राशि दिलायी जाये। इस पर सामाजिक न्याय विभाग की जिला समन्वयक को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं।

अनुग्रह राशि की मांग

बिरसा तहसील के ग्राम कैंडाटोला की संगीता मरकाम संबल योजना के अंतर्गत अनुग्रह राशि दिलाने की मांग लेकर आयी थी। संगीता का कहना था कि उसके पति नोहर सिंह की 09 जनवरी 2024 को मृत्यु हो गई है। उसके परिवार का संबल योजना में पंजीयन है। उसके द्वारा ग्राम पंचायत कैंडाटोला में सभी दस्तावेजों के साथ संबल योजना की अनुग्रह राशि के लिए आवेदन जमा कर दिया गया है, लेकिन अब तक उसे अनुग्रह राशि नहीं मिली है। ऐसी ही शिकायत लेकर बालाघाट विकासखंड के ग्राम तिवड़ीकला की रेखा पंचभावे भी आयी थी। रेखा के पति देवेन्द्र की 10 जनवरी 2025 को मृत्यु हो गई है और उसका परिवार भी संबल योजना में पंजीकृत है। इस पर जिला श्रम पदाधिकारी को दोनों प्रकरणों की जांच कर कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं।

योगा शिक्षक ने वेतन मांगा

जनसुनवाई में स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत एनएचएम में वर्ष 2021 में नियुक्त योगा शिक्षक वेतन दिलाये जाने की मांग लेकर आये थे। उनका कहना था कि लगभग 26 योगा शिक्षक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र धपेरा-मोहगांव, कचनारी, दमोह, बिरसा, लामता, गोरेघाट, महदुली, हट्टा, मंडई, जाम, परसवाड़ा, बैहर, आंजनबिहरी, किरनापुर, कटंगझरी में कार्यरत हैं। उन्हें माह जुलाई 2025 से जनवरी 2026 तक का वेतन नहीं मिला है। जिससे योगा शिक्षक आर्थिक परेशानी से जूझ रहे हैं। अतः उन्हें 07 माह का बकाया वेतन शीघ्र दिलाया जाये। इस पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं। लालबर्रा तहसील के ग्राम कनकी निवासी दुलिराम कापसे प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिलने की मांग लेकर आये थे। उनका कहना था कि वे ग्राम कनकी में कई पीढ़ियों से रह रहे है। उन्हें पूर्व में इंदिरा आवास के लिए प्लाट मिला है लेकिन उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होने के कारण वे बांस-बल्ली डालकर एक झोपड़े में रह रहे है। उनका कहना है कि उन्हें पीएम आवास योजना से एक घर मिल जाएं तो वे भी अपना जीवन-यापन अच्छे से कर सकते है। इस प्रकरण में जनपद सीईओ को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है।

पशु शेड के लिये राशि नही मिली

कटंगी विकासखंड के ग्राम सावंगी की शोभा डोंगरवार शिकायत लेकर आयी थी उसे वर्ष 2024 में पशु शेड स्वीकृत किया गया है। ग्राम पंचायत की अनुमति से उसने पशु शेड का काम चालू भी कर लिया है, लेकिन उसे अब तक शासन से इस कार्य के लिए राशि नहीं मिली है। इस पर जिला पंचायत के मनरेगा परियोजना अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं। वार्ड नंबर 03 गौस नगर बालाघाट के नागरिक शिकायत लेकर आये थे कि वर्ष 2016 में उनके वार्ड में विधायक निधि से 03 नग बिजली को खंबे लगाये गये थे। लेकिन कुछ समय बाद उसमें से एक खंबा विद्युत मंडल द्वारा निकाल कर ले जा लिया गया और बताया गया कि कुछ दिन बाद यह खंबा फिर से लगा दिया जायेगा। लेकिन आज तक वह खंबा नहीं लगाया गया है, जिसके कारण आगे के खंबे पर बिजली की लाईन नहीं डाली गई है। जिससे उनके क्षेत्र में अंधकार रहता है और नये कनेक्शन लेने वालों को परेशानी हो रही है। अतः निकाले गये खंबे को पुनः लगवाया जाये। इस पर एमपीईबी के कार्यपालन यंत्री को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं।

अंत्योदय राशन कार्ड की मांग

बालाघाट तहसील के ग्राम नैतरा के सुखलाल देव्हारे अपना अंत्योदय राशन कार्ड बनाने की मांग लेकर आये थे। उनका कहना था कि उसके परिवार में पत्नि के अलावा कोई सदस्य नहीं है और वह भूमिहीन है, मजदूरी के अलावा आय का कोई साधन नहीं है। उम्र अधिक होने के कारण दोनो पति-पत्नि बीमार रहते हैं। उन्हें बीपीएल राशन कार्ड पर हर माह 10 किलो राशन मिलता है, लेकिन इसमें गुजारा संभव नहीं होता है। अतः उन्हें अंत्योदय राशन कार्ड बनाकर दिया जाये। जिससे उन्हें हर माह 35 किलो राशन मिल सकेगा। इस पर जिला खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी को शासन के नियमों के अनुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये है।

महाशिवरात्रि को लेकर तैयारियां जोरों पर

पर्व विशेष पर महामृत्युंजय घाट पर लगेगा भव्य मेला
मेले को लेकर एसडीएम ने किया स्थल का निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। देवों के देव महादेव के पावन पर्व महाशिवरात्रि के अवसर पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सिंधी समाज द्वारा वैनगंगा नदी के किनारे स्थित महामृत्युंजय घाट पर भव्य मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन पूज्य सिंधी पंचायत समिति बालाघाट द्वारा आयोजित है, महाशिवरात्रि के अवसर आयोजित इस मेले में बालाघाट ही नही अपितु अन्य जिलो से भी सिंधी समाज और भक्तों का जनसैलाब उमड़ता है।15 फरवरी को आयोजित होने वाले महाशिवरात्रि मेले को लेकर 10

फरवरी को एसडीएम गोपाल सोनी ने पूज्य सिंधी पंचायत के पदाधिकारियो के साथ मेले स्थल का निरीक्षण किया, इस दौरान नवागत नगरपुलिस अधीक्षक मयंक तिवारी, कोतवाली थाना प्रभारी सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी व समाजिक जन बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

व्यवस्था बनाने को लेकर दिए गए आवश्यक दिशा निर्देश

स्थानीय महामृत्युंजय घाट पर पुल निर्माण का कार्य भी प्रारंभ है, जिसको लेकर यहां व्यवस्थाओं को लेकर और श्रद्धालुओ को लेकर किसी भी प्रकार की कोई समस्या ना हो इस विषय को दृष्टिगत रखते हुए आवश्यक तैयारियां की गई। जहां मेले में पहुंचमार्ग, वाहनो की पार्किंग सहित अन्य तैयारियो को लेकर एसडीएम गोपाल सोनी ने समाजिक जनो से चर्चा की। चर्चा के दौरान एसडीएम गोपाल सोनी ने बताया कि महाशिवरात्रि के दिन पूज्य सिंधी पंचायत के द्वारा मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमें 15 हजार के आसपास श्रद्धालुओ के पहुंचने की संभावना रहती है, चूंकि वर्तमान में महामृत्युंजय घाट पर पुल का निर्माण कार्य प्रारंभ है वही वैनगंगा नदी का जल स्तर भी ब?ा हुआ है, जिसको लेकर सभी सुरक्षा दृष्टिकोण से भ्रमण कर संबंधित विभाग को व्यवस्थाओ को पूर्ण करने के निर्देश दिये गये है।

संघ की साख को ठेस पहुंचाने का आरोप

भवन निर्माण ठेकेदार संघ ने कोतवाली में दी लिखित शिकायत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मंगलवार को भवन निर्माण ठेकेदार संघ, जिला बालाघाट ने ,एक ठेकेदार पर संगठन की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाते हुए कोतवाली,में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। संघ का कहना है कि वर्षों से निष्पक्ष और सामाजिक भूमिका निभा रहे संगठन को जानबूझकर बदनाम

करने का प्रयास किया जा रहा है, जो अनुचित है। उन्होंने एक ठेकेदार के खिलाफ नामजद शिकायत देते हुए, फरियादी मकान मालिक व संघ की शिकायत के आधार पर मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी ठेकेदार के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

मकान निर्माण विवाद बना शिकायत की वजह

ज्ञापन सौपने पहुचे संघ पदाधिकारियो द्वारा बताया गया कि ग्राम गर्रा निवासी राजकुमार मंडलवार ने अपने मकान निर्माण कार्य को लेकर संघ को लिखित शिकायत सौंपी थी। उक्त निर्माण कार्य ग्राम मंगेझरी निवासी ठेकेदार दिनेश पंचेश्वर द्वारा किया जा रहा था। मकान मालिक ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता से असंतुष्ट होने की बात कही थी।शिकायत प्राप्त होने पर संघ ने अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए दोनों पक्षों को बुलाकर मामले में समझौता कराने का प्रयास किया। संघ का आरोप है कि इस प्रक्रिया के दौरान ठेकेदार दिनेश पंचेश्वर ने आपसी सुलह करने के बजाय विभिन्न माध्यमों से संघ के विरुद्ध बयानबाजी करते हुए उसकी छवि धूमिल करने की कोशिश की है।

ठेकेदार कर रहा अनावश्यक बयानबाजी

संघ पदाधिकारियों ने बताया कि उक्त ठेकेदार द्वारा की जा रही तथाकथित पेपरबाजी और आरोप-प्रत्यारोप से संगठन की साख पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। संघ ने स्पष्ट किया कि उसका उद्देश्य किसी भी पक्ष का पक्षपात करना नहीं, बल्कि विवादों को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाना है।

पदाधिकारियो ने आगे बताया की भवन निर्माण ठेकेदार संघ वर्ष 2003 से सक्रिय है और शहर सहित जिले में चल रहे निर्माण कार्यों के दौरान मकान मालिक और ठेकेदार के बीच उत्पन्न होने वाले विवादों को आपसी सहमति से सुलझाने का कार्य करता आ रहा है। संघ द्वारा हमेशा मौके की वास्तविक स्थिति को देखते हुए दोनों पक्षों को बैठाकर समझाइश एवं सुलह कराई जाती रही है।

मामले की हो निष्पक्ष जांच, दोषियों पर करें कार्यवाही - भगत

भवन निर्माण ठेकेदार संघ अध्यक्ष गेन्दलाल भगत ने कोतवाली प्रभारी से मुलाकात कर मामले की निष्पक्ष जांच कराकर संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है, ताकि भविष्य में संगठन की छवि को नुकसान पहुंचाने वाले ऐसे प्रयासों पर रोक लगाई जा सके।संघ अध्यक्ष गेन्दलाल भगत ने कहा कि संगठन हमेशा पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ कार्य करता रहा है और आगे भी इसी सिद्धांत पर कार्य करता रहेगा।

कक्षा 12वीं बोर्ड के विद्यार्थियों ने हाल किया अंग्रेजी का पर्चा

15129 परीक्षार्थियों ने हल किया अंग्रेजी का पर्चा, 192 परीक्षार्थी नहीं पहुंचे परीक्षा केन्द्र

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अंग्रेजी विषय के पेपर के साथ मंगलवार 10 जनवरी से माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा, कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा प्रारंभ कर दी गई है। इसके पहले दिन कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों में उपस्थित होकर अंग्रेजी विषय का पर्चा हल किया। इस परीक्षा को संपन्न करने के लिए जिले में 118 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। जिसमें कुल दर्ज 15129 विघार्थियों में से 14937 विद्यार्थियों ने परीक्षा केंद्रों पर उपस्थित होकर प्रथम प्रश्न पत्र के रूप में अंग्रेजी विषय का पर्चा हल किया जबकि पहले ही दिन इस परीक्षा से 192 विघार्थी अनुपस्थित रहे।

किसी भी केंद्र में नही बना नकल प्रकरण

उधर इस परीक्षा को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने और नकल प्रकरण रोकने के लिए विभिन्न परीक्षा केद्रो में अधिकारियों का निरीक्षण जारी रहा। जहां पूर्व से गठित 09 उड़नदस्ता टीमो की मदद से अधिकारियों ने विभिन्न परीक्षा केंद्रो का निरीक्षण किया। इस दौरान किसी भी परीक्षा केंद्र में नकल प्रकरण नहीं बना।परीक्षा के दौरान फ्लाईंग स्कॉट में बालाघाट एसडीएम गोपाल सोनी ने संवदेनशील परीक्षा केन्द्र, महारानी लक्ष्मीबाई कन्या विद्यालय का निरीक्षण किया।

परीक्षा केंद्र ढूंढने में अभिभावक भी हुए परेशान

परीक्षा केन्द्रो में परीक्षा से पूर्व परीक्षार्थियों के साथ ही अभिभावक भी पहुंचे थे। यहां उन्होंने केन्द्रो में बच्चो के रोल नंबर ढूंढने में उनकी मदद की। हालांकि परीक्षा से 15 मिनट पूर्व, केन्द्र परिसर से सभी अभिभावकों को बाहर कर दिया गया।वही मंगलवार को परीक्षा से पूर्व, कई ऐसे अभिभावक और परीक्षार्थी, एडमिट कार्ड में सेंटर का नाम एक्सीलेंस स्कूल, लिखा होने से परेशान होते रहे। बाद में उन्हें पता चला कि उत्कृष्ट विद्यालय ही एक्सीलेंस स्कूल है। जिसके बाद उन्होंने राहत की सास ली।एक अभिभावक ने बताया कि एडमिट कार्ड में सेंटर का नाम अंग्रेजी भाषा में एक्सीलेंस लिखा होने से, वह परेशान रहे। चूंकि एक्सीलेंस स्कूल, पूर्व में गव्हरमेंट स्कूल से पहचाना जाता था, इसके कारण, अभिभभावकों को समझने में परेशानी हुई।

13 फरवरी से प्रारंभ होगी कक्षा दसवीं की परीक्षा

इस वर्ष हायर सेकेंडरी और हाईस्कूल बोर्ड परीक्षाओ में जिले के 39173 परीक्षार्थियों ने पजीयन किया है। माध्यमिक शिक्षा मंडल के निर्देशानुसार 12 वीं बोर्ड की परीक्षा 10 फरवरी से प्रारंभ होकर 7 मार्च तक चलेगी। जबकि कक्षा दसवीं की परीक्षा 13 फरवरी से प्रारंभ होकर 6 मार्च तक होगी। इस वर्ष जिले में कक्षा दसवी में 21682 और कक्षा 12 वीं में 17491 परीक्षार्थी शामिल होंगे। जिनके लिए 132 परीक्षा केन्द्र बनाए गए है। जहां सभी 132 परीक्षा केन्द्रो में हाईस्कूल की परीक्षाएं होंगी। वहीं 118 परीक्षा केन्द्रो में 12 वीं की परीक्षाएं आयोजित की जा रही है। इन परीक्षार्थियो में स्वाध्यायी परीक्षार्थी कक्षा दसवी में 1154 और 12 वीं में 863 है, जिनके लिए संदीपनी स्कूल बालाघाट और महारानी लक्ष्मीबाई कन्या विद्यालय को केन्द्र बनाया गया है। जिसे बोर्ड संवेदनशील माना है।

नकल रोकने 63 अशिकारियो की बनाई गई टीम

बताया गया कि परीक्षा केन्द्रो में नकल रोकने के लिए प्रशासनिक और शिक्षा विभाग की ओर से फ्लाईंग स्कॉट टीम का गठन किया गया है। जिसमें प्रशासनिक टीम में एसडीएम और तहसीलदार के 10, शिक्षा विभाग और जनजातीय विभाग के 10 और एक जिला स्तर का फ्लाईंग स्कॉट होगा। जिसमें कुल 63 अधिकारी तैनात होंगे। इस तरह 21 फ्लाईंग स्कॉट की टीम केन्द्रो का निरीक्षण कर परीक्षा के संचालन और नकल पर नजर रखेगी।

साइबर सुरक्षा एवं सुरक्षित इंटरनेट उपयोग पर उत्कृष्ट विद्यालय में जागरूकता कार्यशाला संपन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। विश्वभर में मनाए जाने वाले Safer Internet Day 2026 के अवसर पर आज 10 फरवरी को शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट में साइबर सुरक्षा एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोग विषय पर एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जिला सूचना विज्ञान अधिकारी सुभाष चन्द्र ठाकरे तथा जिला ई-गवर्नेंस प्रबंधक विवेक मेश्राम द्वारा विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को साइबर सुरक्षा, इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग तथा द्व के बढ़ते प्रभावों पर विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को फिशिंग, ओटीपी/यूपीआई फ्रॉड, फर्जी कस्टमर केयर, डीपफेक, ऑनलाइन ठगी जैसी साइबर चुनौतियों से सावधान रहने की सलाह दी तथा मजबूत पासवर्ड, दो-स्तरीय प्रमाणीकरण और सतर्क डिजिटल व्यवहार अपनाने पर जोर दिया। इसके साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सकारात्मक उपयोग के साथ-साथ उसके दुरुपयोग से होने वाले जोखिमों के बारे में भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त शिक्षक-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। उपस्थित विद्यार्थियों ने विषय में गहरी रुचि दिखाई और साइबर सुरक्षा से संबंधित प्रश्न भी पूछे।

आम सूचना

सूचना हो कि ग्राम देवगाँव, प.ह.क्र. 43 रा.नि.मं. मेंडकी, तह. वारासिवनी, जिला बालाघाट में श्री विकेन्द्र जगने, आत्मज सजनलाल जगने, निवासी वार्ड क्रमाँक 1 बूढ़ी बालाघाट जिला बालाघाट के कब्जे और मालिकी की खसरा क्र0 850/1 रकबा 0.593 हेक्ट0 तथा खसरा क्र. 850/2 रकबा 0.592 हेक्ट. (2.93 एकड़) भूमि स्थित है जिसकी उत्तर दिशा में पंचायत सड़क, दक्षिण दिशा में रेखराम पारधी की भूमि, पूर्व दिशा में नंदकिशोर व रमेश की भूमि तथा पश्चिम दिशा में पंचायत सड़क है जिसे इस सूचना में 'सौदेशुदा भूमि' कहा गया है। सौदेशुदा भूमि श्री विकेन्द्र जगने के नाम से खसरा प्रपत्रों में दर्ज है जो उनके द्वारा पंजीकृत विक्रय पत्र द्वारा अर्जित की गई है। मेरे पक्षकार श्री सारंग जैसवाल, आत्मज श्री अनिल आजाद जैसवाल, निवासी वार्ड क्रमांक 33, मोती नगर बालाघाट जिला बालाघाट व अन्य एक द्वारा विक्रेता श्री विकेन्द्र जगने से सौदेशुदा भूमि क्रय करने का अनुबंध किया जा रहा है। यदि किसी भी व्यक्ति / संस्था को इस विक्रय संव्यवहार के सम्बंध में किसी भी प्रकार की आपत्ति हो या कोई भी व्यक्ति / संस्था सौदेशुदा भूमि में किसी प्रकार का हक, हित, अधिकार, अंश या स्वत्व होने का दावा करता हो तो इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के भीतर मुझे अथवा मेरे पक्षकार को अपनी लिखित आपत्ति, आपत्ति के आधारों एवं दस्तावेजी साक्ष्य सहित लिखित रूप में संसूचित करे। इस सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर कोई आपत्ति प्राप्त न होने की दशा में मेरा पक्षकार विक्रेता के साथ लिखित विक्रय अनुबंध निष्पादित करने अग्रसर होगा और निर्दिष्ट अवधि 07 दिवस के बाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा।

जितेन्द्र मंगलानी,अधिवक्ता
(बालाघाट 88033-88433)
सौरभ जैसवाल
मोंबाईल 6264081051

आवश्यकता है
चौकीदार की आवश्यकता है
वारासिवनी रोड गर्रा
मो. 9827928404

किराये से देना है
ऑफिस काम हेतु
800 Sq.Fit जगह
लेट-बाथ सहित सीमेंट रोड में
1st फ्लोर में सर्वसुविधायुक्त
मो. 9827983285

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

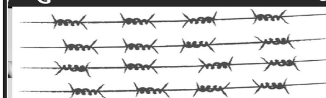

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

कोटपहर ब्लॉक् के पंचामा दादर तथा लूद के जंगल में बॉक्साइट खुदाई का जबर्दस्त विरोध

पंचामा दादर में बैलाडीला की प्रतिध्वनि !

गाँव गाँव 12 फरवरी के जन आंदोलन के लिए दक्षिण बैहर के ग्रामों में जनजागरण, एकजुट हो रहे आदिवासी

पद्मेश विशेष
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जैसे जैसे 12 फरवरी की तारीख करीब आ रही है 12 फरवरी के व्यापक जनआंदोलन को लेकर आदिवासी वर्ग लामबंद होता जा रहा है. उधर,जब से बालाघाट जिला नक्सली मुक्त हुआ उसके बाद से यहां की जंगलों में दबी पी खनिज संपदा के उत्खनन के लिए सरकार तंत्र पूरा जोर लगाने लगी है। उल्लेखनीय है कि इस बात की बानगी है कि आगामी 12 फरवरी 2026 को बालाघाट जिले के उकवा मुख्यालय में रेंज ऑफिस चौक के सामने विशाल जन आंदोलन प्रदर्शन चक्का जाम हो रहा है। यह प्रदर्शन पचमा दादर की पहाड़ी पर बॉक्साइट ब्लॉक खनन के विरोध में है।

इस दौरान बाकायदा एक पेंपलेट प्रकाशित कर इस बात की जानकारी दी गई है कि पंचामा दादर की पहाड़ी में बॉक्साइट उत्खनन से क्षेत्र के कुछ गांव बुरी तरह प्रभावित होंगे जिनका नाम इस प्रकार से बताया गया है- लुद , हिर्री , कोंगेवानी, बम्हनी, हरानाला, घोदी, लौगूर, पौला, कंदई एवं डुड्ढ4ड्ढ 77 ग्राम के प्रभावित होने की जानकारी दी गई है।

इस सन्दर्भ में बताया गया है कि दादर बॉक्साइट ब्लाक खनन के विरोध में दिनांक - 12 फरवरी 2026, दिन गुरुवार समय प्रात: 11ः00 बजे से रेंज ऑफिस चौक उकवा, जिला-बालाघाट (म.प्र.)में चक्का जाम होगा।

आंदोलन को लेकर अपील जारी

उक्त आंदोलन को लेकर अपील किया गया है कि यह क्षेत्रीय नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं के संयुक्त तत्वाधान में अपने संवैधानिक अधिकार जल-जंगल-जमीन तथा प्राकृतिक संसाधनों के लिए तथा शासन-प्रशासन के दोहरी नीति के विरूद्ध विशाल जनांदोलन है जिस (चक्का जाम) में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर आंदोलन को सफल बनाए ।

बताया गया है कि प्रमुख मांगे इस प्रकार है- शासन-प्रशासन द्वारा आदिवासियों के संवैधानिक और वैधानिक हक अधिकारों को सुनिश्चित किये बिना उनके प्राकृतिक संसाधन जल-जंगल-जमीन तथा धार्मिक मान्यताओं पर आघात पहुंचाने,बगैर ग्राम सभा सहमति के बॉक्साइड ब्लाक उत्खनन स्वीकृति की कार्यवाही की जा रही है।जो गलत है।

दूसरी मांग में -आदिवासियों के संवैधानिक अधिकार पेसा एक्ट 1996 नियम 2022 का नियम 27 के अनुसार प्रत्येक ग्राम सभाओं को वन संसाधन ष्ट्स्न्रक्र्कके अधिकार दिये जाने, प्रस्तावित खनन क्षेत्र के ग्राम-लूद, हिरी, कोंगेवानी, बम्हनी, हर्रानाला, घोंदी, लौगुर, पोला, कंदई एवं अन्य 77 ग्रामों को पोटेंशियल (सम्भावित) ग्राम के रूप में चयन कर वन अधिकार (पट्टा) देने की बात कही जा रही है, और उक्त ग्रामों के वन क्षेत्र पचामा दादर बॉक्साइड ब्लाक खनन की स्वीकृति व जनसुनवाई करने की तिथि निर्धारित करना वनाधिकार मान्यता कानून 2006 की धारा 4(5) के अनुसार विधि संगत नहीं है। नियम विरूद्ध है।ये उन्हें स्वीकार नहीं है।

आदिवासियों की मांगे

बताया गया है कि शासन-प्रशासन उनके वैधानिक और संवैधानिक अधिकारों के अनुसार उनके प्राकृतिक संसाधन निस्तार, धार्मिक मान्यताओं, जल-जंगल-जमीन का अधिकार ग्राम सभाओं को देना सुनिश्चित करने के बाद ग्राम सभाओं की पूर्ण सहमति से प्रस्तावित बॉक्साइड ब्लाक खनन कार्यवाही प्रक्रिया लोक / जनसुनवाई किया जावे तथा उनके संविधान की पांचवी अनुसूची अनुच्छेद 244 (1) के तहत अधिसूचित क्षेत्रों में हो रहे वनों की विनाशकारी कटाई एवं सागवन वृक्षारोपण, खनिज उत्खनन पर प्रतिबंध लगाई जावे ।ताकि शुद्ध जलवायु, पर्यावरण संरक्षण तथा जैव विविधता को बचाया जा सके।

आदिवासी 18 फरवरी को माइनिंग लीज की जनसुनवाई का करेंगे विरोध- संजय उइके

पचामा दादर के 60 हेक्टेयर पहाड़ी वाले जंगल को सरकार ने करीब 17 वर्षों के लिए एक कंपनी को माइनिंग की लीज पर भूमि प्रदान कर दी हैं। इसके लिए न तो ग्राम पंचायत और वहां रहने वाले लोगों की सहमति ली है। ऐसे में यहां के आदिवासियों में नाराजगी बनी हैं। इस मामले को लेकर 12 फरवरी को रेंजर आफिस उकवा में जन आंदोलन किया जा रहा है। मंगलवार को ग्राम पंचायत लूद के ग्राम नयाटोला में बैहर विधायक संजय उइके ने वार्ता के दौरान यह बात कहीं। उन्होंने कहा यह सीधा आदिवासियों के अधिकारों का हनन हो रहा है। लौगुर से लेकर उकवा तक जो हमारा वन क्षेत्र है। यहां लगातार माइनिंग को लेकर लोगों में नाराजगी है।60 हेक्टेयर माइनिंग लीज के लिए आवेदन किया गया है। 18 फरवरी को होने वाली जनसुनवाई को रोकने का प्रयास करेंगे। क्योंकि जंगल में आदिवासी भाई रहते है। वन अधिकार कानून लागू है, पेशा एक्ट लागू है। बिना ग्राम पंचायत व निवास कर रहे लोगों की सहमति के बगैर माइनिंग वहां हो नहीं सकती है। विधायक ने कहा आपत्ति दावा मांग रहे है। पर्यावरण का आंकलन जो प्रस्तुत किया गया है, उसमें त्रुटी है वह अंग्रेजी में दिया गया है।पीआईए नोटिफेशन 2006 नियम में यह है कि स्थानीय बोली या मात्र भाषा हिंदी में दिया जाना था। वन संसाधन वन अधिकार के तहत जो दावे है, वह लागू नहीं हैं। पीआई रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि यह लागू ही नहीं होता है।

कारीडोर से लगा है जंगल

विधायक ने कहा आदिवासियों के लिए जानकारी अंग्रेजी भाषा में देने की हमें आपत्ति है। कान्हा राष्ट्रीय उद्यान व पेंच का यह कारीडोर है। इससे जंगल में वन्यजीवों का आना जाना लगा रहता है। समीप ही लौगुर का जंगल लगा है। यहां पर बड़ी संख्या में वन्य प्राणी हैं। ऐसी जगह को सरकार माइनिंग के लिए खोला जा रहा है, यह बड़ी दुर्भाग्य की बात है।माइनिंग क्षेत्र से 800 मीटर की दूरी पर प्राकृतिक जल स्त्रोत है वहां से हर्रानाला, बम्हनी, जल प्रदाय योजना संचालित होती है। पीआईए रिपोर्ट में इसको छुपाया गया है। पीआईए रिपोर्ट में परसवाड़ा का हवाला दिया है, जबकि यहां से परसवाड़ा 35 किलोमीटर दूर हैं। आदिवासियों की आस्था को नुकसान होना नहीं देना चाहते है। आदिवासी पर्यावरण को बचाने चाहता है, लेकिन प्रदेश व केंद्र की सरकार माइनिंग के माध्यम से नष्ट कर रही है।

सबकुछ हो जाएगा नष्ट

जिला पंचायत सदस्य दलसिंह पंद्रे ने कहा हमारा पूरा नाता जल, जंगल, जमीन से है। यह सब नष्ट हो जाएगा तो हमारा जीवन भी नष्ट हो जाएगा। ग्राम सभा का वन अधिकार है, उसके तहत पट्टा वितरण कर दिया जाए। समाजसेवी द्रोपकिशोर मेरावी ने कहा खनन नहीं होना चाहिए, हमारे जंगल में देवी देवता है। 18 फरवरी को होने वाली जनसुनवाई ग्राम पंचायत लुद में रखी गई है। जनसुनवाई को निरस्त कर माइन खनन को रोका जाए। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य मंशाराम मड़ावी के अलावा ग्राम दलदला, घोंदी, बम्हनी, हिर्री, जगनटोला सहित आसपास गांवों के आदिवासी के लोग मौजूद रहे।

गर्रा में निर्माणाधीन रेलवे ब्रिज के नीचे यातायात से बिगड़े हालात

गर्रा रेलवे क्रॉसिंग पर चौपहिया वाहनों का उमड़ा वाहनों का सैलाब, हादसे की आशंका बढ़ी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर से समीप वारासिवनी रोड स्थित गर्रा रेलवे क्रॉसिंग पर निर्माणाधीन रेलवे ब्रिज के नीचे उस समय स्थिति अत्यंत भयावह हो गई। जब अचानक मोटरसाइकिल के साथ-साथ चौपहिया वाहनों का आवागमन बढ़ गया। देखते ही देखते रेलवे ब्रिज के दोनों छोर पर वाहनों का भारी जमावड़ा लग गया, जिससे यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। गौरतलब है कि 10 दिन पूर्व 28 जनवरी से रेलवे ब्रिज पर गटर लॉन्चिंग कार्य के चलते पुलिस विभाग द्वारा नई एडवाइजरी जारी की गई थी। इसके अंतर्गत निर्माणाधीन रेलवे ब्रिज के नीचे से सभी प्रकार के वाहनों के आवागमन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया था और वैकल्पिक मार्गों का निर्धारण किया गया था।एडवाइजरी के अनुसार नगर के समीप से गुजरने वाले डेंजर बायपास रोड से छोटे व बड़े वाहनों के आवागमन के निर्देश दिए गए थे। जबकि भारी वाहनों को फोरलेन मार्ग से आने-जाने के निर्देश जारी किए गए थे। प्रारंभिक दिनों में यह यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित भी हो रही थी।हालांकि बीते दो दिनों से स्थिति में अचानक बदलाव देखने को मिला। पहले निर्माणाधीन रेलवे ब्रिज के नीचे से केवल दोपहिया वाहन (मोटरसाइकिल) को आवागमन की अनुमति दी गई।जबकि चौपहिया वाहनों पर रोक बनी रही। लेकिन 9 फरवरी की रात्रि को चौपहिया वाहनों का भी इसी मार्ग से आवागमन शुरू हो गया।जिससे हालात तेजी से बिगड़ गए। जैसे ही वाहन चालकों को निर्माणाधीन रेलवे ब्रिज के नीचे से आवागमन की सूचना मिली। उन्होंने डेंजर बायपास रोड के बजाय अपने वाहनों को सीधे रेलवे ब्रिज की ओर मोड़ दिया। परिणामस्वरूप ब्रिज के दोनों ओर सैकड़ों वाहन फंस गए और लंबा जाम लग गया। निर्माणाधीन रेलवे ब्रिज के नीचे इस प्रकार का अव्यवस्थित

यातायात बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। कार्य स्थल पर निर्माण सामग्री सीमित स्थान और भारी वाहनों की मौजूदगी के चलते दुर्घटना की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।स्थानीय नागरिकों और वाहन चालकों का कहना है कि यदि प्रशासन द्वारा निर्माणाधीन रेलवे ब्रिज के नीचे से यातायात प्रारंभ किया गया है।तो वहां पुलिस कर्मियों की स्थायी तैनाती अनिवार्य की जानी चाहिए। यातायात पुलिस की मौजूदगी से न केवल वाहनों का सुचारू आवागमन संभव होगा। बल्कि किसी भी अप्रिय घटना से भी बचा जा सकेगा।अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि पुलिस प्रशासन और संबंधित विभाग इस गंभीर स्थिति पर कब और कैसे ठोस कदम उठाते हैं। ताकि आम जनता को राहत मिल सके और निर्माण कार्य भी सुरक्षित रूप से जारी रह सके।

एसआईआर के नाम पर 16 मुस्लिम परिवारों का छीना जा रहा वोट देने का अधिकार ?

ग्राम पंचायत भरवेली का मामला, 2 लोगो ने 25 से 30 मुस्लिमों के नाम पर जताई आपत्ति, बीएलओ को फार्म 7 भरकर नाम काटने का किया आव्हान, पीड़ितों ने थाना पहुंचकर, दिया लिखित आवेदन, मामले की जांच कर दोषियों पर कार्यवाही की करी मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पूरे देश में चल रही है एसआईआर प्रक्रिया के बीच जिला मुख्यालय से करीब 5 किलोमीटर दूर थाना व ग्राम पंचायत भरवेली में 16 मुस्लिम परिवारों के नाम वोटर लिस्ट से काटे जाने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया है।जिसमें उन्हें बाहरी व्यक्ति बताते हुए उनका नाम वोटर लिस्ट से काटने के नाम पर दो लोगों ने बीएलओ को फार्म-7 भरकर दिया है। जिसमें आपत्तिकर्ताओं ने भरवेली वार्ड नंबर 15, 16 और 17 के 25 से 30 मुसलमानों के नाम पर आपत्ति जताते हुए उनके नाम वोटर लिस्ट से काटे जाने की गुहार लगाई है।जिसकी जानकारी मिलने पर पीड़ितों, समाजसेवियों और वार्ड न 15 के पंच ने, मंगलवार की देर रात भरवेली थाना पहुंचकर मामले की लिखित शिकायत दी है। जहां दो लोगों के खिलाफ नामजद शिकायत देते हुए पीड़ितों ने मामले की वैधानिक जांच कर, उन्हें बहारी व्यक्ति बताकर, उनकी छवि को धूमिल करने वाले दोनों व्यक्तियों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर मामले में वैधानिक कार्यवाही करने और उन्हें इंसाफ दिलाए जाने की गुहार लगाई है। इस दौरान हमीदा बी, बफात बी, जुलेखा बी, मुस्कान खान, रुबीना खान, कलीम शेख ,सामाजिक कार्यकर्ता इमरान खान और वार्ड पंच विक्रम सिंह मसकोले सहित अन्य पीड़ति उपस्थित रहे।

सिर्फ मुस्लिमो को ही किया जा रहा टारगेट

पीड़ितों का आरोप है कि एसआईआर के नाम पर फार्म-7 भरकर, आपत्ति ली जा रही है।लेकिन उस आपत्ति में सिर्फ और सिर्फ मुस्लिमो का नाम दर्ज कराकर उनसे वोट देने का अधिकार छीनने का प्रयास किया जा रहा है।जबकि जितनों लोगों के नाम फार्म 7 में भरकर आपत्ति लगाई गई है, वह सभी जन्मजात से उसी वार्ड के निवासी हैं।बावजूद इसके भी जानबूझकर सिर्फ और मुसलमानों को ही टारगेट बनाते हुए उनसे उनका अधिकार छीना जा रहा है। पीड़ितों द्वारा इस मामले में संबंधितों के खिलाफ एफआईआर दर्जकर मामले में वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग की गई है।

शांति सुरक्षा खराब कर, आपसी सौहार्द बिगाड़ने की हो रही कोशिश

भरवेली थाने में दिए गए आवेदन में पीि?तो ने इस बात का उल्लेख किया कि वे और उनके पूर्वज विगत कई वर्षों व जन्म जात से ग्राम भरवेली में निवास करते चले आ रहे है,उनके द्वारा कभी भी गांव में शांति सदभाव खराब नहीं किया गया है, किंतु हमारे गांव के 2 लोगो के द्वारा अपने ही गांव के कुछ साथियों के साथ मिलकर हमारा नाम एस0आई0आर0 सूची से हटाने व गांव की शांति खराब कर, सद्भावपूर्ण वातावरण बिगाड़ने की नियत से झूठी जानकारी दी जा रही है। दो साम्प्रदायों के बीच वैमनष्यता फैलाने की नियत से फार्म -7 के झूठे आवेदन प्रस्तुत कर हमें भारत का नागरिक नहीं कहा जा रहा है तथा हमारा झूठा प्रचार किया जा रहा है कि हम लोग बाहरी है, जिससे हम तथा हमारे परिवार की गांव व समाज में छबि धूमिल हुई है।उन्होंने आवेदन में उल्लेख किया कि यदि इन लोगो पर कोई कठोर दण्डात्मक कार्यवाही नहीं की गई तो उसके हौसले बुलंद हो जायेंगे। हमारी मांग है कि ऐसे लोगों पर एफआईआर दर्ज कर मामले में वैधानिक कार्रवाई की जाए वहीं उन्हें न्याय दिलाया जाए।

फार्म 7 में झूठी जानकारी दे कर, मताधिकार छीनने का हो रहा प्रयास-मुस्कान खान

दो लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने अपने साथियों के साथ पहुंची वार्ड नंबर 15 निवासी मुस्कान खान ने बताया कि हमें बीएलओ से नोटिस आया है कि आप लोग भारत के नहीं है।बताया गया कि हमारे नाम पर दो लोगों ने आपत्ति जताते हुए फॉर्म-7 भरकर दिया है।जिसमें उन्होंने झूठी जानकारी देकर हमारा मताधिकार छीनकर, वोटर लिस्ट से हमारा नाम कटवाने का प्रयास किया है। जिसकी शिकायत लेकर हम भरवेली थाना आए हैं।हमारी मांग है कि इस मामले में वैधानिक कार्यवाही की जानी चाहिए।

मामले में संबंधितों के खिलाफ दर्ज किया जाए प्रकरण- विक्रम सिंह मर्सकोले

मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान वार्ड नंबर 15 पंच विक्रम सिंह मर्सकोले ने बताया कि आज सुबह हमें जानकारी मिली कि मेरे बूथ अंतर्गत आने वाले वार्ड नं 15,16,और 17 के कुछ लोगों के नाम आपत्ति जताई गई है।एसआईआर के नाम पर उनके नाम काटे जाने के लिए आवेदन किया गया है।गांव के ही दो लोगों ने उनके नाम पर आपत्ति जताई है जबकि जिन लोगों के नाम पर आपत्ति जताई गई है वह जन्मजात से इसी वार्ड में रह रहे हैं। इनके बाप दादा को मैं जानता हूं, 50 साल से अधिक समय से वे इसी वार्ड में रह रहे हैं। हमारी मांग है कि एसआईआर के नाम पर वोटिंग लिस्ट से नाम काटने के लिए फॉर्म 7 भरकर देने वालो और झूठी जानकारी भरकर आपत्ति दर्ज करने वालों दोनों लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए।

मुस्लिमो के वोट देने का अधिकार छीनने का हो रहा प्रयास- इमरान

मामले की शिकायत लेकर पीड़ितों के साथ भरवेली थाना पहुंचे सामाजिक कार्यकर्ता इमरान खान ने बताया कि हमें पता चला है कि ग्राम भरवेली में वार्ड नंबर 15, 16 ,17 के जो निवासी हैं। जो 50 से अधिक वर्षों से उसी वार्ड में रह रहे हैं उनके नाम काटने के लिए बीएलओ के पास फार्म7 भरकर दिया गया है। गांव के ही दो लोगों द्वारा करीब 25 से 30 मुसलमानों के नाम वोटर लिस्ट से कटाकर,वोट देने का अधिकार छीनने का प्रयास किया जा रहा है ऐसे लोगों के खिलाफ हम एफआईआर दर्ज कराने आए हैं क्योंकि यहां सिर्फ और सिर्फ मुसलमानों को टारगेट किया जा रहा है यह चिंता का विषय है।संविधान में जो वोट देने का अधिकार है उसे छीना जा रहा है।पीि?तों के खिलाफ झूठी जानकारिया की जा रही है ऐसे लोगों पर एफआईआर दर्ज कर मामले में वैधानिक कार्रवाई की जानी चाहिए।

दामाद ने सास के साथ की मारपीट, जान से मारने की दी धमकी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चिखला में एक महिला को उसके दामाद ने मारपीट कर घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी दी। घटना के संबंध में महिला धनवंती बाई पति सेवकराम पिछोड़े ने पुलिस को रिपोर्ट दर्ज कराई। जहां उसके दामाद कमल मसकरे ग्राम।पिंडरई निवासी के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, धनवंती बाई घरेलू काम करती हैं। उनके परिवार में पति और चार बच्चे हैं, जिनमें तीन बेटियां और एक बेटा शामिल हैं। उनकी एक बेटी सुचित्रा की शादी आठ वर्ष पहले ग्राम पिंडरई के कमल मसकरे के साथ हुई थी। लेकिन पारिवारिक विवाद के कारण पिछले एक वर्ष से सुचित्रा अपने दो बच्चों के साथ अपने मायके ग्राम चिखला में रह रही है।बताया गया है कि चार दिन पहले सुचित्रा अपने रिश्तेदारी में मामा के गांव गई हुई थी। 9 जुलाई की शाम लगभग 7 बजे जब धनवंती बाई अपने नाती किशन 7 वर्ष के साथ घर में थी और घरेलू कार्य कर रही थी। उसी समय दामाद कमल मसकरे आया और अपने बेटे किशन को घर से ले जाने लगा था।धनवंती बाई ने उसे बोली कि नाती किशन को कहां लेकर जा रहे हो।अभी मेरी बेटी सुचित्रा घर में नहीं है। इस पर कमल ने कहा की लड़का मेरा है। बीच में बोलने वाले कौन होते हैं। इसके बाद कमल मसकरे ने अपनी सास धनवंती बाई को अश्लील गालियां देते हुए हाथ-बुक्के से मारपीट कर दी।जब धनवंती बाई ने अपने नाती को घर में रोकने का प्रयास की तो कमल मसकरे ने उसे जान से मारने की धमकी दी। इस पूरी घटना को पड़ोसियो ने देखे। रात को जब धनवंती बाई के पति घर आए तब उसने घटना की जानकारी दी और इसके बाद महिला धनवंती बाई ने अपने पति सेवराम पिछोड़े के साथ थाना जाकर शिकायत दर्ज कराई।। ग्रामीण पुलिस ने धनवंती बाई की रिपोर्ट पर कमल मसकरे पिता राधेलाल, निवासी ग्राम पिंडरई के खिलाफ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आस-पास की खबरें

संघर्षों को मात देकर खमरिया की बेटी साक्षी खरोले ने पाई सफलता

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। कहा जाता है कि यदि मन में अटूट विश्वास और लक्ष्य के प्रति समर्पण हो, तो गरीबी और विपरीत परिस्थितियां कभी आड़े नहीं आती, इस कहावत को चरितार्थ कर दिखाया है। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत खमरिया की बेटी साक्षी खरोले ने कर

दिखाया है। जिन्होने कठिन परिश्रम के साथ इस सफलता को पाई है। सुश्री साक्षी खरोले का चयन भारतीय सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) में हुआ है और हाल ही में अपनी कठिन ट्रेनिंग पूरी कर गृहग्राम पहुंचने पर मंगलवार को उनका भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। भारतीय सीमा सुरक्षा बल की ट्रेनिंग पूरी कर अपनी पदस्थापना के बाद पहली बार गांव पहुंची सुश्री साक्षी खरोले का मंगलवार को लालबर्रा विश्राम गृह में जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल, थाना प्रभारी सुनील चतुर्वेदी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं परिजनों ने फुल-माला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर उनका भव्य स्वागत किया। जिसके बाद विश्राम गृह से डीजे की धुन पर जुलूस निकालकर भारतीय सीमा सुरक्षा बल की सैनिक सुश्री साक्षी खरोले को उनके निवास स्थान तक पहुंचाया गया। इस अवसर उनका जगह-जगह स्वागत भी किया गया। वहीं ग्रामीणों व परिजनों की आंखों में इस दौरान अपनी बेटी की सफलता को लेकर गौरव और सम्मान का भाव स्पष्ट झलक रहा था। आपकों बता दे कि साक्षी खरोले के पिताजी मजदूरी कार्य करते है, जिनकी माता श्री आंगनवाड़ी कार्यकर्ता है और ये तीन भाई-बहन है, जिसमें सुश्री साक्षी खरोले बड़ी बेटी है। जिन्होने कठिन परिश्रम से पढ़ाई कर वर्ष 2025 में एसएससी जीडी की परीक्षा देकर उत्तीर्ण हुई थी। जिसमें उनका चयन भारतीय सीमा सुरक्षा बल में हुआ था। जिसके बाद उनकी ट्रैनिंग पंजाब के होशियारपुर में संपन्न होने के बाद पहली बार 10 फरवरी को लालबर्रा आगमन हुआ, जिनका भव्य स्वागत किया गया। वहीं साक्षी खरोले पूर्वी सीमा त्रिपुरा बार्डर पर तैनात होकर राष्ट्र की रक्षा करेगी। चर्चा में भारतीय सीमा सुरक्षा बल की आरक्षक साक्षी खरोले ने क्षेत्र के युवाओं और अपने छोटे भाई-बहनों को प्रेरणा देते हुए कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। यदि हम अपने लक्ष्य को केंद्र में रखकर निरंतर प्रयास करें, तो मंजिल अवश्य मिलती है। हार तब तक नहीं माननी चाहिए जब तक आप अपना उद्देश्य प्राप्त न कर लें। वहीं उनके परिजनों का कहना है कि साक्षी ने यह साबित कर दिया है कि बेटियां आज किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं और वे सीमा पर खड़े होकर देश की रक्षा करने का हौसला भी रखती हैं। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, पुलिसकर्मी, परिजन व ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

चिचगांव में बाघ ने बैल का शिकार किया, ग्रामीण एवं किसानों में दहशत

ग्रामीणों ने वन विभाग से बाघ को पकड़कर घने जंगल में छोड़ने एवं मुआवजे की मांग की

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी. दूर सोनेवानी अभ्यारण के समीप स्थित ग्राम चिचगांव में बीती शाम में वन्यप्राणी बाघ ने सर्राटी नदी के समीप चर रहे बैल का शिकार कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। वहीं बाघ के हमले से बैल की मौत हो जाने की घटना के बाद से चिचगांव सहित जंगल एवं सर्राटी नदी से लगे ग्रामों के ग्रामीणजन एवं किसानों में दहशत का माहौल निर्मित हो गया है। इस तरह से बाघ के गांव के नजदीक आ जाने एवं घटना स्थल के आसपास उसका मूवमेंट बने होने के कारण ग्रामीणजन व किसान दहशत में जी रहे है। साथ ही खेत जाने के लिए लोग डर भी रहे है जिससे उनका कृषि कार्य प्रभावित हो रहा है। वहीं घटना की जानकारी लगने के बाद वन विभाग के अधिकारी घटना स्थल पहुंचकर आवश्यक कार्यवाही कर मुआवजे के लिए प्रकरण तैयार कर लिया है। ग्रामीणजनों ने वन विभाग से रात्रि गश्त कर वन्यप्राणी बाघ को पकड़कर सुरक्षित घने जंगल में छोड़ने एवं मवेशी मालिक को मुआवजा दिलवाने की मांग की है।

अब तक दर्जनों मवेशियों का बाघ ने कर चुका है शिकार

आपकों बता दे कि सोनेवानी अभ्यारण के समीप जंगल से लगा ग्राम चिचगांव स्थित है और सोमवार को कमलकांत उइके ने बैल के साथ अन्य मवेशियों को चरने के लिए गांव के समीप से गुजरे सर्राटी नदी की ओर लेकर गया था। शाम होने के बाद सभी मवेशी घर आ गये लेकिन एक बैल नही किया। जिसकी आसपास पतासाजी की गई लेकिन कही कुछ पता नही चला। वहीं दुसरे दिन मंगलवार को सुबह के समीप जब किसान सर्राटी नदी की ओर घुमने गया तो बैल मृत अवस्था में दिखाई दिया। जिसका शिकार बाघ ने कर दिया था जिसके बाद वन विभाग को घटना की जानकारी दी गई। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग का अमला मौके पर पहुंचा और मौके स्थल का मुआयना कर पंचनामा कार्यवाही पूरी कर मुआवजा के लिए प्रकरण तैयार किया है। वहीं वन विभाग के अधिकारियों ने ग्रामीण एवं किसानों को अकेले जंगल व खेत की ओर न जाने की अपील की है। इस तरह से बाघ इसके पूर्व भी चिचगांव सहित जंगल से लगे ग्रामों में दर्जनों मवेशियों का शिकार कर चुका है और बार-बार गांव के नजदीक दिखाई देने एवं मवेशियों का शिकार करने की घटना से ग्रामीणजन दहशत में जी रहे है। जबकि वर्तमान समय में रबी धान की रोपाई का कार्य जारी है। किसान रात के समय भी खेत जाते है ऐसी स्थिति में बाघ उन पर भी हमला कर सकता है। बाघ सहित अन्य वन्यप्राणियों के दस्तक से किसान व ग्रामीणजन दहशत में है और उनके कृषि कार्य भी प्रभावित हो रहे है।

बाघ का चिचगांव क्षेत्र में मूवमेंट

वहीं बाघ के हमले से बैल की मृत्यु होने से मवेशी मालिक कमलकांत उइके को करीब 20 हजार रूपये का नुकसान हुआ है। साथ ही तीन दिन पूर्व भी बाघ ने एक बकरी का शिकार कर चुका है। इस तरह से तीन-चार दिनों से बाघ का मुवमेंट (हलचल) उसी तरह में बने होने की बात कही जा रही है क्योंकि ग्राम सर्राटी नदी एवं जंगल से लगा हुआ है और झाड़ियां भी है। जिससे ऐसा लगता है कि बाघ झाड़ियों में छुपा होगा। इस घटना के बाद से ग्रामीणजन, किसान दहशत में है। वहीं ग्रामीण एवं किसानों का कहना है कि गांव के समीप बाघ के पहुंचने एवं मवेशियों का शिकार करने से उन्हे और अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंता सता रही है। इसलिए वन विभाग से मांग है कि रात्रि गश्त कर बाघ को पकड़कर सुरक्षित घने जंगल में छोड़े।

ग्रामीण अकेले जंगल और खेत न जाये - सीता

दूरभाष पर दक्षिण सामान्य वन मंडल लालबर्रा रेंजर श्रीमती सीता भलावी ने बताया कि चिचगांव टेकाड़ी ला. जंगल से लगा हुआ है और सोमवार को चिचगांव में बाघ ने एक बैल का शिकार कर दिया है, वन विभाग के द्वारा पंचनामा कार्यवाही कर मुआवजा के लिए प्रकरण तैयार किया है। साथ ही यह भी बताया कि नवेगांव की ओर काम चल रहा है। ऐसी स्थिति में बाघ चिचगांव की ओर उसका मुवमेंट बना हुआ है एवं वन विभाग के द्वारा रात्रि गश्त भी की जा रही है। श्रीमती भलावी ने बताया कि मंगलवार की शाम में चिचगांव में ग्रामीणों की एक बैठक आयोजित की गई है। जिन्हे समझाईश दी जायेगी कि अकेले खेत व जंगल की ओर न जाये।

खामघाट में बाघ की दस्तक से दहशत, खेतों में जाने से डर रहे किसान!!

किसानों ने वन विभाग से रात्रि गश्त कर वन्यप्राणियों को पकड़ने और दिन में निरंतर 10 घंटे बिजली देने की मांग की

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। लालबर्रा क्षेत्र के किसानों के लिए इन दिनों खेती-किसानी खतरे का काम बन गई है। बीती रात खामघाट (देवरी) के खेतों में एक वन्यप्राणी बाघ देखे जाने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। बाघ के साथ-साथ जंगली सुअर भी खेतों में पहुंचकर फसलों को नुकसान पहुंचा रहे है। साथ ही इन वन्यप्राणियों के दस्तक से किसानों की जान पर भी बन आई है। सोमवार की रात में खामघाट के कुछ किसान ग्राम से समीप स्थित खेत में लगी की दस्तक से किसानों में दहशत का माहौल बना हुआ है। साथ ही जंगली सुअर भी खेतों में पहुंचकर फसल को नुकसान पहुंचाते है जिससे किसान परेशान है। अगर बीती रात्रि में अगर किसान अकेले रहता तो बाघ उस पर हमला कर सकता था लेकिन जानकारी लगते ही खेत में उपस्थित किसान एकत्रित हो गये और उनकी आहट सुनकर वह जंगल की ओर भाग गया। आगे बताया कि वन विभाग से मांग है कि रात्रि गश्त कर हिंसक वन्यप्राणियों को पकड़ने के लिए उचित प्रबंध

फसल में पानी सिंचाई हेतु बिजली आने पर रात 12 बजे के बाद मोटरपंप चालू करने खेत गये थे। तभी एक किसान को वन्यप्राणी बाघ दिखाई दिया। जिसने अपने साथी को बताया और बाघ को देखकर वे घबरा गये। जिसके बाद अन्य लोगों को जानकारी दी गई और एक दर्जन से अधिक लोग एकत्रित हुए। वहीं ग्रामीणों की आहट सुनने के बाद बाघ घने जंगल की ओर चले गया। इस तरह से बीती रात्रि में खामघाट के खेतों में किसानों को बाघ दिखाई देने के बाद से किसान दहशत में है और खेतों में जाने से डर रहे है। लेकिन उनकी मजबूरी है कि उन्हे रात में भी खेत जाना पड़ रहा है क्योंकि वर्तमान में खेतों में चना, गेंहू की फसल लगी हुई है एवं रबी सीजन में धान की फसल लगाना है। जिसमें सिंचाई के लिए विद्युत विभाग के द्वारा दो शिफ्ट में बिजली प्रदाय की जा रही है। जिसमें रात 12 बजे के बाद बिजली खेती कार्य के लिए मिलने पर किसानों को रात में मोटरपंप चालू करने जाना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में हिंसक वन्यप्राणी बाघ सहित जंगली सुअर अगर किसानों पर हमला करते है तो बहुत बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। वहीं जंगली सुअर भी रात्रि के समय खेतों में पहुंचकर फसलों को नुकसान पहुंचा रहे है, जिससे किसान परेशान है। खामघाट के किसानों ने वन विभाग से रात्रि गश्त कर वन्यप्राणी बाघ, जंगली सुअर को सुरक्षित पकड़कर घने जंगल में छोड़ने एवं विद्युत विभाग से दिन के समय निरंतर 10 घंटे बिजली प्रदाय करने की मांग की है। वहीं उक्त मांगे पूरी नही होने पर आंदोलन करने की किसानों ने प्रशासन को चेतावनी भी दी है।

समस्या का निराकरण नही होने पर करेगें आंदोलन - किसानगण

प्रत्यक्षदर्शी किसान नेतराम हरिनखेड़े, अर्पित बिसेन, रविन्द्र हरिनखेड़े सहित अन्य किसानों ने बताया कि बाघ करने के साथ ही जंगल क्षेत्र में फेंसिंग करें। विद्युत विभाग रात के समय दी जा रही बिजली की आपूर्ति दिन में की जाये ताकि किसानों को अंधेरे में अपनी जान जोखिम में डालकर खेतों में न जाना पड़े। जल्द ही इन समस्याओं का निराकरण नहीं किया गया, तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। वहीं लामता परियोजना वन मंडल लालबर्रा के रेंजर विजय कुमरे से दूरभाष पर खामघाट (देवरी) में बाघ एवं जंगली सुअर के दस्तक देने से किसानों में दहशत निर्मित हो गया है उक्त वन्यप्राणियों को पकडने एवं गश्त करने के संबंध में चर्चा करने का प्रयास किया गया किन्तु संपर्क नही हो पाया। इस अवसर पर किसान रूपचंद हरिनखेड़े, यादोराव तितरमारे, चमन हरिनखेड़े, लक्ष्मीचंद हरिनखेड़े, कैलाश पटले, अर्पित बिसेन, रविशंकर हरिनखेड़े, रामदयाल हरिनखेड़े, बब्लू बिसेन, ओरीलाल कटरे, ओमप्रकाश पाटिल, बाबूलाल हरिनखेड़े सहित अन्य किसानगण उपस्थित रहे।

सिंचाई के लिए दिन में बिजली दी जाये - मुन्नालाल

देवरी सरपंच प्रतिनिधि मुन्नालाल पटले ने बताया कि हिंसक वन्यप्राणी बाघ खेतों में पहुंच रहे है, बीती रात्रि में खामघाट के किसानों ने देखा है जिसके बाद से किसानों में दहशत निर्मित हो गया है, वे रात्रि में खेत जाने से डर रहे है। श्री पटले ने बताया कि विद्युत विभाग के द्वारा किसानों को सिंचाई हेतु दो शिफ्ट में बिजली दी जा रही है, जिसके कारण रात में किसानों को अंधेरे में खेत जाना पड़ रहा है और रात्रि में वन्यप्राणियों का डर बना हुआ है। इसलिए विद्युत विभाग से मांग है कि दिन में निरंतर 10 घंटे बिजली प्रदाय करें एवं वन विभाग रात्रि गश्त कर वन्यप्राणियों को पकड़कर सुरक्षित जंगल में छोड़े। उक्त मांगे पूरी नही होने पर किसानों के साथ आंदोलन किया जायेगा।

कक्षा 12 वीं की बोर्ड परीक्षा शुरू, 10 वीं की 14 से

13 परीक्षा केन्द्रों में 1504 विद्यार्थियों ने प्रथम प्रश्नपत्र अंग्रेजी का हल किया

समय प्रबंधन के लिए विद्यार्थियों ने परीक्षा हॉल में दीवार घड़ी लगाने की मांग की

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा आयोजित कक्षा 12 वीं की बोर्ड परीक्षाओं का मंगलवार 10 फरवरी से शंखनाद हो गया है। इसी कड़ी में लालबर्रा विकासखण्ड में बनाये गये 13 परीक्षा केंद्रों में कक्षा 12 वीं की बोर्ड की परीक्षाएं 10 फरवरी से प्रारंभ हो गई है। जिसमें प्रथम दिन 1504 विद्यार्थियों ने अंग्रेजी विषय का प्रथम प्रश्नपत्र का पर्चा हल किया। वहीं पहले दिन अंग्रेजी विषय का प्रश्नपत्र शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। प्रशासन की मुस्तैदी के कारण पहले दिन ब्लॉक में एक भी नकल प्रकरण नही बना है। आपकों बता दें कि इस हाई व हायर सेकेण्डरी स्कूल बोर्ड परीक्षा के लिये माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल के द्वारा पहले ही प्रवेश पत्र जारी कर दिये गये है। जो विद्यार्थियों को स्कूलों से प्राप्त हो गये और जिन्होने स्कूल से प्रवेश पत्र नहीं लिया था। उन्होने ऑनलाइन सेंटर से प्रवेश पत्र निकालकर उसमें दिये गये दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए तय समय सीमा में परीक्षा केंद्र में उपस्थित हुए और प्रात: 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक पर्चा हल किया है। यह बोर्ड परीक्षा आगामी 7 मार्च तक जारी रहेगी।

शत प्रतिशत रही उपस्थिति

लालबर्रा विकासखण्ड में बनाये गये 13 परीक्षा केन्द्रों में प्रथम दिन कुल दर्ज 1504 विद्यार्थी है और सभी विद्यार्थी परीक्षा केन्द्रों में पहुंचकर प्रात: 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक शांतिपूर्वक पर्चा हल किया। वहीं गौर करने वाली बात यह रही कि पहले दिन उपस्थिति 100 प्रतिशत रही। परीक्षा संपन्न होने बाद बाहर निकले विद्यार्थियों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी। वहीं प्रथम दिन के पेपर में विद्यार्थी उत्साहित नजर आये और सभी ने कहा कि पेपर बहुत अच्छा आया था। इसी तरह से अन्य विषयों के भी पेपर आना चाहिए जिससे सभी विद्यार्थी अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हो जायेगें। साथ ही विद्यार्थियों ने अपनी एक महत्वपूर्ण समस्या भी साझा की। विद्यार्थियों का कहना है कि अधिकांश परीक्षा कक्षों में दीवार घड़ी की व्यवस्था नहीं है। घड़ी न होने से समय का सही अनुमान लगाना मुश्किल हो जाता है, जिससे कई बार प्रश्नपत्र समयावधि में हल करने में बाधा आती है। विद्यार्थियों ने प्रशासन से आगामी परीक्षाओं को देखते हुए प्रत्येक कक्ष में दीवार

घड़ी लगाने की मांग की है ताकि वे समय प्रबंधन के साथ अपना पेपर पूरा कर सके। वहीं 14 फरवरी से कक्षा दसवीं की बोर्ड परीक्षा शुरू हो जायेगी।

नगर के दो केन्द्रों में 524 विद्यार्थियों ने हल किया अंग्रेजी का पर्चा

नगर मुख्यालय में बनाये गये परीक्षा केन्द्र सांदीपनी स्कूल (उत्कृष्ट विद्यालय) लालबर्रा एवं शासकीय कन्या उमावि अमोली में कक्षा 12 वीं के 524 विद्यार्थियों ने अंग्रेजी विषय का पर्चा हल किया। वहीं परीक्षा प्रारंभ होने के पूर्व विद्यार्थी प्रात: 8 बजे स्कूल पहुंचे एवं दोनों केन्द्रों में कक्ष में प्रवेश करने के पहले विद्यार्थियों को परीक्षा की गाईडलाईन के बारे में जानकारी देकर कक्ष में प्रवेश दिया गया और यह परीक्षा प्रात: 9 बजे से प्रारंभ होकर दोपहर 12 बजे संपन्न हुई। सांदीपनी स्कूल (उत्कृष्ट विद्यालय) लालबर्रा में दर्ज 285 में 285 उपस्थित एवं शास. कन्या उमावि. अमोली में दर्ज 239 में 239 उपस्थित रहे। इस तरह से दोनों केन्द्रों में 524 विद्यार्थियों ने पर्चा हल किये एवं शत-प्रतिशत उपस्थिति रही। साथ ही विकासखण्ड में बनाये गये परीक्षा केन्द्रों का उड़नदस्ता टीम के द्वारा निरीक्षण भी किया गया जिनके द्वारा केन्द्राध्यक्षों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिये गये। परीक्षा के दौरान नकल पर भी पैनी नजर बनाये रखा गया परन्तु प्रथम दिन एक भी नकल प्रकरण नही बना है। चर्चा में छात्रा जोया शेख ने बताया कि अंग्रेजी का पेपर था, पेपर बहुत अच्छा आया था और बहुत अच्छा पेपर गया है। साथ ही यह भी बताया कि कमरों में बैठने की व्यवस्था भी अच्छी थी परंतु टाइम मैनेजमेंट के लिए दीवार घड़ी नही होने से समय का पता नही चल पाया इसलिए हमारी मांग है कि हर कमरों में दीवार घड़ी लगाई जाये।

14 फरवरी से कक्षा 10 वीं की परीक्षा होगी शुरू

माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल के निर्देशानुसार कक्षा 12 वीं की परीक्षाएं शुरू हो चुकी है। अब कक्षा 10 वीं के विद्यार्थी भी अपनी तैयारी को अंतिम रूप दे रहे है। समय-सारणी के अनुसार 14 फरवरी से कक्षा 10 वीं की बोर्ड परीक्षाएं प्रारंभ होगी। लालबर्रा विकासखण्ड के अंतर्गत स्थित 13 शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूलों को बोर्ड परीक्षा का केन्द्र बनाया गया है। यह परीक्षा शासन के निर्देशानुसार प्रात: 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक संपन्न करवाई जायेगी। शिक्षा विभाग के द्वारा सभी केंद्रों पर परीक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये है।

239 विद्यार्थियों ने अंग्रेजी का किया प्रथम प्रश्नपत्र हल - गिरिश

दूरभाष पर चर्चा में शास कन्या उमावि विद्यालय अमोली के सहायक केन्द्राध्यक्ष गिरिश चौधरी ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल के निर्देशानुसार 10 फरवरी से कक्षा 12 वीं की बोर्ड परीक्षा प्रारंभ हो चुकी है। जिसमें शासकीय कन्या उमावि अमोली में कक्षा 12 वीं के कुल दर्ज 239 विद्यार्थियों ने अंग्रेजी विषय का प्रथम प्रश्नपत्र का पेपर प्रात: 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक हल किये है। किसी प्रकार का नकल प्रकरण नही बना और यह परीक्षा शासन की गाईडलाईन के अनुसार संपन्न करवाई जा रही है।

बुट्टा ह. में संगीतमय शिव महापुराण ज्ञान यज्ञ आज से

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 12 किमी. दूर ग्राम पंचायत बुट्टा ह. स्थित पुरातन शिव मंदिर परिसर में शिव मंदिर समिति एवं ग्रामीणजनों के सहयोग से महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर 11 फरवरी से 17 फरवरी तक संगीतमय शिव महापुराण ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया गया है। चर्चा में सत्य सांई सेवा समिति के संरक्षक लक्ष्मीनारायण झंझाड़े ने बताया कि महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर 11 फरवरी से पुरातन शिव मंदिर परिसर में 7 दिवसीय शिव महापुराण ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया गया है। जिसमें 11 फरवरी को प्रात: 8 बजे कलश की शोभायात्रा निकाली जायेगी और शाम 7.30 बजे से रात 11.30 बजे तक शिव महापुराण कथा प्रारंभ होगा एवं 11 से 17 फरवरी तक प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक एवं शाम 7.30 बजे से रात 11.30 बजे तक वृंदावन मथुरा से पधारे कथा व्यास पंडित शिवानंद जी महाराज के द्वारा भगवान भोलेनाथ के जीवन लीलाओं पर संगीतमय प्रवचन दिया जायेगा। श्री झंझाड़े ने बताया कि 17 फरवरी को हवन-पूजन, महाप्रसादी वितरण के साथ 7 दिवसीय संगीतमय शिव महापुराण ज्ञान यज्ञ का समापन किया जायेगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील आयोजन समिति के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

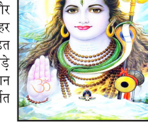

आवश्यकता है

सैंट्रल बैंक लालबर्रा के ऊपर हमारे नवनिर्मित लॉज में दो लड़कों की रिसेप्शन में कार्य करने हेतु आवश्यकता है, योग्यता कम से कम 10 वीं पास होना चाहिए।

-: मिलने का समय :-
प्रात: 9 से 11 बजे तक
- स्थान -
रामदेव राईस मिल लालबर्रा
मोबाइल नंबर
7875129343,
6267701808

आस-पास की खबरें

शिवधाम बायपास मार्ग में प्रदीप जायसवाल के अथक प्रयासो से बनेगी

पक्की सड़क 65 लाख रूपये की राशि से सड़क बनाने की प्रकिया प्रारंभ

पद्मेश न्यूज । वारासिवनी । पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के अथक प्रयासो से वारा ग्राम पंचायत के शिवधाम बायपास मार्ग बनाने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। अधीक्षण यंत्री सेतू लोक निर्माण विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवधाम मार्ग बायपास की सड़क के निर्माण कार्य के लिये राशि स्वीकृति कर दी गयी है। गौरतलब है की वारा फ्लाई ओवर के निर्माण के पूर्व ही तात्कालिन समय में पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने गायत्री मंदिर से वारा तक पक्की सडक का निर्माण करा दिया था। किंतू गत विधानसभा का चुनावी माहौल शुरू हो जाने के कारण शिवधाम मार्ग बायपास का कार्य शेष रहा गया था। वारा फ्लाई ओवर के निर्माण कार्य के शुरू होते ही दुसरी सड़क शिवधाम मार्ग बायपास पर बढ़ते आवागमन के कारण यह मार्ग पूर्णतह क्षतिग्रस्त हो गया था। साथ ही धूल के गूबार व अत्यधिक आवागमन से परेशान शिवधामवासींयों ने अनेको बार आंदोलन कर अपनी परेशानी दूर करने की प्रशासन से गुहार भी लगायी थी। पिछले माह धरना व वार्डवासीयों के उग्र, तेज आंदोलन के समय पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल भी स्थल पर पहुंचे थे। किसी तरह स्थिति को नियत्रंण कर उन्होने तत्काल अधीक्षण यंत्री सेतू लोक निर्माण विभाग को निर्देश व पत्र प्रदान कर वारा फ्लाई ओवर से संबधित शिवधाम मार्ग बायपास को वारा फ्लाई ओवर की बची शेष राशि से ही निर्माण कार्य कराने के 8 जनवरी 2026 को निर्देश दिये थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस मांग को शासन ने स्वीकार कर लिया है। अब स्वीकृति के पश्चात शिवधाम बायपास मार्ग पर भी दो किमी पक्की व चौडी सडक लगभग 65 लाख रूपये की लागत से बनाने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। इस खबर के मिलते ही शिवधामवासीयों में प्रवीण खरोले,वायकर पारधी, रामसिंह पटेल, वेगेन्द्र चौधरी,बबलू फुलबांधे, आशुतोष कोहरे,रमेश कनोजे, संजू नांदरे सहित अन्य वार्डवासियों ने पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल को बधाई प्रेषित की है।

ईटावा ने उड़ीसा को 7 विकेट से हराकर देवधर में सेमीफायनल में बनाई जगह

पद्मेश न्यूज । वारासिवनी ।

ऑल इंडिया देवधर ट्रॉफी 2026 अपने अंतिम सोपान की ओर बढ़ रहा है । टूर्नामेंट के दसवें दिन पुल बी का आखरी क्वाटर फायनल उड़ीसा एवं ईटावा के बीच खेला गया । जिसमें ईटावा ने उम्दा खेल प्रदर्शन करते हुए मात्र 10.4 ओवर में लक्ष्य प्राप्ती कर 7 विकेट से जीत हासिल कर सेमीफायनल में अपनी जगह पक्की कर ली ।इस दौरान गणेश ठाकुर, अशफाक खान, अनिल लिल्हारे, सिकंदर मिश्रा, प्रणीत शुक्ला, मनीष हेड़ाऊ, विशाल गोखले, सागर देवगढ़े, सोनू मिश्रा, सचिन डोंगरे, अमित फुलमारी, विलास उरकुडें , कैलाश कसार,विनोद मिश्रा उपस्थित रहे । पारंम्परिक रूप से मैच शुभारंभ के पूर्व आयोजन समिति के द्वारा अतिथि स्वागत कर खिलाडियों से परिचय प्राप्त करते हुए खेल भावना से खेलते हुए अ'छे खेल के लिए शुभकामनाऐं दी । जिकसे बाद सभी खिलाड़ियों, दर्शकों और अतिथियों ने एक साथ खड़े होकर राष्ट्रगान किया, जिससे पूरा स्टेडियम देशभक्ति और अनुशासन के स्वर से गुंजायमान हो उठा। उड़ीसा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया।उड़ीसा की ओर से तसरीफखान और जतिन रजक सलामी क्रिज पर उतरे । उड़ीसा को पहला झटका 2-2 ओवर में 11 रन के स्कोर पर लगा, जब जतिन रजक मात्र 5 रन बनाकर नवनीत कुमार की गेंद पर कैच आउट हुए। वहीं तसरीफ खान ने 20 रन जिसके बाद अर्णव ने मोर्चा संभालते हुए तेजी से रन बनाते हुए 9 चौकों की मदद से 40 गेंदों में 55 रनों की महत्वपूर्ण पारी निर्धारित 20 ओवर में अपनी टीम को 127/9 का सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया । ईटावा की ओर से गेंदबाजी करते हुए अर्जुन त्यागी अपने कोटे 4 ओवर में 30 रन देकर उड़ीसा के 3 महत्वपूर्ण विकेट झटके जबकी हर्ष त्यागी ने किफायती गेंदबाजी करते हुए 3 ओवर में मात्र 14 रन देकर 2 विकेट, नवनीत कुमार 4 ओवर 19 रन 2 विकेट एवं अभय राज यादव 1 ओवर 2 रन 1 विकेट प्राप्त कर उडीसा को बडे स्कोर बनाने से रोक दिया । जीत के लिए 129 रनों के औसत लक्ष्य पीछा करने उतरे ईटावा की टीम ने मात्र 10.4 ओवर में 3 विकेट खोकर पा लिया । हालाकि इटावा की शुरुआत 'यादा अ'छी नही रही उनके शुरुआती विकेट जल्दी गिरे, जिसमें पहला विकेट अभिषेक कुमार 5 रन के रूप में 7 रन के कुल योग पर गिरा। वहीं दूसरा विकेट सत्यम सांगू 9 रन के रूप में 21 रन पर गिरा। जिसके बाद उज्वल यादव और हर्ष त्यागी के बीच हुई बेहतरीन साझेदारी के बाद उज्वल 76 रन के स्कोर पर आउट हुए।उज्वल ने मात्र 15 गेंदों में 4 छक्कों की मदद से 33 रन बनाए। हर्ष त्यागी का अर्ध शतक सलामी बल्लेबाज हर्ष त्यागी अंत तक टिके रहे और उन्होंने विपक्षी गेंदबाजों की जमकर धुलाई की। हर्ष ने मात्र 27 गेंदों में 6 छक्कों और 2 चौकों की मदद से नाबाद 52 रन बनाए। जतिन मेवाडा 22 रन नाबाद ने उनका बखूबी साथ दिया। उडीसा के गेंदबाज इटावा के बल्लेबाजों के सामने बेबस नजर आए। ताराणी 3 ओवर 37 रन 1 विकेट, वैभव 2.4 ओवर 36 रन 1 विकेट, दीपक 1 ओवर में 18 रन देकर 1 विकेट लिया । इटावा की जीत के हीरों रहे हर्ष त्यागी को उनकी कप्तानी पारी और आक्रामक अर्धशतक के लिए मैन ऑफ़ द मेच का पुरस्कार पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल एवं पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष स्मिता जायसवाल और आयोजन समिति के हस्ते दिया गया।

मर्यादा की महागाथा संगीतमय श्रीराम कथा और महाशिवरात्रि महोत्सव का आयोजन जारी

पद्मेश न्यूज । वारासिवनी । खैरलांजी जनपद क्षेत्र के ग्राम नवेगांव ख में संगीतमय श्रीराम कथा और महाशिवरात्रि महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह धार्मिक आयोजन प्रतिवर्ष नवेगांव ख के मुख्य सड़क मार्ग पर स्थित प्रसिद्ध स्थल नर्मदेश्वर शिव मंदिर के प्रांगण में आयोजित होता है। लेकिन ग्रामीण धर्मप्रेमियों की आस्था में दिनों.दिन इजाफा होने के कारण कथा स्थल इस बार ग्राम पंचायत भवन नवेगांव के समीप देवी चौक के मैदान में आयोजित है। समस्त ग्रामवासियों की ओर से आयोजित श्रीराम संगीतमय कथा में धर्म सम्राट जगदगुरु शंकराचार्य स्वरुपानंद के कृपापात्र पंडित मनीष शुक्ला शास्त्री, परासिया छिंदवाड़ा के द्वारा कथा का वाचन किया जा रहा है। जिनके द्वारा कथा वाचन के सभी दिन प्रात: 8 बजे से पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कर पूजन किया जा रहा है। उसके बाद कथा वाचन का समय दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक निर्धारित किया गया है। 8 फरवरी 2026 से प्रारंभ हुए कार्यक्रम में भव्य जल कलश शोभायात्रा और देवपूजन किया गया। कार्यक्रम के संबंध में आयोजको के द्वारा बताया कि यह कार्यक्रम का 16 वॉ वर्ष है। जो हर वर्ष और अधिक भव्यता का रुप लेकर आगे बढ़ रहा है। संगीतमय श्रीराम कथा एक दिव्य आध्यात्मिक आयोजन है। जिसमें रामचरितमानस के प्रसंगो को भजनो, सुरीले गीतों और मधुर संगीत के साथ सुनाया जाता है। यह कथा भगवान राम के आदर्श जीवन का वर्णन करती है। यह संगीत के माध्यम से आत्मा को परमात्मा से जोड़ती है। संगीतमय श्रीराम कथा का आयोजन सात दिनो तक 8 फरवरी से लेकर 15 फरवरी तक आयोजित है। जिसमें सती चरित्र एवं शिव विवाह महोत्सव, श्रीरामलला जन्मोत्सव, श्रीराम जानकी विवाह महोत्सव, वन गमन, केवट संवाद, चित्रकूट निवास, राम.भरत मिलाप, सीता हरण, जटायु उद्धार, बाली उद्धार, बाली वध, लंका दहन, सेतु बांध निर्माण,लक्ष्मण शक्ति, मेघनाथ कुंभकर्ण और रावण वध एवं श्रीराम राज्याभिषेक की संगीतमय प्रस्तुति से आयोजन किया जा रहा है। उसके साथ ही अंतिम दिन 15 फरवरी 2026 को महाशिवरात्रि पर्व पर हवन पूर्णाहूति और महाप्रसादी का आयोजन है। यह केवल कथा नहीं बल्कि एक संगीतमय अनुभूति है जो ह्रदय को भक्ति से सराबोर कर देती है। रामचरितमानस के प्रसंग संगीत के माध्यम से जीवंत हो उठते है। ग्रामीणो ने बताया कि संगीतमय श्रीराम कथा के माध्यम से प्रभु राम की लीलाओं का श्रवण करना आत्मिक शांति और सुख प्रदान करता है। श्रीराम की तपस्या और संघर्ष की सत्य गाथा इस कार्यक्रम के माध्यम से नवेगांव ख के देवी चौक पर सुर और संगीतमय महागाथा के रुप में श्रृद्धालु देख और सुन रहे है। भगवान श्रीराम की कथा हमारे चरित्र चिंतन को और बदलने वाली है। यदि हम अपने जीवन में कुछ बदलाव नहीं ला पाए तो श्रीराम कथा सुनने का और सुनाने का उद्देश्य ही समाप्त हो जाता है। श्रीराम कथा के माध्यम से व्यक्ति को अपनी बुरी आदतो को बदलने का प्रयास करना चाहिए। भगवान श्रीराम की कथा भक्त को भगवान से जोड़ने की कथा है। संगीतमय श्रीराम कथा पंडित मनीष शुक्ला शास्त्री कथा वाचक के द्वारा प्रस्तुत एक आध्यात्मिक और भक्तिमय कथा है। जो प्रभु श्रीराम के जीवन उनकी लीलाओ और आदर्शो को सरल सुंदर और संगीत के माध्यम से प्रस्तुत करती है। इस कथा में भक्ति प्रेम और धर्म के गुढ़ संदेश को भजनों और मार्मिक प्रसंगो के साथ बताया जा रहा है। इसलिए सभी धर्मप्रेमी अधिक से अधिक संख्या में श्रीराम कथा के श्रवण लाभ लें।

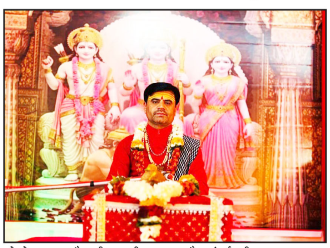

कक्षा 12 वीं की वार्षिक परीक्षा प्रारंभ, 1510 परीक्षार्थियों ने अंग्रेजी का प्रश्नपत्र किया हल

पद्मेश न्यूज । वारासिवनी । लोक शिक्षण संचनालय भोपाल के निर्देशानुसार माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश भोपाल की कक्षा 12वीं की परीक्षा 10 फरवरी से प्रारंभ हो गई। जिसमें पहले दिन अंग्रेजी का प्रश्नपत्र समस्त परीक्षार्थियों के द्वारा हल किया गया। इस परीक्षा के लिये वारासिवनी विकासखंड अंतर्गत 10 परीक्षा केंद्र का निर्माण किया गया था। जहां पर सुबह 9 से 12 बजे तक यह परीक्षा चली जिसमें समस्त 10 परीक्षा केंद्रों में कुल दर्ज 1516 परीक्षार्थियों में से 1510 परीक्षार्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कर अंग्रेजी विषय का प्रश्नपत्र हल किया। वहीं 6 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस दौरान शांतिपूर्वक समस्त परीक्षा केंद्रों में कक्षा 12 वीं की परीक्षा सम्पन्न की गई जहां किसी प्रकार का नकल प्रकरण नहीं बना। इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के द्वारा बनाये गये उडान दस्ते ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। वहीं जारी परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया साथ ही आवश्यक दिशा निर्देश भी दिये।

इन केन्द्रो में यह रहीं उपस्थित

हायर सेकेंडरी कक्षा 12 वीं की वार्षिक परीक्षा मंगलवार से प्रारंभ हुई जिसमें सांदीपनी टिहलीबाई शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय वारासिवनी में कुल दर्ज 341 में 340 परीक्षार्थी उपस्थित हुए 1 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहा। इसी प्रकार कमला नेहरू शासकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय में कुल दर्ज 298 में 297 परीक्षार्थी उपस्थित हुए 1 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहा। कैरियर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 73 परीक्षार्थियों में 72 परीक्षार्थी उपस्थित रहे 1 अनुपस्थित रहा। शासकीय हाई स्कूल विद्यालय डोंगरमाली में कुल दर्ज 65 परीक्षार्थियों में 65 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय झालीवाड़ा में कुल दर्ज 106 परीक्षार्थियों में 105 परीक्षार्थी उपस्थित रहे 1 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहा।शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय गर्रा रामपायली में कुल दर्ज 21 परीक्षार्थियों में 21 उपस्थित रहे। शासकीय उ'चत्तर माध्यमिक विद्यालय आलेझरी में 87 परीक्षार्थियों में से 86 परीक्षार्थी उपस्थित रहे 1 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहा। शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय मेंढ़की में कुल दर्ज 149 परीक्षार्थियों में 148 परीक्षार्थी उपस्थित रहे 1 अनुपस्थित रहा। शासकीय उ'चत्तर माध्यमिक विद्यालय बुदबूदा में 134 परीक्षार्थियों में 134 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। वहीं शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय कन्या रामपायली में 242 परीक्षार्थियों में से 242 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। इस प्रकार 1516 कल दर्ज परीक्षार्थियों में 1510 परीक्षार्थी उपस्थित रहे 6 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस 10 परीक्षा केन्द्रो में से 6 परीक्षा केन्द्रो में अनुपस्थिति दर्ज हुई तो वही चार परीक्षा केन्द्रो में उपस्थित शत प्रतिशत रही।

हाई स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा 14 से प्रांरभ

शासन के निर्देशानुसार हाई स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा 14 फरवरी से प्रारंभ होना है। जिसमें वारासिवनी विकासखंड अंतर्गत 10 परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए हैं। जहां पर कक्षा दसवीं के कुल दर्ज छात्र छात्राओं के द्वारा परीक्षा में भाग लेकर प्रथम पेपर हल किया जाएगा। यह परीक्षा सुबह 9 से दोपहर 12 तक आयोजित होगी। जिसमें शासन के निर्देशानुसार परीक्षा संपन्न करवाई जाएगी।

शांतिपूर्वक परीक्षार्थियों ने पेपर किया हल-वीरेंद्र बनोटे

बीईओ वीरेंद्र बनोटे ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्य प्रदेश भोपाल की वार्षिक परीक्षा प्रारंभ हो गई है। जिसमें शासन के निर्देशानुसार वारासिवनी के 10 विद्यालयों में परीक्षा केंद्र स्थापित कर हायर सेकेण्डरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा संचालित कर दी है। परीक्षा केंद्रों में केंद्र अध्यक्ष एवं सहायक केंद्र अध्यक्ष मुस्तैदी के साथ मंडल के निर्देशानुसार परीक्षाएं करवा रहे हैं। परीक्षा के प्रथम दिन मंगलवार को कक्षा 12 वीं के अंग्रेजी विषय का पेपर था जो सभी बच्चों ने शांतिपूर्वक हल किया। इस दौरान विद्यार्थियों के अंदर एक उत्साह देखा गया जो खुशी के साथ पेपर हल करते रहे।

नाली में डूबने से योगेश दुबे की मौत, मामले में पुलिस ने शव बरामद कर जांच की प्रारंभ

पद्मेश न्यूज । वारासिवनी । नगर के वार्ड नंबर 3 पीडब्ल्यूडी ऑफिस के सामने बड़ी नहर किनारे पानी निकासी की नाली में डूबने से को योगेश दुबे की मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मौके पर पहुंचकर युवक की शिनाख्त कर शव को बरामद किया। तत्पश्चात सिविल अस्पताल के शव वि'छेदन गृह में आवश्यक कार्यवाही करने के उपरांत शव परिजनों को सौंप दिया गया। वहीं मामले में अपराध क्रमांक 06/26 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी है।

किराये के कमरे से अकेला रहता था योगेश दुबे

प्राप्त जानकारी अनुसार मंगलवार की सुबह वार्ड नंबर 3 के कुछ वार्डवासी मॉर्निंग वॉक पर निकले तो उन्होंने सुबह करीब 7 बजे देखा कि बड़ी नहर किनारे एक नाली है जिसमें एक व्यक्ति उल्टा पड़ा हुआ है। जिसका चेहरा नाली में है यह देख पास गए तो प्रतीत हुआ कि उस व्यक्ति की मौत हो गई है। जिस पर नाली में मृत व्यक्ति का शव मिलने की खबर आग की तरह पूरे नगर में फैल गई। जहां लोगों की भीड़ भी लग गई इस दौरान जागरूक नागरिकों के द्वारा तत्काल घटना की जानकारी पुलिस प्रशासन को दी गई। मौके पर पुलिस प्रशासन के द्वारा उपस्थित होकर नाली में डूबे व्यक्ति को बाहर निकाला गया। जिसकी पहचान योगेश पिता स्व.गुलाबचंद दुबे उम्र 35 वर्ष वार्ड नं. 3 वारासिवनी निवास के रूप में की गई। वह अकेले किराये के मकान में रहता था उनके माता पिता जबलपुर में निवास करते हैं और वह शराब पीने का आदि था। जिस पर घटना की जानकारी तत्काल मृतक के बड़े पिता के बेटे संजय दुबे को दूरभाष पर दी गई जहां मौके पर परिजन ने उपस्थित होकर मृतक की पहचान की। पुलिस ने शव को सुरक्षित नगर पालिका के शव वाहन में रखकर सिविल अस्पताल परिसर स्थित शव वि'छेदन गृह में लाया गया। जहां पर शव का परीक्षण कर आवश्यक पंचनामा कार्यवाही करने के उपरांत पोस्टमार्टम कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। वहीं मामले में मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी गई है। मौके उपस्थित लोगों के द्वारा संभावना व्यक्त की जा रही है कि उक्त व्यक्ति शराब पीने का आदि था जो रात्रि में लघुशंका करने के लिए नाली के पास रुक होगा और अनबैलेंस होने से वहां नाली में गिर गया। जिसका सर नाली के पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई। हालांकि पुलिस के द्वारा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट होने की बात कही जा रही है।

तलाक के बाद योगेश दुबे अत्याधिक तनाव में था वह शराब पीने लगा था-संजय

प्रार्थी संजय दुबे ने पुलिस को बताया की मैं वार्ड नं.3 वारासिवनी में रहता हूं बेकरी की दुकान चलाता हूं। मेरे चाचा भाई मृतक योगेश पिता स्व. गुलाबचंद दुबे उम्र 35 वर्ष वार्ड नं.3 निवासी हैं जो वारासिवनी में किराये के मकान में रहता था। उसके माता पिता जबलपुर में रहते है योगेश दुबे की पत्नी से तलाक हो चुका है। तलाक के बाद से मेरा चाचा भाई योगेश दुबे अत्याधिक तनाव में रहता था। वह अत्याधिक शराब पीने लगा था करीबन सुबह 7 बजे मुझे वार्ड पार्षद समीर बिसेन ने फोन पर बताया की तुम्हारा चाचा का लड़का योगेश दुबे सम्राट सिटी केबल के पास नाली में दिख रहा है। तो मैं घर से आकर देखा तो मेरे चाचा का लड़का योगेश दुबे नाली में मृत अवस्था था।

इनका कहना हैं

चर्चा में बताया की थाने में सूचना मिली थी कि बड़ी नहर किनारे नाली में एक अज्ञात व्यक्ति मृत अवस्था में पड़ा हुआ है। मौके पर पहुंचकर शिनाख्त की गई तो वह योगेश पिता स्व.गुलाबचंद दुबे उम्र 35 वर्ष का शव था। मामले में आवश्यक कार्यवाही कर मर्ग जांच की जा रही है मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो पायेगा।

धनेश वल्के
सहायक उपनिरीक्षक
पुलिस थाना वारासिवनी

तीन दिवसीय गायत्री महायज्ञ का समापन कर महाप्रसादी का हुआ वितरण

पद्मेश न्यूज । वारासिवनी । खैरलांजी में गायत्री परिवार ट्रस्ट के तत्वावधान में तीन दिवसीय 9 कुंडीय गायत्री महायज्ञ का समापन विधि विधान से हुआ। इस अवसर पर श्रदालुओं के द्वारा विशाल कलश यात्रा निकाली गई तथा विधि विधान अनुरूप पूजा पाठ व मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा की गई एंव महायज्ञ के साथ महाप्रसादी का वितरण किया गया । महायज्ञ समापन में पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल के द्वारा गायत्री मंदिर परिसर में 15 लाख रुपये की राशि से पूर्व में स्वीकृत सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर पूर्व सांसद बोधसिंह भगत , फेकनलाल डोहरे ,श्रीमती सुनिता मानसिंह ,श्रीमति ज्योति नगपुरे ,गुनीराम बघेल,मानसिंह बहेटवार राजकुमार बहेटवार ,बाबुलाल मस्करे ,बोधराज जैतवार, धनलाल नगपुरे , बुधराम बिसेन सहित अन्य श्रदालुगंण मौजूद रहे।

आवश्यकता है

वारासिवनी कार्यालय में केबल में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है

स्थानीय या आसपास रहने वालों को प्राथमिकता

- संपर्क करें -

पद्मेश सिटी केबल
बस स्टेण्ड, वारासिवनी

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

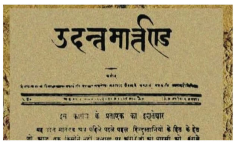

ऐसे वक्त में, जब वैश्विक शक्ति संतुलन तेजी से बदल रहा है, चीन व अमेरिका की प्रतिस्पर्धा हिंद-प्रशांत क्षेत्र को अनिश्चित बना रही है और आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनर्गठन की होड़ मची है, तब प्रधानमंत्री मोदी का मलेशिया दौरा द्विपक्षीय सहयोग की नई संभावनाएं जगाता है।

मलेशिया में मोदी की पूर्वी नीति

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मलयेशिया यात्रा केवल एक द्विपक्षीय दौरा नहीं, बल्कि इसे भारत की एक्ट ईस्ट नीति को नए सिरे से गति देने की कोशिश के रूप में देखा जाना चाहिए। ऐसे वक्त में, जब वैश्विक शक्ति संतुलन तेजी से बदल रहा है, चीन व अमेरिका की प्रतिस्पर्धा हिंद-प्रशांत क्षेत्र को अनिश्चित बना रही है और आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनर्गठन की होड़ मची है, तब मलयेशिया जैसे देश भारत के लिए रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण हो जाते हैं। खास बात यह है कि मलयेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के निमंत्रण पर हुई यह यात्रा 2024 में दोनों देशों के बीच संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक उन्नत करने के बाद पहली उच्च-स्तरीय यात्रा थी, जिसमें न केवल द्विपक्षीय व्यापार, रक्षा, सेमीकंडक्टर और डिजिटल सहयोग को नई गति दी गई है, बल्कि आतंकवाद विरोधी संकल्प और क्षेत्रीय स्थिरता पर भी साझा प्रतिबद्धता रेखांकित हुई है। भारत और मलयेशिया के संबंध ऐतिहासिक रूप से गहरे रहे हैं। प्राचीन काल में समुद्री व्यापार, बौद्ध व हिंदू सांस्कृतिक प्रभाव और कालांतर में औपनिवेशिक दौर में भारतीय प्रवासियों की बड़ी उपस्थिति ने इन रिश्तों की नींव रखी। आज मलयेशिया में करीब 29 लाख भारतीय मूल के लोग रहते हैं, जो वहां की अर्थव्यवस्था, राजनीति और समाज में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। इनके लिए ओसीआई (ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया) कार्ड की पात्रता बढ़ाए जाने और जल्द ही भारतीय यूपीआई सिस्टम मलयेशिया में शुरू होने की घोषणाएं अहम हैं। नहीं भूलना चाहिए कि मलयेशिया आसियान का एक प्रभावशाली सदस्य है। भारत इस समय आसियान के साथ अपने मुक्त व्यापार समझौते में कुछ बदलाव लाने की कोशिश कर रहा है, जिसके लिए मलयेशिया का समर्थन अहम साबित हो सकता है। भारत लंबे समय से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में नियम-आधारित व्यवस्था, समुद्री सुरक्षा और स्वतंत्र नौवहन का समर्थक रहा है। मलयेशिया के साथ रक्षा सहयोग और खुफिया साझेदारी मजबूत करना इसी रणनीति का हिस्सा है, जो चीन को सीधी चुनौती देने के बजाय संतुलन बनाने की भारतीय सोच को भी दर्शाता है। भारत और मलयेशिया के बीच 2025 में द्विपक्षीय व्यापार 18.59 डॉलर तक पहुंच गया, जिसे और आगे बढ़ाने पर सहमति बनन अहम है। स्थानीय मुद्राओं में व्यापार पर बनी सहमति वैश्विक स्तर पर डॉलर पर निर्भरता घटाने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। सेमीकंडक्ट क्षेत्र, जिसमें मलयेशिया पहले से ही एक मजबूत आधार रखता है, में सहयोग भारत की मेक इन इंडिया और डिजिटल इंडिया पहल को और सशक्त बना सकता है। जरूरी है कि प्रधानमंत्री मोदी के दौरे से निकले समझौते और संदेशों का समयबद्ध क्रियान्वयन हो, ताकि ये महज प्रतीकात्मक बनकर न रह जाएं।

अंततः सनातन के आदर्श क्या हैं

-विनीत नारायण (पत्रकार व सामाजिक कार्यकर्त्ता)

यह कोई कठोर नियमावली नहीं, बल्कि एक जीवन दर्शन है, जो व्यक्ति को स्वतंत्रता देता है कि वह अपने स्वभाव, समय और परिस्थिति के अनुसार अपना मार्ग चुन सके। भक्ति, ज्ञान, कर्म या योग-कोई भी रास्ता चुना जा सकता है।

आचारः प्रथमो धर्मः इत्येतद् विदुषां वचः । तस्माद् रक्षेत् सदाचारं प्राणेभ्योऽपि विशेषतः ॥

हमारी सनातन सभ्यता-संस्कृति में आचरण को प्रथम स्थान दिया गया है। आचरण के अभाव में बड़े नाम वाले व्यक्ति या संस्थाएं ही नहीं, देवराज इंद्र से लेकर रावण तक की भी सत्ता चली गई।

सनातन- सनातन के नाम का नारा लगाने से हिंदू धर्म को कितना लाभ हुआ है, इसका सर्वमान्य निष्कर्ष अभी नहीं निकला है। विशेष रूप से, जब हम सनातन धर्म के मूल सिद्धांतों को ही न जानते हों और सनातन-सनातन के नारे लगते रहें, पर हमारा व्यक्ति, व्यवस्था व सत्ता के आचरण से कोई लेना-देना नहीं हो, तो ये थोथी नारेबाजी ही होगी। इसका सनातन धर्म से दूर-दूर तक कोई नाता नहीं होगा.

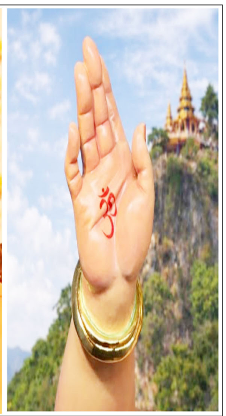

सनातन धर्म ही हिंदू धर्म है। इसके मूल सिद्धांत गहन और सार्वभौमिक हैं। ये सिद्धांत वेद, उपनिषद, भगवद्गीता, मनुस्मृति और अन्य शास्त्रों से निकले हैं। सनातन धर्म कोई एक किताब या संस्थापक पर आधारित नहीं है, बल्कि यह शाश्वत सत्य की खोज के लिए समर्पित वैयक्तिक और सामाजिक उत्कर्ष को प्राप्त करने के लिए जीवन जीने की व्यवस्था है। यह जाति, वर्ण, भौगोलिक परिस्थिति और देशकाल के आधार पर किसी से भेद नहीं करता।

सनातन धर्म के सबसे व्यापक रूप से स्वीकृत मूल-

पहला सिद्धांत है- ब्रह्म सत्यं यानी केवल एक परम सत्य है ब्रह्म या परमात्मा, जो निराकार रूप में सर्वव्यापी चेतना है और जीवात्मा से अभिन्न है। यह अद्वैत दर्शन है और द्वैतवाद में परमात्मा साकार रूप में है और वह जीव से एक होकर भी भिन्न है।

जैसे नमी वायु में सर्वत्र व्याप्त है, लेकिन दिखाई नहीं देती। यह उसका निराकार स्वरूप है। जब तापक्रम बहुत गिर जाता है, तो यही नमी सघन होकर ओस, वर्षा, धुंध या बर्फ बनकर दिखने लगती है। यह उसका साकार रूप है।

भक्त की भावना जब इतनी प्रबल हो जाती है कि उसे अपने आराध्य को देखे बिना चैन नहीं पड़ता, तब निराकार ब्रह्म साकार रूप धारण करके अपने भक्त को दर्शन देते हैं।

सनातन धर्म का दूसरा सिद्धांत है- आत्मा अजर-अमर अविनाशी, शाश्वत और जन्म-मृत्यु से परे है। शरीर नश्वर है, आत्मा नहीं। नैनं छिन्दति शस्त्राणि (गीता 2.20)

तीसरा कर्म का सिद्धांत है- जैसा कर्म करोगे, वैसा फल मिलेगा (कारण-कार्य का नियम)। अच्छे-बुरे कर्मों का लेखा-जोखा जीवन-दर-जीवन चलता है।

चौथा सिद्धांत है- पुनर्जन्म का सिद्धांत यानी संसार चक्र। आत्मा कर्मों के अनुसार बार-बार नए शरीरों में आती रहती है। जन्म-मरण का यह चक्र तब तक चलता है, जब तक मोक्ष न मिले।

पांचवां सिद्धांत है- मोक्ष या मुक्ति का सिद्धांत जन्म-मृत्यु के चक्र से पूर्ण मुक्ति। ब्रह्म में लीन होना ही जीवन का अंतिम लक्ष्य है। चार पुरुषार्थों में सबसे ऊंचा लक्ष्य है: मोक्ष, शेष हैं धर्म, अर्थ व काम।

छठा सिद्धांत है- अहिंसा परमो धर्मः यानी अहिंसा सबसे बड़ा धर्म है। मन, वचन, कर्म से सभी प्राणियों में एक ही आत्मा को देखना और किसी के प्रति हिंसा न करना।

सातवां सिद्धांत है- सत्यं वद, धर्म चर यानी सत्य बोलो, धर्म का आचरण करो। यह महावाक्य %तैत्तिरीय उपनिषद% से लिया गया है।

आठवां सिद्धांत है- अपने-अपने धर्म का आचरण करना। धर्म क्या है? कर्तव्य, नैतिकता, न्याय। सामाजिक व्यवस्था के आधार हैं- व्यक्ति, परिवार, समाज और प्रकृति के प्रति उत्तरदायित्व।

नौवां सिद्धात है- वसुधैव कुटुंबकम यानी समस्त विश्व एक परिवार है। इसलिए सर्व प्राणियों में एकत्व की भावना।

दसवां सिद्धांत है- एकं सद् विप्रा बहुधा वदन्ति। सत्य एक है, विद्वान उसे अनेक नामों से पुकारते हैं। इसलिए शैव, वैष्णव, शाक्त, गाणपत्य, सौर अथवा स्मार्त आदि एक ही सत्य की ओर ले जाते हैं।

सनातन धर्म के अन्य महत्वपूर्ण सहायक सिद्धांत हैं पंच महायज्ञ देव, पितृ, भूत, मनुष्य और ब्रह्म यज्ञ ये दैनिक जीवन के कर्तव्य हैं यम-नियम, जो पतंजलि योग सूत्र के अनुसार हैं अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह आदि। फिर हैं त्रिगुण यानी सत्व, रज, तम। प्रकृति के ये तीन गुण, जो जीवन को प्रभावित करते हैं।

संक्षेप में कहें, तो सनातन धर्म का सार है एक परम सत्य की खोज, आत्मा की अमरता को समझना, कर्मों के अनुसार जीवन जीना और अंत में उस सत्य में लीन हो जाना या मोक्ष प्राप्त करना।

यह कोई कठोर नियमावली नहीं, बल्कि एक जीवन दर्शन है, जो व्यक्ति को स्वतंत्रता देता है कि वह अपने स्वभाव, समय और परिस्थिति के अनुसार अपना मार्ग चुन सके। भक्ति, ज्ञान, कर्म या योग-कोई भी रास्ता चुना जा सकता है।

सनातन धर्म को मानने वालों को मार्गदर्शन देने के लिए आदि शंकराचार्य जी ने भारत में चार पीठों की स्थापना की थी। यही चारों शंकराचार्य सनातन धर्म के सर्वोच्च धर्माचार्य हैं। इन्हें हजारों वर्षों से भगवान शंकर के रूप में पूजा जाता है।

सभी संप्रदाय के आचार्य व अनुयायी सदियों से इन्हें अपने गुरु के रूप में सम्मान देते आए हैं। किंतु आज कई ऐसे भी मिल जाएंगे, जो स्वघोषित रूप से अपने नाम के पहले शंकराचार्य लगा लेते हैं, हालांकि उन्हें कोई शास्त्रीय मान्यता प्राप्त नहीं है। यह दुर्भाग्य है। किंतु सच यह भी है कि भारत की जनता ने सदैव आचरण को ही स्वीकार किया है। मुखौटा अधिक समय तक नहीं रहता है। यही नैतिकता की सर्वमान्य शक्ति है।

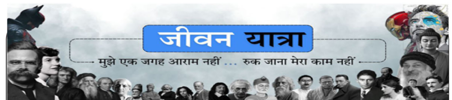

उत्साह जीवन की वह आधारशिला है, जिस पर आशाएं टिकती हैं और सपने आकार लेते हैं। जब तक जीवन में उत्साह जीवित है, तब तक संघर्ष अर्थपूर्ण और भविष्य संभावनाओं से भरा हुआ है।

-हेनरी फोर्ड

उत्साह संभावनाओं का संचार करता है

उत्साह मनुष्य की चेतना में प्रवाहित होने वाली वह सजीव शक्ति है, जो उसके विचारों को दिशा देती है और उसके संकल्पों को गति प्रदान करती है। यह वही तत्व है, जो साधारण इच्छाओं को महान स्वप्नों में और सामान्य प्रयासों को ऐतिहासिक उपलब्धियों में परिवर्तित कर देता है। उत्साह मनुष्य के व्यक्तित्व में भीतर से प्रकट होता है। यह आंखों की चमक में, वाणी की दृढ़ता में और चाल की स्वाभाविक आत्मविश्वासपूर्ण लय में झलकता है। जब कोई व्यक्ति उत्साह से परिपूर्ण होता है, तो उसके शब्द केवल ध्वनि नहीं रहते, वे प्रभाव बन जाते हैं।

उसके हाथों की पकड़ केवल शारीरिक बल नहीं दर्शाती, बल्कि निश्चय की अडिगता का संकेत देती है। ऐसा व्यक्ति परिस्थितियों को अपने संकल्प के अनुसार ढालने का साहस रखता है। सामान्य जीवन में उत्साह का महत्व और भी अधिक है, क्योंकि अधिकांश लोग असाधारण परिस्थितियों में नहीं, बल्कि साधारण संघर्षों के बीच अपने सपनों को साकार करने का प्रयास करते हैं। रोजमर्रा की जिम्मेदारियां, आर्थिक दबाव, सामाजिक अपेक्षाएं और बार-बार मिलने वाली विफलताएं व्यक्ति के मन को थका देती हैं। ऐसे में यदि उत्साह न हो, तो मनुष्य भीतर से टूटने लगता है। उत्साह ही वह शक्ति है, जो उसे यह विश्वास दिलाती है कि कठिनाइयां स्थायी नहीं होतीं और प्रयास कभी व्यर्थ नहीं जाते। उत्साह केवल सफलता के क्षणों में नहीं, बल्कि विफलता के समय भी अपनी वास्तविक परीक्षा देता है।

परिश्रम का प्रतिफल तुरंत दिखाई नहीं देता, तो आत्मविश्वास डगमगाने लगता है, तब उत्साह ही मनुष्य को पुनः खड़ा करता है। यह उसे सिखाता है कि गिरना कमजोरी नहीं है, बल्कि गिरकर उठने का साहस ही जीवन की वास्तविक विजय है। उत्साह के बिना ज्ञान निष्क्रिय हो जाता है और अनुभव बोझ में बदल जाता है। समाज में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं, जहां साधारण पृष्ठभूमि से आए लोगों ने केवल अपने उत्साह के बल पर असाधारण उपलब्धियां प्राप्त कीं। उनके पास न तो विशेष संसाधन थे और न ही अनुकूल परिस्थितियां, परंतु उनके भीतर सीखने की तीव्र इच्छा और आगे बढ़ने की जिद थी। यही उत्साह उन्हें बार-बार प्रयास करने, स्वयं को सुधारने और अपने लक्ष्य के प्रति निष्ठावान बने रहने की प्रेरणा देता रहा। उत्साही व्यक्ति हर जगह परिवर्तन की शुरुआत करता है। यह हमें भय से मुक्त करता है और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की शक्ति देता है। उत्साह से किया गया छोटा-सा प्रयास भी समय के साथ बड़ा परिणाम दे सकता है, क्योंकि उसमें निरंतरता और समर्पण निहित होता है। उत्साह जीवन की वह आधारशिला है, जिस पर आशाएं टिकती हैं और सपने आकार लेते हैं। यही वह खमीर है, जो विचारों को उठान देता है और मनुष्य को उसकी सीमाओं से आगे जाने का साहस प्रदान करता है। जब तक जीवन में उत्साह जीवित है, तब तक संघर्ष अर्थपूर्ण है और भविष्य संभावनाओं से भरा हुआ है।

सूत्र- संघर्षों को अवसर में बदलें

उत्साह साधारण मनुष्य को भी असाधारण बना सकता है। यह कठिन परिस्थितियों में आशा का दीप जलाए रखता है और निराशा के क्षणों में भी आगे बढ़ने का साहस देता है। जो व्यक्ति अपने भीतर उत्साह बनाए रखता है, वही संघर्षों को अवसर में बदलकर जीवन में सच्ची सफलता प्राप्त करता है।

दूसरा पहलू

फरवरी के पहले सप्ताह में मनाया जाने वाला इम्बोल्क दुनिया के सबसे प्राचीन वसंत-स्वागत उत्सवों में से एक है।

फरवरी में वसंत और प्राचीन सेल्टिक उत्सव

जैसे-जैसे दिन लंबे होने लगते हैं और अंधेरी सर्द रातें पीछे छूटती हैं, आयरलैंड और स्कॉटलैंड में हजारों लोग प्रकाश की वापसी का जश्न मनाने के लिए इकट्ठा होते हैं। फरवरी के पहले सप्ताह में मनाया जाने वाला इम्बोल्क दुनिया के सबसे प्राचीन वसंत-स्वागत उत्सवों में से एक है। यह सेल्टिक परंपरा नवीकरण, जन्म और प्रकृति के पुनर्जागरण का प्रतीक माना जाता है, जिसमें आग और रोशनी को शुद्धिकरण, उर्वरता और नई शुरुआत के संकेत के रूप में देखा जाता है।

इम्बोल्क याद दिलाता है कि लंबी सर्दी के बाद जीवन फिर से करवट लेता है और हर साल की तरह, वसंत की उम्मीद लौट आती है।

इम्बोल्क शीत अयनांत (यूल) और वसंत विषुव (ओस्टारा) के बीच पड़ता है। यह वह कालखंड है, जब ठंड की पकड़ ढीली होने लगती है और धरती में जीवन के पहले संकेत उभरते हैं। इम्बोल्क का सबसे पुराना उल्लेख आयरिश साहित्य में मिलता है, जिसे आठवीं से ग्यारहवीं शताब्दी के बीच लिखित रूप दिया गया माना जाता है। यह मूलतः मौखिक कथाओं का संकलन था, जिन्हें मध्ययुगीन लिपिकों ने दर्ज किया। इन कथाओं में इम्बोल्क को वसंत के आरंभ और पशुपालन से जुड़े संकेतों, जैसे भेड़ों के दूध देने से जोड़ा गया है। नियो-पैगन कैलेंडर के व्हील ऑफ द ईयर में कुल आठ पर्व होते हैं। इनमें

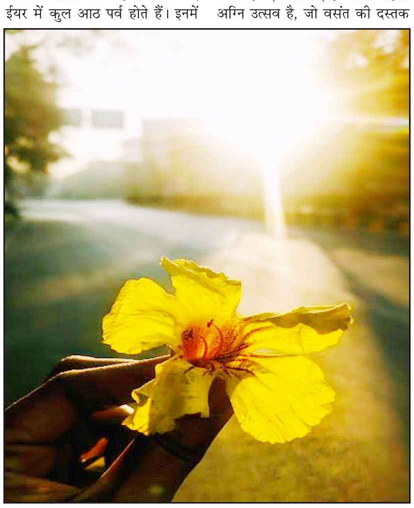

चार ऋतु परिवर्तन से जुड़े हैं और चार क्रॉस-क्वार्टर या अग्नि उत्सव इम्बोल्क, बेल्टेन, लुगनसाध और सैम्हेन हैं। ये हर अयनांत और विषुव के बीच के मध्य बिंदु को चिह्नित करते हैं। इम्बोल्क इन्हीं में से पहला अग्नि उत्सव है, जो वसंत की दस्तक का संकेत है। इम्बोल्क का केंद्र देवी ब्रिजिड हैं। देवताओं के प्रमुख डाग्डा की पुत्री। उन्हें ट्रिपल गॉडेस के रूप में जाना जाता है। समय के साथ देवी ब्रिजिड का रूपांतरण सेंट ब्रिजिड के रूप में हुआ, जो सेंट पैट्रिक और सेंट कोलंबा के साथ आयरलैंड के संरक्षक संतों में गिने जाते हैं। सेंट ब्रिजिड्स डे भी फरवरी के पहले सप्ताह में ही मनाया जाता है। आज आयरलैंड में इम्बोल्क और सेंट ब्रिजिड्स डे के कई आयोजन आपस में घुल-मिल गए हैं। आयरलैंड और स्कॉटलैंड के बाहर भी इम्बोल्क विक्कन, ड्रूइड और अन्य आध्यात्मिक समुदायों में मनाया जाता है। आधुनिक परंपराओं में आत्म-चिंतन, नवीकरण और वर्ष के लिए संकल्प तय करना केंद्रीय विषय हैं। लोग यूल पर तय किए गए इरादों के प्रतीक रूप में बीज बोते हैं और पौधे की वृद्धि के साथ अपने संकल्पों को संजोने का संकल्प लेते हैं। इम्बोल्क से जुड़ा सबसे बड़ा उत्सव आयरलैंड के काउंटी किल्डेयर में होता है, जहां सेंट ब्रिजिड ने अपनी नगरी स्थापित की थी। आग, प्रकाश और प्रकृति के संकेतों से बुना इम्बोल्क आज भी याद दिलाता है कि लंबी सर्दी के बाद जीवन फिर से करवट लेता है और हर साल की तरह, वसंत की उम्मीद लौट आती है।

इम्बोल्क शीत अयनांत (यूल) और वसंत विषुव (ओस्टारा) के बीच पड़ता है। यह वह कालखंड है, जब ठंड की पकड़ ढीली होने लगती है और धरती में जीवन के पहले संकेत उभरते हैं।

मुद्दा

चूंकि अभी अर्थव्यवस्था मजबूत है, इस लिहाज से रेपो दर को यथावत रखने का निर्णय पूरी तरह से सही है।

रेपो दर पर महंगाई का साया

महंगाई को चार फीसदी के लक्ष्य पर स्थिर रखने की प्रतिबद्धता, खाद्य कीमतों में उतार-चढ़ाव और अनिश्चित वैश्विक आर्थिक माहौल के कारण और विकास की रफ्तार को बनाए रखने के लिए सतर्क रुख अपनाते हुए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने छह फरवरी, 2026 को नीतिगत ब्याज दर को 5.25 फीसदी के स्तर पर अपरिवर्तित रखा। रिजर्व बैंक का प्राथमिक लक्ष्य महंगाई को नियंत्रित करना है। इसलिए रिजर्व बैंक ने फिलहाल दरों को कम न करने का निर्णय लिया, ताकि महंगाई और न बढ़े।

दुनिया भर में आर्थिक अस्थिरता और भू-राजनीतिक तनावों के कारण अर्थव्यवस्था पर लगातार दबाव बना हुआ है। डॉलर के मुकाबले रुपये की अस्थिरता और बॉन्ड यील्ड के दबाव के कारण भी केंद्रीय बैंक ने रेपो दर में कटौती करने से गुरेज किया। दिसंबर, 2025 में रिजर्व बैंक ने रेपो दर में 0.25 फीसदी की कटौती की थी। वैसे, 2025 की शुरुआत से रिजर्व बैंक नीतिगत दरों में 125 आधार अंकों की कटौती कर चुका है, लेकिन अब तक बैंकों ने इसका पूरा फायदा ग्राहकों को नहीं दिया है, क्योंकि अब भी नए ऋणों में आधार अंकों की कटौती करना शेष है। रिजर्व बैंक द्वारा नीतिगत दरों को यथावत रखने के बाद भी उधारी दरों में कटौती की गुंजाइश बनी हुई है। नीतिगत दरों में कटौती नहीं करने के बावजूद जरूरत पड़ने पर रिजर्व बैंक नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में कटौती करके और ओपन मार्केट ऑपरेशंस (ओएमओ) के जरिये बैंकिंग प्रणाली की तरलता बढ़ा सकता है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय बैंक 29 जनवरी, 2026 को हुई नीलामी सहित, ओएमओ के जरिये रिजर्व बैंक बैंकिंग प्रणाली में लगभग 1.5 लाख करोड़ रुपये डाल चुका है। भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास की गति अच्छी है। केंद्रीय बैंक ने मौद्रिक समीक्षा के दौरान वित्त वर्ष 2026 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के वृद्धि अनुमान को 7.3 फीसदी से बढ़ाकर 7.4 फीसदी कर दिया है, जबकि वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में इसके 6.9 फीसदी रहने का अनुमान जताया है, जो इसके पहले 6.7 फीसदी था, वहीं, वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में जीडीपी के सात फीसदी रहने का अनुमान जताया है, जो पहले 6.8 फीसदी था। इसके अलावा, हाल ही में अमेरिकी सरकार ने टैरिफ को घटाकर 18 फीसदी कर दिया है, जिससे निर्यात में इजाफा, आर्थिक गतिविधियों में तेजी, व्यापार घाटे में कमी आने, विदेशी मुद्रा में इजाफा होने की उम्मीद है, जिससे अर्थव्यवस्था में और मजबूती आएगी।

रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2026 के दौरान महंगाई दर के 2.1 फीसदी रहने का अनुमान जताया है, जो पहले दो फीसदी थी। वहीं, वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में इसके 3.2 फीसदी रहने का अनुमान जताया है, और वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही के दौरान महंगाई के चार फीसदी रहने का अनुमान जताया गया है। महंगाई के कारण लोगों की क्रय शक्ति में कमी, जीवनयापन की लागत में वृद्धि, और बचत के वास्तविक मूल्य में गिरावट आती है। इसका सबसे अधिक असर गरीबों पर पड़ता है, क्योंकि उन्हें बुनियादी जरूरतों, जैसे भोजन और स्वास्थ्य के मद में ज्यादा खर्च करना पड़ता है। यह आर्थिक विकास को भी बाधित करती है और कंपनियों के मुनाफे को भी कमा करती है। महंगाई दर के जमा दर से अधिक होने पर बैंक में जमा पैसों की वास्तविक कीमत घट जाती है और भविष्य के लिए जमा की गई पूंजी कम हो सकती है और बुढ़ापे में वित्तीय संकट पैदा हो सकता है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी, 2026 में, भारतीय बैंकिंग क्षेत्र की ऋण वृद्धि दर धीमी होकर वर्ष-दर-वर्ष के आधार पर 13.1 फीसदी रह गई, जो दिसंबर, 2025 में 14.5 फीसदी थी। वहीं, पांच जनवरी, 2026 को खत्म हुए पखवाड़े तक जमा वृद्धि दर कम होकर वर्ष-दर-वर्ष के आधार पर 10.6 फीसदी रह गई। इस तरह, इस अवधि में बैंक जमा में लगभग 3 लाख 57 हजार करोड़ रुपये की कमी आई, जिससे क्रेडिट-डिपॉजिट (सीडी) अनुपाता रिकॉर्ड 82.2 फीसदी के उच्च स्तर पर पहुंच गया।

-सतीश सिंह

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। उठाव की सुस्तता के बीच मंगलवार को दलहनों में चने व मसूर में बाजार मंदी के रहे। तुअर में मजबूती आयी। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन घटाकर बोला गया। किराना जिंसों में खसखस मजबूत हुई। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में उठाव की सुस्तता से बाजार मंदी के रहे। चना टूटकर 5650 रू. प्रति क्विंटल पर आ गया। मसूर में भी बाजार ढ़ीले पड़े। वहीं, तुअर में माँग से भावों में सुधार दर्ज हुआ। खाद्य तेलों में व्यापार सामान्य से कमजोर रहा। तिलहनों में सोयाबीन बाजार घटाकर बोले गये। किराना जिंसों में खसखस मजबूती पर रही। भाव इस प्रकार रहे -

किराना- शक्कर 4080-4150, खोपरा गोला 325-380, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 760-770, गरबल 725-730, मटरदाना 790-810, खसखस अनक्लीन 1200-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 220-240, जायफल 815-870, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1675-2150, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरी इलायची शंकर बोल्ड 2750-2900, विरूद्ध नगर 2800-2850, मीडियम 2950-3150, बेस्ट 3200-3350, एक्ट्रा बोल्ड 3350-3450, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 490-550, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 860-900, कैलिफोंनिया 780-795, अखरोट 500-850, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2900-3100, (160) 3300-3500, (200) 3900-4100, (250) 4600-5000

तेल- सींगदाना 1730-1750, मुम्बई 1750, राजकोट तेलिया 2690, सोया साल्वेंट 1305-1310, सोया रिफाइंड 1365-1370, कपास्या 1300, धूलिया 1290-1295, कड़ी 1295,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1662-1700, मुम्बई पाम 1330, मुम्बई सोया 1410,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2325, देवास-उज्जैन 2325, खंडवा-बुरहानपुर 2300, अकोला 3600 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 6000-6200, रायडा 5800-6000, सोयाबीन 5350, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5650, एवरेज 5500, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 5600-5650, एवरेज 5500, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7900-8000, एवरेज 7700-7800, हल्की 7500-7600, तुअर महाराष्ट्र 8200-8400, उड़द बेस्ट 8600-8700, एवरेज 8400-8500, शंकर 8200-8300, हल्की 8000-8100,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7500-7800, तुअर दाल सवा नं. 8400-8800, तुअर दाल फूल 10500-10800, तुअर दाल बोल्ड 11500-11700, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 320 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। मंगलवार को कमजोर कामकाज के बीच स्थानीय सराफा बाजार में दोनों ही कीमती धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे -

चाँदी (9999) 262000, चाँदी (99) 261000, टंच 260000, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 160000,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 20 पैसे की गिरावट के साथ ही 90.48 रुपये पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया शुरुआती कारोबार में 11 पैसे गिरकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.77 पर पहुंच गया। भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते पर सहमति के बाद से मुद्रा बाजार में उत्साह की बजाय सतर्कता का माहौल बना हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.63 पर खुला। फिर और टूटकर 90.77 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 11 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को उतार-चढ़ाव भरा कारोबार करते हुए अंत में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.66 पर बंद हुआ था।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आई है। आज वाहन और धातु शेयरों में जमकर खरीदारी हुई जिससे बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 208.17 अंक बढ़कर 84,273.92 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 67.85 अंक उछलकर 25,935.15 पर बंद हुआ। आज निफ्टी ऑटो , निफ्टी मेटल , निफ्टी कंजम्शन, निफ्टी इंडिया डिफेंस , निफ्टी पीएसई और निफ्टी कमोडिटीज के शेयरों में तेजी रही जबकि फटी फार्मा, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी पीएसयू बैंक के शेयरों में गिरावट रही। आज लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 294.75 अंक बढ़कर 60,735.90 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 65.30 अंक उछलकर 17,451.20 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में टाटा स्टील, एमएंडएम, पावर ग्रिड,

टेक महिंद्रा, एनटीपीसी, एलएंडटी, टीसीएस, मारुति सुजुकी, एक्सिस बैंक, एचयूएल, आईसीआईसीआई बैंक, ट्रेंट, टाइटन, सन फार्मा और बजाज फिनसर्व के शेयरों को लाभ हुआ जबकि एचसीएल टेक, बजाज फाइनेंस, भारती एयरटेल, एशियन पेंट्स, एचडीएफसी बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईटीसी, एसबीआई, इंडिगो और बीईएल के शेयर गिरे। इससे पहले आज सुबह बाजार की मजबूती के साथ शुरुआत हुई। सुबह बीएसई सेंसेक्स अपने पिछले बंद स्तर से करीब 144 अंकों की तेजी के साथ 84,210 के स्तर पर खुला और शुरुआती कारोबार में 84,270 के आसपास पहुंच गया। वहीं निफ्टी 50 भी करीब 57 अंकों की बढ़त के साथ 25,922.65 के स्तर पर कारोबार शुरू किया। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 200 से ज्यादा अंकों की मजबूती के साथ 84,270 के ऊपर ट्रेड करता दिखा। निफ्टी भी 56 अंकों की तेजी के साथ 25,924 के आसपास बना रहा। आजएशियाई बाजारों में जापान का निक्केई, दक्षिण कोरिया का कोस्पी और ऑस्ट्रेलिया के शेयर बाजार हरे निशान में कारोबार करते नजर आए।

क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन गुजरात में लगाएगी नया कृषि-रसायन संयंत्र

कंपनी ने गुजरात में 31 एकड़ भूमि खरीदी, कृषि-रसायन संयंत्र में करेगी 100 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली। एजेंसी। कृषि-रसायन क्षेत्र की कंपनी क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन ने गुजरात के झगडि़या में 31.06 एकड़ भूमि खरीदी है। कंपनी अगले तीन वर्षों में इस स्थान पर स्वचालित विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के लिए 100 करोड़ रुपये निवेश करेगी। संयंत्र की प्रारंभिक उत्पादन क्षमता सालाना 50,000 टन होगी। बढ़ती मांग को देखते हुए इसे 1,20,000 टन तक बढ़ाया जा सकेगा। संयंत्र में आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाएगा। संयंत्र में खरपतवारनाशी, फफूंदनाशी और कीटनाशी तैयार किए जाएंगे। प्रमुख उत्पादों में टॉपर, टिल्ट, प्रोक्लेम, मिसाइल और एसीएम-9 शामिल हैं। कंपनी का लक्ष्य घरेलू बाजार के साथ एशिया और अफ्रीका में निर्यात बढ़ाना है। गुजरात को चयनित करने के पीछे कारण हैं किफायती लागत, नियामकीय स्थिरता और मजबूत आपूर्ति श्रृंखला। झगडि़या संयंत्र को दहेज, हजीरा और जेएनपीटी बंदरगाहों तक आसान पहुंच भी मिलेगी। क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन के एक अधिकारी ने कहा कि यह संयंत्र कंपनी की वैश्विक प्रतिबद्धता और उत्पादन क्षमता को और मजबूत करेगा।

भारत को फार्मा नवाचार हब बनाने नियामकीय सुधार जरूरी- उद्योग दिग्गज

अनुमोदन प्रक्रिया को आसान और तेज करना जरूरी

नई दिल्ली। एजेंसी। देश के फार्मास्युटिकल उद्योग के प्रमुखों ने कहा है कि भारत को नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए तेज, सरल और भरोसेमंद नियामक तंत्र की आवश्यकता है। उद्योग ने आगाह किया कि मंजूरी में देरी, क्लीनिकल परीक्षणों का कमजोर बुनियादी ढांचा और घरेलू नवाचार की कम स्वीकार्यता भारत को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में पीछे छोड़ रही है, जबकि चीन जैसे देश तेजी से मूल्य श्रृंखला में आगे बढ़ रहे हैं। सन फार्मा के एक प्रमुख अधिकारी ने बताया कि भारत में मंजूरी मिलने से पहले अक्सर चरण-1 के परीक्षण बेल्जियम या ऑस्ट्रेलिया में पूरे हो जाते हैं। इससे स्पष्ट होता है कि अगर देश नवाचार का हब बनना चाहता है तो अनुमोदन प्रक्रिया को आसान और तेज करना जरूरी है। उद्योग के दिग्गजों ने हाल ही में लागू की गई सरकारी योजनाओं का स्वागत किया। इनमें पीआरआईपी योजना और 1,000 क्लीनिकल परीक्षण केंद्रों को प्रमाणित करने की पहल शामिल है। उन्होंने कहा कि यह संकेत सकारात्मक हैं, लेकिन असली चुनौती इन पर प्रभावी अमल करना है। उद्योग के दिग्गजों ने मिलकर जोर दिया कि भारत को केवल जेनेरिक दवाओं तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि मूल्यवान नवाचार दवाओं के निर्माण की दिशा में तेजी से बढ़ना चाहिए। उद्योग के दिग्गजों का मानना है कि भारत फार्मा नवाचार के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व हासिल कर सकता है, यदि नियामकीय प्रक्रियाओं में सुधार, क्लीनिकल परीक्षणों का मजबूत ढांचा और नवाचार को प्रोत्साहन दिया जाए।

मेष- मेष राशि के जातकों के लिए फरवरी महीने की शुरुआत थोड़ी उतार-चढ़ाव भरी रह सकती है। इस दौरान आपके द्वारा किए जाने वाले परिश्रम और प्रयास का अपेक्षाकृत कम फल मिलेगा. हालांकि यह स्थिति लंबे समय तक नहीं रहेगी और महीने के दूसरे सप्ताह तक आप अपनी बुद्धि और विवेक से करियर-कारोबार में मनचाही सफलता प्राप्त करेंगे।

वृषभ- वृषभ राशि के जातकों के लिए फरवरी का महीना कभी खुशी कभी गम लिए रहने वाला है। साल 2026 के दूसरे महीने की शुरुआत आपके लिए थोड़ी खर्चीली रहेगी। इस दौरान आप अपनी सुख-सुविधा पर बड़ी रकम खर्च कर सकते हैं या फिर घर के किसी व्यक्ति की सेहत पर आपको पैसे खर्च करना पड़ सकता है। महीने की शुरुआत में होने वाला आर्थिक असंतुलन आपकी चिंता का कारण बनेगा।

मिथुन- मिथुन राशि के जातकों के लिए फरवरी महीने की शुरुआत थोड़ी आपाधापी भरी रह सकती है। इस दौरान आपको कामकाज के सिलसिले में जरा ज्यादा ही भागदौड़ करनी पड़ सकती है। इस दौरान छात्र वर्ग का पढ़ाई से मन उचट सकता है। यदि आप पार्टनरशिप में कारोबार करते हैं आपको धन के लेनदेन और बड़े निर्णय लेते समय सावधानी बरतनी होगी।

कर्क- कर्क राशि के जातकों के लिए फरवरी महीने की शुरुआत शुभता और लाभ को लिए रहेगी। इस दौरान आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होंगे। आपको विभिन्न प्रकार के धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यदि आप कोर्ट-कचहरी में आपका कोई मामला चल रहा है तो फरवरी महीने के पूर्वार्ध में आपको उस मुकदमे से छुटकारा मिल सकता है।

सिंह- सिंह राशि के जातकों के लिए फरवरी महीने के अंत का थोड़ा समय यदि इग्नोर कर दिया जाए तो पूरा महीना अत्यंत ही शुभ और लाभप्रद रहने वाला है। इस माह आपके सोचे हुए सभी कार्य समय पर पूरे होते नजर आएंगे। आपको घर और बाहर दोनों जगह लोगों से सुख-सहयोग प्राप्त होगा। बीते कुछ समय से जो अनुकूलता आपके जीवन में बनी हुई थी, इस माह भी बनी रहेगी। आपके उत्साह एवं पराक्रम में वृद्धि होगी।

कन्या- कन्या राशि के जातकों के लिए फरवरी महीने की शुरुआत थोड़ी कठिनाई भरी रह सकती है। इस दौरान आपको अपने काम को मनचाहे तरीके से करने के लिए अधिक परिश्रम और प्रयास करना पड़ सकता है। इस दौरान आपको व्यवसाय में लाभ तो होगा लेकिन उसके मुकाबले खर्च की अधिकता रहेगी। जिसके कारण आपको आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

तुला- तुला राशि के जातकों के लिए फरवरी का महीना औसत फलदायी रहने वाला है। माह की शुरुआत में आपको अपने काम सावधानी के साथ करने की आवश्यकता रहेगी। माह की शुरुआत में किसी सरकारी निर्णय से हानि की आशंका रहेगी। इस दौरान नौकरीपेशा वर्ग को कार्यक्षेत्र में बेहद सावधानी के साथ काम करने की आवश्यकता रहेगी।

वृश्चिक- जातकों के लिए फरवरी का महीना काफी उतार-चढ़ाव लिए रहने वाला है। इस माह आपको दूसरों के भरोसे रहने की बजाय खुद के परिश्रम और प्रयास से चीजों को हासिल करना होगा। माह की शुरुआत लंबी दूरी की यात्रा के साथ होगी। इस दौरान आपको करियर-कारोबार में मनचाही सफलता पाने के लिए अधिक भागदौड़ करनी पड़ सकती है।

धनु- धनु राशि के जातकों को इस माह जीवन में प्रगति एवं लाभ प्राप्ति के नये अवसर प्राप्त होंगे। फरवरी महीने के दूसरे सप्ताह को यदि इग्नोर कर दिया जाए तो पूरे माह आपको घर और बाहर दोनों जगह लोगों से भरपूर सुख और सहयोग प्राप्त होगा। यदि आप लंबे समय से आप पदोन्नति या फिर नौकरी में बदलाव के लिए प्रयासरत हैं तो आपकी यह कामना इस माह पूरी हो सकती है। आपको परिश्रम का पूरा फल प्राप्त होगा।

मकर- मकर राशि के जातकों के लिए फरवरी महीने की शुरुआत अच्छी कही जाएगी। इस दौरान आपके सोचे हुए कार्य समय पर होंगे। जिसके कारण आपका उत्साह एवं पराक्रम बढ़ा-चढ़ा रहेगा। फरवरी महीने की शुरुआत में भाग्य का अपेक्षित सहयोग मिलने के कारण चीजें आपके पक्ष में रहेंगी। इस दौरान सेहत और संबंध दोनों अच्छे बने रहेंगे। महीने के पूर्वार्ध में परिवार में मांगलिक कार्यक्रम सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ- कुंभ राशि के जातकों के लिए फरवरी का महीना अत्यंत ही शुभ रहने वाला है। इस माह आप अपने काम को योजनाबद्ध तरीके से करेंगे। आपको परिश्रम का पूरा फल प्राप्त होगा। माह के प्रारंभ में आपको कामकाज से जुड़ी दिक्कतें आ सकती हैं, लेकिन आप इस प्रतिकूल समय में भी आप अच्छा कार्य निष्पादन कर पाने में सफल होंगे। आपका उत्साह एवं पराक्रम बढ़ा-चढ़ा रहेगा।

मीन- मीन राशि के जातकों के लिए फरवरी का महीना मिश्रित फलदायी कहा जाएगा। इस माह आपको अपने करियर और कारोबार में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। ऐसे में आपको माह की शुरुआत से ही चीजों को योजनाबद्ध तरीके से करना होगा। माह के पहले सप्ताह में चीजें आपके अनुकूल रहेंगी और आप अपने काम को बेहतर तरीके से करते हुए मनचाही सफलता प्राप्त करेंगे।

शब्दजाल - 8167

शब्द जाल में उत्तर प्रदेश के 10 प्रमुख सिने व्यक्तित्व के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हो सकते हैं.

नौशाद, कमाल अमरोही, कैफी आजमी, नरगिस, शेलेंद्र, समीर, अभिजीत, रवींद्र जैन, शबाना आजमी, अमिताभ बच्चन

श	रा	कै	फी	आ	ज	मी	ट	झ	क	न
नौ	च	र	ह	रिं	लै	ता	दि	शा	को	र
शा	र	श	बा	ना	आ	ज	मी	अ	ल	गि
द	म	दा	च	ल	क	ड़	हा	मि	र	स
व	क	र	ष	अ	मि	री	चि	ता	र	ट
ह	ह	मा	व	दा	भि	ला	ती	भ	न	ती
ट	ट	बु	ल	र	म	जी	ह	ब	ह	क
बा	जी	वा	ला	अ	छ	स	त	च्च	जू	ट
स	थो	शे	व	ह	म	दा	ने	न	र	द
र	ल	लें	ति	रं	ट	रो	बें	न	रु	थो
र	वीं	द्र	जै	न	ख	बौ	ही	स	मी	र

शब्दजाल - 8166 का हल

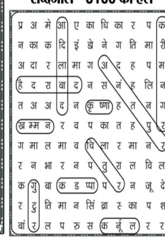

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7111

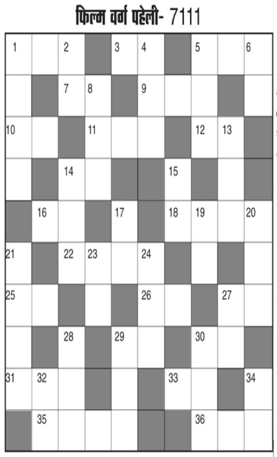

ऊपर से नीचे:-

१. 'हय्या हू' गीत वाली गोविंदा, ऐश्वर्या की फिल्म-४
२. एलबम 'मैं भी मैडोना' का गायक?-२
४. 'शहर की लड़की' गीत वाली फिल्म-३
५. नासिर खान, मीनाकुमारी की फिल्म-३
६. अमिताभ वाली 'याराना' की नायिका?-२
८. 'कुर्बानी' में फिरोज की नायिका?-३
१३. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
१४. अनिल, जूही, करिश्मा की फिल्म-३
१५. अरविंद स्वामी, मधु की 'दिल है छोटा सा' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख, पूनम की फिल्म-२
१९. 'एहसास' में सुनील शेट्टी की नायिका-२
२०. फिल्म 'मदर इंडिया' में शीर्षक भूमिका किसने की थी?-३
२१. अनिल, मीनाक्षी की 'जिंदगी हर कदम' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-३
२७. उमादेवी के गाये 'अफसाना लिख रही हूँ' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'तितली उड़ी' गीत राजेंद्रकुमार की किस फिल्म का है-३
२९. जीतेंद्र, रणधीर, राकेश, रेखा की फिल्म-३
३०. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीतवाली फिल्म-३
३२. विवेक, दीया मिर्जा की फिल्म-२
३४. अमिताभ की 'खाइके पान' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, अमृता की 'मैं माटी का गुड्डा' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता की फिल्म-२
५. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीतवाली फिल्म-३
७. 'धीरे धीरे आप मेरे दिल में' गीत वाली आमिर, जूही की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, सुनीलदत्त, संजय, सनी, रवीना, दिव्या की बहु सितारा फिल्म-३
१०. 'कोयल सी तेरी बोली' गीत वाली फिल्म-२
११. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
१२. 'फूल माँगूं ना' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'आजा जाने जाँ' गीतवाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-२
१६. 'दिल के टुकड़े टुकड़े' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली देव आनंद, हेमा की फिल्म-४
२२. जीतेंद्र, संजयदत्त, जूही की 'ढूंढ रही थी' गीत वाली फिल्म-४
२५. सनी वाली फिल्म 'जाल' में तब्बू के साथ दूसरी नायिका-२
२६. दिलीप, रेखा, ममता की फिल्म-२
२७. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजय, सलमान, रवीना की फिल्म-२
२९. 'नशा ये प्यार का नशा है' गीत वाली फिल्म-२
३०. अल्ताफ रजा के गीत 'पीलो प्यार दी विस्की' वाली फिल्म-२
३१. सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
३३. 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
३५. अमिताभ, परवीन की 'आदमी जो कहता है' गीत वाली फिल्म-४
३६. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 7110

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

11 फरवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर में	कुंभ	06.45 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	मीन	08.18 बजे से
मंगल	मकर में	मेष	09.48 बजे से
बुध	कुंभ में	वृष	11.29 बजे से
गुरु	मिथुन में	मिथुन	13.27 बजे से
शुक्र	कुंभ में	कर्क	15.40 बजे से
शनि	मीन में	सिंह	17.56 बजे से
राहु	कुंभ में	कन्या	20.08 बजे से
केतु	सिंह में	तुला	22.19 बजे से
राहुकाल		वृश्चिक	00.34 ब.से
12.00 से 1.30		धनु	02.50 बजे से
बजे तक		मकर	04.55 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 42 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** नवमी 09.59 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** अनुराधा 10.53 बजे को समाप्त। **योग** व्याघात 02.30 बजे रात्र को समाप्त। **करण** गर 09.59 बजे तदनन्तर वणिज 23.13 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 23.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 14° 06' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872617 **जूलियन दिन** 2461082.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** सावान **तारीख** 22 **विशेष** पंडित दीनदयाल उपाध्याय पुण्यतिथि।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
लाभ	05.54 से	07.22	बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12	बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51	बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44	बजे तक
काल	08.15 से	10.19	बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16	बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47	बजे तक	चर	10.16 से	11.47	बजे तक
रोग	11.47 से	01.16	बजे तक	रोग	11.47 से	01.19	बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44	बजे तक	काल	01.19 से	02.51	बजे तक
चर	02.44 से	04.12	बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23	बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41	बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: सेवा और धर्म

एक बार इब्राहिम एक काफिले के साथ तीर्थयात्रा पर जा रहे थे। काफिले में दर्जनों यात्री थे। बीच रास्ते म काफिले का एक अनजान व्यक्ति बीमार पड़ गया। इब्राहिम उसे जानते नहीं थे मगर उसे बीमार देखकर तत्काल उसकी सेवा करने लगे। इब्राहिम की सारी जमा पूंजी खर्च हो गई पर वह व्यक्ति ठीक नहीं हुआ। एक दिन वह बेहोश हो गया। उसकी हालत देख कर इब्राहिम घबरा गए। उनके पास एक पैसा नहीं था और वे उसे लावारिस छोड़ कर जाना भी नहीं चाहते थे। उन्हें जब कुछ और नहीं सूझा तो उन्होंने उसका खच्चर बेच दिया और उस पैसे से उसकी दवाई और खाने-पीने की व्यवस्था की। एक-दो दिन में उसे होश आया। इब्राहिम ने उससे कहा, 'भाई, माफ करना। तुम्हारी बेहोशी की हालत में मैंने तुम्हारा खच्चर बेच दिया और उस पैसे से तुम्हारी दवाई और खाने-पीने की व्यवस्था की।' वह यात्री रोने लगा। बोला, 'मैं बहुत कमजोर हो गया हूं। खच्चर के बिना मैं आगे कैसे जाऊंगा। मुझसे तो अब एक कदम नहीं चला जा रहा है।' इब्राहिम बोले, 'तुम चिंता क्यों करते हो भाई। मैं तुम्हारे साथ हूं और तब तक रहूंगा जब तक तुम्हें मंजिल तक पहुंचा नहीं देता।' उसने पूछा, 'मगर तुम करोगे क्या। तुम्हारे पास तो खच्चर भी नहीं है।' इब्राहिम ने कहा, ' चिंता मत करो।' उस दिन से इब्राहिम उसे अपने कंधे पर बैठा कर ले जाने लगे। एक दिन काफिले के एक आदमी ने पूछा, ' इब्राहिम, यह तुम्हारा कौन लगता है जो तुम इसकी इतनी सेवा कर रहे हो।' इब्राहिम ने कहा, ' यह मेरा कोई नहीं है। यह भी आप ही की तरह काफिले का एक सहयात्री है। उसे बीमारी की हालत में मैं अकेला छोड़कर नहीं जा सकता। उसकी सेवा करना मेरा कर्त्तव्य ही नहीं धर्म भी है। अशक्त की सेवा करने से बड़ी तीर्थयात्रा और कोई नहीं है।' यह सुनकर वह आदमी भी इब्राहिम के साथ उस बीमार यात्री की सेवा में जुट गया।

सूडोकु नवताल- 7420

★☆☆☆☆ सरल

	7	9	4	2		6		3
	6		8		7		2	
4	1				3	5	8	
	9	8	3					
7		4		5		8		1
					9	7	3	
	8	5	7				4	6
	2		9		1		5	
3		1		6	8	9	7	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7419 का हल

8	9	5	1	3	7	2	4	6
7	3	2	6	5	4	1	8	9
1	6	4	8	9	2	7	5	3
5	7	3	4	2	9	6	1	8
4	2	8	5	6	1	3	9	7
6	1	9	3	7	8	5	2	4
3	5	1	9	4	6	8	7	2
2	4	6	7	8	5	9	3	1
9	8	7	2	1	3	4	6	5

शब्द पहेली - 8635

बाएँ से दाएँ

1. जंगल की आग-4
4. अयोग्य,नालायक-4
6. बंदर का खेल दिखाने वाला-3
8. तैयार होना-3
9. जीभ,जिव्हा-3
11. पाश,फंदा,-2
13. नामकरण करना-2,3
15. मेरा(सं.-2)
16. खाद्य सामग्री-3
18. तहत-3
19. कक्ष,रूम-3
20. भरोसा,विश्वास-4
22. सचेत,होशियार-4

ऊपर से नीचे

1. दागी,धब्बेवाला-4
2. गीलापन,तर होना-2
3. दुनिया,जगत-3
4. अदा,हाव-भाव-5
5. भरा हुआ-4
7. टपकना,गिरना-3
10. नाम रखना-5
12. एकमत-4
14. भक्षक,विनाशकारी-3
17. खारा,क्षारीय-4
18. वन,जंगल-3
21. लाश,मुर्दा,मृतक-4

शब्द पहेली -8634 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

पुलिस थाना लांजी में पदस्थ नरेन्द्र सोनवे को क्रम पूर्व पदोन्नति, प्रदेश के मुखिया डॉ मोहन यादव से सम्मानित

पद्मेश न्यूज। लांजी।

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव सहित संपूर्ण पुलिस महकमे के द्वारा 9 फरवरी को उन जाबांज जवानों एवं अधिकारियों को क्रम से पूर्व पदोन्नत किया जिन्होने नक्सल विरोधी गतिविधियों में अदम्य साहस का परिचय देते हुये लोहा मनवाया है नतीजा यह रहा कि आज लाल सलाम को आखरी सलाम कहने वक्त आ चुका है। 9 फरवरी को पदोन्नत हुये 60 जवानों सहित उन सभी सैकड़ो जवानों और अधिकारियों के इस साहस को सलाम करना तो बनता है जिन्होने अपनी जान की परवाह किये बिना लाल आतंक का जड़ से खात्मा कर दिया। इस पुरी मुहिम में मध्यप्रदेश पुलिस, हॉक फोर्स, सीआरपीएफ, सहित अनेको आर्म फोर्सेस ने कार्य किया, अधिकारियों एवं जवानों को वीरता पदक से नवाजा गया साथ ही उन्हे क्रम पूर्व पदोन्नत कर सम्मानित किया गया और होना भी चाहिये क्योंकि आज इन सभी के वजह से हमारा प्रदेश हमारा जिला सुरक्षित है। इन सभी जवानों ने वाकई में अद्मय साहस का परिचय दिया है। जंगलों में दिनों दिन भुखे प्यास रहना, सर्चिंग करना, अपने परिवार से दुर रहना ताकि प्रदेश का, जिले, क्षेत्र का प्रत्येक व्यक्ति सुरक्षित रह सके। हमे गर्व होना चाहिये कि हम सभी की रक्षा करने वाले ऐसे वीर जवान, पुलिस अधिकारी, हॉक फोर्स हमारे बीच है। इन्ही में से एक वीर जवान है जिला पुलिस बल में पदस्थ नरेन्द्र सोनवे जो कि वर्तमान में पुलिस थाना लांजी में पदस्थ है तथा वर्षों से नक्सल

विरोधी अभियान में सक्रिय भूमिका निभाते आ रहे है। 9 फरवरी को आयोजित क्रम पूर्व पदोन्नति कार्यक्रम में प्रदेश के मुखिया डॉ मोहन यादव, प्रभारी मंत्री राव उदय प्रताप सिंह, पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन सांसद श्रीमती भारती पारधी, विधायक राजकुमार कर्राहे, गौरव पारधी, मधु भगत, विवेक पटेल, पूर्व मंत्री रामकिशोर नानो कावरे, पूर्व विधायक रमेश भटेरे, जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरस्वार, नप बालाघाट अध्यक्ष भारती ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि, नक्सल विरोधी अभियान के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक केपी व्यंकटेश्वर राव, सीआरपीएफ आई जी नीतू सिंह भट्टाचार्य, बालाघाट जोन के पुलिस महानिरीक्षक ललित साक्यवार, जबलपुर संभाग कमिश्नर धनंजय सिंह, बालाघाट जोन के पुलिस उप महानिरीक्षक विनीत जैन, कलेक्टर मृणाल मीना बालाघाट, पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा सहित तमाम अधिकारी कर्मचारी गण हॉक फोर्स, जिला पुलिस बालाघाट, सीआरपीएफ सहित अन्य की उपस्थिती में 60 जवानों को पूरी प्रक्रिया के साथ क्रम पूर्व पदोन्नत कर सम्मानित किया गया। बतादे कि इस सम्मान कार्यक्रम में जिला पुलिस बल के जाबांज जवान नरेन्द्र सोनवे को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने सम्मानित करते हुये उन्हे शुभकामनाऐं प्रेषित की। नरेन्द्र सोनवे वर्तमान में पुलिस थाना लांजी में पदस्थ है। नरेन्द्र सोनवे के पिता रोशन लाल सोनवे, माता शिला सोनवे एवं सभी नाते रिश्तेदारो सहित पुलिस महकमें ने नरेन्द्र के क्रम पूर्व पदोन्नत होने पर शुभकामनाऐं प्रेषित की है। बतादे कि नरेन्द्र सोनवे ने नक्सल विरोधी अभियान में अद्वितीय साहस एवं वीरता का परिचय दिया है जिसका यह परिणाम है कि आज मुख्यमंत्री के हस्ते वे सम्मानित हुये और क्रमपूर्व पदोन्नति पाई है। इस वीरता पर जहां नाते रिश्तेदारो ने बधाई प्रेषित की है वही लांजी एसडीओपी ओमप्रकाश (भापुसे), इंस्पेक्टर अजीत सर, थाना प्रभारी दीप सिंह परमार, उपनिरीक्षक सुन्दरलाल पंवार, उनि शब्बीर खान, उनि विधी पाण्डेय सहित समस्त एएसआई, प्रधानआरक्षक, आरक्षक, सेनिक, पत्रकार बंधु गण एवं ईष्ट मित्रो के द्वारा बधाईया प्रेषित कर उज्जवल भविष्य की कामना की है।

पुलिस थाना लांजी आईएसओ हुआ प्रमाणित

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के लिए गर्व की बात है कि लांजी थाना अब आईएसओ प्रमाणित हो गया है। इस उपलब्धि के साथ थाना परिसर में बेहतर व्यवस्थाओं, आधुनिक सुविधाओं एवं आम नागरिकों को प्रदान की जा रही सेवाओं की गुणवत्ता को नई पहचान मिलेगी। बताया गया कि आईएसओ प्रमाणन प्राप्त करने के लिए थाना परिसर में स्वच्छता, अभिलेखों का व्यवस्थित संधारण, शिकायतों के त्वरित निराकरण, पारदर्शी कार्यप्रणाली तथा नागरिक सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया गया। पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा लंबे समय से किए जा रहे प्रयासों के परिणामस्वरूप यह सफलता हासिल हुई है। थाना प्रभारी दीप सिंह परमार ने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा सहित सभी अधिकारी के मार्गदर्शन एवं लांजी थाने में पदस्थ समस्त अधिकारी कर्मचारियों की मेहनत का नतीजा है कि लांजी पुलिस थाना आज आईएसओ प्रमाणित किया गया है। आईएसओ प्रमाणन से पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली और अधिक सुदृढ़ एवं जवाबदेह बनेगी। साथ ही आम जनता को बेहतर और सुगम पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी थाना परिसर में व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेंगे। इस उपलब्धि पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों ने लांजी

पुलिस को बधाई देते हुए इसे क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया है। स्थानीय लोगों का मानना है कि इससे पुलिस और जनता के बीच विश्वास और सहयोग की भावना और मजबूत होगी।

अवैध रेत उत्खनन और ओवरलोड परिवहन पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन पर रोक लगाने के लिए खनिज विभाग द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आज दिनांक 10 फरवरी 2026 को ग्राम बोनकट्टा, तहसील तिरोड़ी में अवैध खनिज रेत उत्खनन एवं परिवहन की प्राप्त शिकायत के आधार पर खनिज अमले द्वारा मौके पर जांच की गई। उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि जांच के दौरान शिकायती क्षेत्र में एक ट्रैक्टर-ट्रॉली अवैध रूप से रेत का उत्खनन एवं परिवहन करते हुए पाई गई। खनिज विभाग की टीम द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए वाहन को जप्त कर थाना तिरोड़ी की सुरक्षा में खड़ा कर दिया गया है। इस प्रकरण में मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के अंतर्गत नियमानुसार विधिवत कार्रवाई की जाएगी। इसी प्रकार एक अन्य मामले में हाइवा वाहन क्रमांक स्क्क50 ॥ 1358 को लामता रेलवे फाटक के पास बालाघाट रोड पर खनिज गिट्टी का ओवरलोड परिवहन करते हुए पकड़ा गया। उक्त वाहन को थाना लामता की अभिरक्षा में रखा गया है। वाहन चालक की पहचान फिरोज खान, निवासी वार्ड नंबर 24 मोतीनगर बालाघाट के रूप में की गई है।

खनिज विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन करने वालों के विरुद्ध निरंतर कड़ी कार्रवाई की जा रही है और यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि अवैध खनन संबंधी किसी भी गतिविधि की जानकारी तत्काल संबंधित विभाग को दें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके।

अधिवक्ता संघ लांजी की चुनावी प्रक्रिया हुई प्रारंभ

चुनाव कार्यक्रम एवं अंतिम मतदाता सूची जारी

पद्मेश न्यूज। लांजी। अधिवक्ता संघ लांजी के द्विवार्षिक चुनाव वर्ष 2026 से 2028 को लेकर चुनावी प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। अधिवक्ता संघ लांजी के पंजीयन क्रमांक 271 के तहत मुख्य निर्वाचन अधिकारी

द्वारा चुनाव कार्यक्रम एवं अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी गई है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा जारी निर्वाचन सूचना के अनुसार अधिवक्ता संघ लांजी का चुनाव दिनांक 21 फरवरी 2026 को आयोजित किया जाएगा। चुनाव से पूर्व मतदाता सूची एवं नामांकन प्रक्रिया का कार्यक्रम निर्धारित कर दिया गया है। अधिवक्ता संघ लांजी की अंतिम मतदाता सूची में कुल 13 अधिवक्ताओं के नाम शामिल किए गए हैं। सूची में शामिल अधिवक्ताओं में जयप्रकाश खानोरकर, चितरंजनदास मचिया, नीलकंठ भटेरे, एजाजुद्दीन खान, नरेशकुमार पाराशर, लोकराम नागफांसे, रविकुमार तिडके, रमनकुमार झा, चन्द्रकिशोर आसटकर, वेंकटरमण सोनवाने, जितेन्द्र कुमार रहांगडाले, बबीता पशीने एवं जितेन्द्र कुमार यादव के नाम शामिल हैं। निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार नामांकन पत्र दाखिल करने की तिथि आज 11 फरवरी 2026 प्रात: 10:30 बजे से 13 फरवरी 2026 शाम 5 बजे तक तथा नामांकन पत्रों पर आपत्ति 14 फरवरी 2026 से 16 फरवरी 2026 तक एवं नामांकन वापसी की तिथि 17 फरवरी 2026 निर्धारित की गई है। इसके साथ ही नामांकन पत्रों की जांच एवं अभ्यर्थियों की घोषणा 18 फरवरी 2026 को की जाएगी। निर्वाचन अधिकारी के अनुसार मतदान एवं परिणाम की घोषणा 21 फरवरी 2026 को की जाएगी। चुनाव प्रक्रिया अधिवक्ता संघ लांजी परिसर में संपन्न होगी। इस निर्वाचन प्रक्रिया में मुख्य निर्वाचन अधिकारी एजाजुद्दीन खान सहायक निर्वाचन अधिकारी दिनेश कुमार कलपुरिया एवं शाहबाज कादरी को नियुक्त किया गया है। अधिवक्ता संघ लांजी के इस द्विवार्षिक चुनाव को लेकर अधिवक्ताओं में सरगर्मी देखी जा रही है और चुनावी गतिविधियां तेज होने लगी हैं।

भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुई दिव्यांग जन कल्याण संघ की पर्यटन यात्रा

पद्मेश न्यूज। लांजी। प्रदेश की प्रतिष्ठित संस्था दिव्यांग जन कल्याण संघ द्वारा अपनी वार्षिक परंपरा को जीवंत रखते हुए इस वर्ष भी पर्यटन यात्रा का सफल आयोजन किया गया। संघ के प्रबंध कार्यकारिणी पदाधिकारियों के नेतृत्व में आयोजित इस यात्रा में क्षेत्र के विभिन्न धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण कर एकता और सेवा का संदेश दिया गया।

यात्रा का शुभारंभ संघ कार्यालय भानेगांव से अत्यंत गरिमामय ढंग से हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित ग्राम पंचायत भानेगांव के सरपंच राम ठाकरे ने यात्रा वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने संघ के इस प्रयास की सराहना करते हुए सभी सदस्यों के सुखद भविष्य और मंगलमय यात्रा की कामना की।

प्रमुख धार्मिक स्थलों का भ्रमण

इस आध्यात्मिक और पर्यटन यात्रा के दौरान संघ के पदाधिकारियों ने क्षेत्र के प्रसिद्ध आस्था केंद्रों पर माथा टेका। सर्वप्रथम कोटेश्वर धाम, लांजी पहुंचकर भगवान शिव की आराधना के साथ यात्रा

की शुरुआत हुई। इसके उपरांत माँ पाढरी पाठ धाम ग्राम वारी के प्रसिद्ध शक्तिपीठ में दर्शन लाभ लेकर सुख-समृद्धि की प्रार्थना की गई। घनें वनों के बीच स्थित गांगली राजा मंदिर पहुंचकर प्राचीन और ऐतिहासिक मंदिर की वास्तुकला और धार्मिक महत्व को समझा। यात्रा के अंतिम चरण में तिरुपति बालाजी मंदिर, कटंगी लांजी पहुंचकर भव्य बालाजी मंदिर में स्थापित भगवान बालाजी के साथ ही सभी देवी-देवताओं के दर्शन कर सभी ने शांति का अनुभव किया।

सफलतापूर्वक संपन्न हुई यात्रा

शाम तक सभी सदस्य हर्षोल्लास के साथ विभिन्न दार्शनिक स्थलों का भ्रमण कर वापस लौटे। इस पर्यटन यात्रा ने दिव्यांग जन कल्याण संघ की सक्रियता और सदस्यों के प्रति उनके समर्पण को एक बार फिर रेखांकित किया है। पूरी यात्रा के दौरान सुरक्षा और सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया।

इस यात्रा का नेतृत्व संघ के उपाध्यक्ष वीरेंद्र ठाकरे एवं सचिव रूपेश कुमार कुथे द्वारा किया गया। इस यात्रा के दौरान संरक्षक श्रीमती परमिला देवीचरण जी ठाकरे, संघ के अध्यक्ष तन्मय मिश्रा, संयुक्त सचिव सुश्री अनीता उईके, कोषाध्यक्ष कु सुनीता बिसेन, शिकायत अधिकारी कु.पारुल ठाकरे राजकुमार बेदरे, दिनेश आठोंडे, सालिता ठाकरे, प्रेरक जगदीश मिश्रा जी, श्रीमती केसर उरकुडे सहित अन्य पदाधिकारी एवं दिव्यांग साथीगण उपस्थित रहे।

जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय ने परीक्षा केन्द्रों का किया निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। लांजी। माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल मप्र शासन के द्वारा जारी परीक्षा कैलेण्डर के अनुसार 10 फरवरी से 12वीं बोर्ड परीक्षा प्रारंभ हो चुकी है। कक्षा 12वीं के छात्र छात्राओं ने इंग्लिश का प्रश्न पत्र हल किया। वहीं सभी परीक्षा केन्द्रों की व्यवस्थाओं को जानने के लिये जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय के द्वारा अपने दल बल के साथ लांजी विकासखण्ड के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। परीक्षाओं को सुचारू, शांतिपूर्ण एवं नकलविहीन वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी ने केंद्रों में बैठने की व्यवस्था, प्रश्न पत्रों की सुरक्षा, विद्यार्थियों की उपस्थिति, कक्ष निरीक्षकों की तैनाती एवं परीक्षा संबंधी आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने परीक्षा केंद्रों में स्वच्छता, पेयजल तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं का भी अवलोकन किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जिला शिक्षा अधिकारी ने केंद्राध्यक्षों एवं शिक्षकों को निर्देशित करते हुए कहा कि परीक्षाएं पूरी पारदर्शिता एवं नियमों के अनुरूप कराई जाएं। साथ ही विद्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने विद्यार्थियों को नकल जैसी अनुचित गतिविधियों से दूर रहकर ईमानदारी से परीक्षा देने के लिए प्रेरित किया। परीक्षा के पहले दिन केंद्रों में विद्यार्थी निर्धारित समय से पूर्व पहुंच गए थे और शांतिपूर्ण माहौल में परीक्षा संपन्न हुई। प्रशासन एवं शिक्षा विभाग द्वारा परीक्षाओं को व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए विशेष निगरानी रखी जा रही है।

इनका कहना है-

निरीक्षण के द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय ने कहा कि कक्षा 12 वी की बोर्ड परीक्षा प्रारंभ हुई हैं । परीक्षा प्रात: 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक संचालित की गई हैं। आज परीक्षार्थियों ने इंग्लिश का प्रश्न पत्र हल किया हैं। मेरे द्वारा आज अपनी पूरी निरीक्षण दल के साथ लांजी विकासखंड के भानेगांव, शासकीय कन्य उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शासकीय साडरा विद्यालय, शासकीय कारंजा स्कूल, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बहेला का निरीक्षण किया । सभी परीक्षा से संबंधित व्यवस्था केंद्राध्यक्ष द्वारा की गई हैं । पुलिस प्रशासन से सुरक्षा कर्मी भी लगाए गए हैं किसी भी प्रकार की अव्यवस्था मुझे अभी तक नहीं दिखाई दी एवं निरीक्षण दलों द्वारा निरीक्षण कार्य जारी हैं।

महावीर इंटरनेशनल ने वनांचल ग्राम खुर्शीटोला को लिया गोद, शिक्षा और स्वास्थ्य में होगा सुधार

पद्मेश न्यूज। लांजी। महावीर इंटरनेशनल संस्था हमेशा सेवा कार्यों में अग्रणी रहा है लांजी क्षेत्र के गांव-गांव में अनेकों शिविर लगाकर लोगों को स्वास्थ्य लाभ देने का काम किया है। इस संस्था के वरिष्ठ पदाधिकारियों का 10 फरवरी को खोंगल भवन में भव्य स्वागत हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव सोहन वैद्य, अंतर्राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिलीप भंडारी, डायरेक्टर तरुण सुराना, रीजन सेक्रेटरी राकेश सचान, ट्रस्टी अभय सेठिया, डायरेक्टर सुशील जैन, रीजन ट्रेजरार महेंद्र टांक और जोन सचिव संजय मालू उपस्थित रहे। इन पदाधिकारियों ने स्थानीय पदाधिकारियों से संस्था द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों और आगामी योजनाओं पर गहन चर्चा की। महाकौशल जोन चेयरमैन एवं लांजी केंद्र अध्यक्ष विशाल राऊत खोंगल ने बताया कि राष्ट्रीय पदाधिकारियों का यह आगमन केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि रीजन-9 की गतिविधियों को गति देने और नए प्रकल्पों को स्थानीय जनता तक पहुंचाने का संकल्प है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और महिला सशक्तिकरण जैसे विषयों पर संस्था की योजनाएँ ग्रामीण अंचलों में नई आशा जगाने वाली हैं। इस संवाद ने संस्था की कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाने का मार्ग प्रशस्त किया। इस अवसर पर महावीर इंटरनेशनल ने उन युवाओं को सम्मानित किया जिनका हाल ही में सेनाओं में चयन हुआ है। तोपेश कलपुरिया, देवेश वारे, आशीष मानकर, वरुण बड़मे, शाहिल पाण्डे, संजू कावरे और राजू खरे को पुष्पमालाओं से अलंकृत कर समाज के प्रति उनके योगदान को सराहा गया। यह सम्मान समारोह युवाओं के उत्साह और देशभक्ति की भावना को और प्रबल करने वाला रहा। संस्था ने यह संदेश दिया कि सेवा और राष्ट्रभक्ति ही सच्चे संस्कार हैं। संस्था के महासचिव सोहन वैद्य ने पत्रकार वार्ता में घोषणा की कि वनांचल ग्राम खुर्शीटोला को महावीर इंटरनेशनल द्वारा गोद लिया जाएगा। इस पहल से वहाँ शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार होगा, साथ ही कृषि, रोजगार और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में ठोस कदम उठाए जाएँगे। यह निर्णय संस्था की उस मूल भावना को दर्शाता है जिसमें सेवा ही सर्वोच्च धर्म है और मानवता

ही उसकी पहचान। महावीर इंटरनेशनल का यह प्रयास न केवल स्थानीय स्तर पर बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी समाज को नई दिशा देने वाला साबित होगा।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबैंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मप्र सरकार की कैबिनेट ने लिया फैसला...

2585 रुपए क्विंटल में खरीदा जाएगा गेहूं

भोपाल । राज्य सरकार ने गेहूं का समर्थन मूल्य घोषित कर दिया है। इस साल 2585 रुपए क्विंटल की दर से गेहूं खरीदा जाएगा। वहीं कैबिनेट की अगली बैठक कृषि को समर्पित होगी। यह बैठक बालाघाट में की जाएगी। मंत्रालय में आयोजित कैबिनेट बैठक में वित्त वर्ष 2026-27 के आम बजट और सरकार के तीसरे अनुपूरक बजट पर चर्चा हुई। वित्त के अधिकारियों से मुख्यमंत्री और फिर कैबिनेट के सामने प्रजेंटेशन दिया।

बैठक में आबकारी नीति 2026-27 को भी मंजूरी दी जा सकती है। सरकार शराब से राजस्व बढ़ाने के फैसले पर निर्णय ले सकती है। साथ ही सोयाबीन की खरीदी के लिए समर्थन मूल्य तय कर किसानों से खरीदी करने का प्रस्ताव भी कैबिनेट बैठक में आ सकता है। बैठक से पहले, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में गेहूं का उपार्जन 7 फरवरी से शुरू हो गया है, जो 7 मार्च तक चलेगा। इसके लिए प्रदेशभर में 3186 पंजीयन केंद्र बनाए गए हैं। गेहूं का समर्थन मूल्य गत वर्ष की तुलना में 160 रुपए अधिक रखा गया है।

शिशु मृत्यु दर 41 से घटकर 37 हुई

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रदेश को सकारात्मक परिणाम मिले हैं। मातृ मृत्यु दर 173 से घटकर 142 और शिशु मृत्यु दर 41 से घटकर 37 हो गई है। टीबी उन्मूलन कार्यक्रम में मध्य प्रदेश देश के शीर्ष पांच राज्यों में शामिल है। सिकल सेल उन्मूलन के लिए प्रदेश में व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। आयुष्मान योजना के तहत उपचार उपलब्ध कराने में मध्य प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। एयर एंबुलेंस सेवा और राहवीर योजना के क्रियान्वयन में भी निरंतर प्रगति हो रही है।

विक्रमोत्सव और गुड़ी पड़वा का पर्व उल्लास के साथ मनाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी जिलों में विक्रमोत्सव और गुड़ी पड़वा का पर्व उल्लास और उत्साह के साथ मनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इसके तुरंत बाद प्रदेश में जल गंगा अभियान शुरू किया जाएगा, जो तीन महीने तक चलेगा। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को अपने-अपने जिलों में अभियान की गतिविधियों के सुव्यवस्थित संचालन के लिए आवश्यक समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सीएम के बाद कैबिनेट के समक्ष हुआ बजट का प्रेजेंटेशन

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के समक्ष आज को वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट प्रस्तावों का प्रस्तुतीकरण किया गया। मंत्रालय में हुई बैठक में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, मुख्य सचिव अनुराग जैन, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, अपर मुख्य सचिव वित्त मनीष रस्तोगी और वित्त विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने बजट प्रस्तावों को वर्तमान परिप्रेक्ष्य में बेहतर बताते हुए कहा कि प्रस्तावों में सभी क्षेत्रों और वर्गों के विकास तथा कल्याण का ध्यान रखा गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बजट प्रस्तावों के संबंध में उप मुख्यमंत्री देवड़ा के दृष्टिकोण तथा प्रस्ताव तैयार करने में विभागीय अधिकारियों- कर्मचारियों द्वारा किए गए परिश्रम की सराहना की। इसके बाद मंत्रि परिषद के समक्ष बजट प्रस्तावों का प्रस्तुतीकरण हुआ। मंत्रि परिषद द्वारा अनुमोदित बजट 18 फरवरी को विधानसभा में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा पेश करेंगे।

बालाघाट में होगी अगली कैबिनेट बैठक

मंत्री चैतन्य काश्यप ने कहा कि चर्चा हुई है कि अगली कृषि कैबिनेट बालाघाट में होगी। मध्य प्रदेश में कुल 24 चीते हो चुके हैं। प्रदेश में वन्यजीव रेस्क्यू सेंटर भी बनाए जा रहे हैं।

लांजी के भाजपा विधायक को हाईकोर्ट से राहत

- पूर्व विधायक किशोर समरीते की याचिका खारिज, भ्रष्ट आचरण के लगाए थे आरोप

भोपाल। लांजी से भाजपा विधायक राजकुमार कर्राहे को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। पूर्व विधायक किशोर समरीते ने हाईकोर्ट में याचिका दायर करते हुए राजकुमार कर्राहे के निर्वाचन को चुनौती दी थी, जिस पर सोमवार को हाईकोर्ट ने सुनवाई करते हुए याचिका को खारिज कर दिया है। राजकुमार कर्राहे ने आम आदमी पार्टी छोडक़र भाजपा का दामन थामा था।

जस्टिस डीडी बंसल की सिंगल बेंच के समक्ष भाजपा विधायक की ओर से आपत्ति जताई गई कि किशोर समरीते को एक आपराधिक मामले में 5 साल की सजा सुनाई गई है, उनकी सजा अभी निलंबित है, खत्म नहीं हुई, ऐसे में जो खुद दागी है, वो कैसे निर्वाचन पर सवाल उठा सकता है। इस आपत्ति के मद्देनजर हाईकोर्ट ने याचिका खारिज कर दी। किशोर समरिते की ओर से दायर याचिका में बताया गया था कि 17 नवंबर 2023 को हुए विधानसभा चुनाव में लांजी विधानसभा सीट पर राजकुमार कर्राह का निर्वाचन हुआ। किशोर समरीते ने संयुक्त क्रांति मोर्चा से अपना नामांकन भरा था।

निर्वाचन रद्द करने की मांग की थी

किशोर समरीते को 5 साल की सजा मिली थी, जिसका हवाला देकर निर्वाचन अधिकारी के सामने आपत्ति पेश गई, इस आपत्ति पर निर्वाचन अधिकारी ने नवंबर 2023 को याचिकाकर्ता किशोर समरीते का नामांकन निरस्त कर दिया। याचिका पर समरीते ने विधायक राजकुमार पर चुनाव में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए, उनका निर्वाचन रद्द की जाने की मांग की गई थी।

कलेक्टर-एसपी की पोस्टिंग में तबादला नीति भूली सरकार

- कम लिंगानुपात वाले जिलों में महिला अफसर नहीं

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव प्रदेश में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दे रहे हैं। यही वजह है कि प्रदेश में पहली बार 17 जिलों में महिला अफसरों को कलेक्टर बनाया गया है, लेकिन कलेक्टरों की पोस्टिंग में सामान्य प्रशासन विभाग अपनी ही नीति का पालन करना भूल गया है। यही वजह है कि कम लिंगानुपात वाले 9 जिलों में से सिर्फ एक जिले ग्वालियर में ही महिला अधिकारी कलेक्टर है। जबकि मुरैना, भिंड, शिवपुरी, दतिया, छतरपुर, सागर, विदिशा और रायसेन में कलेक्टर, एसपी जैसे बड़े प्रशासनिक पदों पर एक भी महिला अफसर नहीं है।

सामान्य प्रशासन विभाग की तबादला नीति में स्पष्ट प्रावधान है कि 'कम लिंगानुपात वाले जिलों में उच्च प्रशासनिक पदों पर यथासंभव महिला अधिकारियों की

पदस्थापना की जाए।' नीति में स्पष्ट प्रावधान होने के बाद भी कम लिंगानुपात वाले 9 जिलों में एक भी महिला पुलिस अधीक्षक या रेंज पुलिस महानिरीक्षक नहीं है। यह बात अलग है कि 55 में से 17 जिलों में महिला कलेक्टर हैं।

इन जिलों में है महिला कलेक्टर

प्रदेश में 17 जिलों में महिला कलेक्टर हैं। जिनमें श्रीमती रुचिका चौहान ग्वालियर, श्रीमती ऊषा परमार पन्ना, श्रीमती प्रतिभा पाल रीवा, श्रीमती रजनी सिंह नरसिंहपुर, सुश्री सोनिया मीणा नर्मदापुरम, श्रीमती शीतला पटले सिवनी, श्रीमती नेहा मीणा झाबुआ, सुश्री रिजु बाफना शाजापुर, सुश्री भव्या मित्तल खरगोन, श्रीमती रानी बातड़ मैहर, श्रीमती नीतु माथुर आलीराजपुर, श्रीमती अंजु पवन भदौरिया डिंडौरी, श्रीमती जमुना भिंड निवाड़ी, श्रीमती अदिति गर्ग मंदसौर, श्रीमती जयति सिंह बड़वानी, श्रीमती प्रीति यादव आगर-मालवा और सुश्री मिशा सिंह रतलाम कलेक्टर हैं। जीएडी की नीति के अनुसार इनमें सिर्फ ग्वालियर ही कम लिंगानुपात वाला जिला है।

इन वजह होती महिलाओं की पोस्टिंग

कम लिंगानुपात वाले 9 जिले ग्वालियर, भिंड, मुरैना, शिवपुरी, दतिया, छतरपुर, सागर, विदिशा और रायसेन राजनीतिक दृष्टि से प्रभावशाली जिलों में गिने जाते हैं। ग्वालियर-चंबल संभाग के 5 जिले ग्वालियर, भिंड, मुरैना, शिवपुरी और दतिया कम लिंगानुपात वाले जिले हैं। मंत्रालय सूत्र बताते हैं कि कम लिंगानुपात वाले जिलों में महिला कलेक्टर या एसपी की पदस्थापना राजनीतिक एवं अन्य कारणों से नहीं होती है।

गोपाल का छलका दर्द बोले, दिग्विजय ने दिया था 20 साल पहले ऑफर

भोपाल /सागर। मंत्रिमंडल में जगह न मिलने और उपेक्षा का शिकार होने पर भाजपा के वरिष्ठ नेता, पूर्व मंत्री और मध्य प्रदेश के सागर जिले की रहली सीट से लगातार 9 बार के विधायक गोपाल भार्गव का दर्द एक बार फिर सार्वजनिक मंच से छलका है। सेमवार को रहली विधानसभा में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव ने अपने राजनीतिक सफर, पार्टी के प्रति निष्ठा और वर्तमान परिस्थितियों को लेकर खुलकर बात की।

भार्गव ने कहा कि, राजनीति में उपेक्षा किसी भी व्यक्ति को भीतर से तोड़ देती है। अगर किसी व्यक्ति की बात सरकार नहीं सुनती तो उसका मन टूट जाता है।' इसी भावनात्मक संदर्भ में उन्होंने अपने लंबे राजनीतिक संघर्ष का जिक्र करते हुए कहा कि, उन्होंने 20 साल तक लगातार कठिन परिस्थितियों को सहा है, जबकि आज के दौर में लोग 20 महीने भी नहीं टिक पाते।

कांग्रेस से मिला था ऑफर

गोपाल भार्गव ने मंच से खुलासा किया कि, पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने उन्हें एक बार कांग्रेस में शामिल होने का प्रस्ताव भी दिया था। कई मंत्री, मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह कहते थे कि अरे गोपाल जी क्या वहां बीजेपी में रखा है. कुछ नहीं आप हमारे साथ आ जाओ, आपको बढ़िया विभाग का मंत्री बना देंगे. मैंने उनसे हमेशा कहा कि राजा साहब एकबात कहता हूं कि ये माल जो है, ये टिकाऊ है, बिकाऊ नहीं है. खूब लालच दिए गए. मैं 20 साल विपक्ष में रहा, लोग 20 महीने में पलटी मार देंगे लेकिन हमनें कोशिश की कि अपनी सरकार आएगी, तो क्षेत्र का विकास करा लेंगे. मैं जनता का भी आभारी हूं कि उन्होंने मुझे परेशान नहीं किया।

निजामी में एक सभा में कहा-तीन तरह के होते हैं मुसलमान

भोपाल। फायर ब्रांड नेता असदुदीन ओवेसी की पार्टी एआईएमआईएम के नेता तौकीर निजामी ने एक सार्वजनिक सभा में देश के मुसलमानों को लेकर विवादित बयान दिया। निजामी का यह बयान अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। तौकीर निजामी के बयान को लेकर सोशल मीडिया पर भी लोग अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं और वीडियो वायरल होने के बाद चर्चा लगातार जारी है। तौकीर निजामी ने अपने बयान में कहा कि मुसलमान तीन तरह के होते हैं। उन्होंने कहा कि एक तरह के मुसलमान वो हैं जो जूते चाटने का काम करते हैं, ये कांग्रेस में मिलेंगे। दूसरा वो जो जूते खाने का काम करते हैं, ये भाजपा में मिलेंगे। और तीसरा वो मुसलमान जो जूते मारने का काम करते हैं, ये एआईएमआईएम पार्टी में मिलेंगे। इसके बाद उन्होंने सभा में मौजूद लोगों से पूछा कि तुम कौन से मुसलमान हो ?इस बयान के बाद कई विपक्षी नेताओं ने निजामी के इस बयान की निंदा की है और इसे साम्प्रदायिक रूप से विभाजनकारी बताया है।

नेता प्रतिपक्ष ने बजट सत्र को लेकर 16 को बुलाई कांग्रेस विधायक दल की बैठक

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने 16 फरवरी 2026 को शाम 7.30 बजे अपने निवास बी-12 (ए), 74 बंगला, भोपाल में कांग्रेस विधायक दल की बैठक बुलाई है। इस बैठक में विधानसभा के बजट सत्र की रणनीति और रूपरेखा पर विधायकों से चर्चा की जाएगी।

नेता प्रतिपक्ष ने बताया कि विधायकदल की बैठक में सदस्यों से बातचीत कर प्रदेश के जनहित से जुड़े मुद्दों को बजट सत्र में मजबूती से उठाने की रूपरेखा तैयार की जाएगी। साथ ही प्रदेश की भाजपा सरकार की विफल नीतियों और घपलों-घोटालों सहित प्रमुख मुद्दों को जनता के सामने लाने और विधानसभा में उसे हथियार बनाकर सरकार को घेरने पर भी चर्चा होगी।

सिंघार ने कहा कि सरकार द्वारा लिए जा रहे बेतहाशा कर्ज, इंदौर में दूषित पानी से हुई मौतों, किसानों के समर्थन मूल्य और ओलावृष्टि का मुद्दा हो, युवाओं के रोजगार, आदिवासी, दलितों पर बढ़ता अत्याचार सहित प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था जैसे जनहित के तमाम मुद्दों पर भाजपा सरकार से पूरी मजबूती से विधानसभा में जवाब मांगा जाएगा। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि उन्होंने इसके अलावा सोशल मीडिया प्लेटफार्म के जरिये प्रदेश की आम जनता से भी मुद्दों से संबंधित सुझाव मांगे हैं, ताकि प्रदेशवासियों की समस्याओं को विधानसभा में उठाकर सरकार से जवाब मांगा जा सके।

23-24 को सामूहिक अवकाश पर रहेंगे हजारों आउटसोर्स कर्मचारी

आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर खोला मोर्चा

भोपाल। मप्र के सरकारी अस्पतालों की व्यवस्था संभालने वाले आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। मप्र संविदा आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के आह्वान पर प्रदेशव्यापी चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया जा रहा है। यदि समय रहते मांगों का निराकरण नहीं हुआ, तो आगामी 23 और 24 फरवरी को प्रदेशभर के हजारों आउटसोर्स कर्मचारी सामूहिक अवकाश पर रहेंगे, जिससे अस्पतालों की सेवाएं चरमरा सकती हैं।

जिला अध्यक्ष चित्रवीर पटेल के नेतृत्व में कर्मचारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष शर्मा से मुलाकात की। उन्होंने लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव के नाम ज्ञापन सौंपते हुए आंदोलन की रूपरेखा स्पष्ट की। तृतीय चरण (16-18 फरवरी) में प्रदेश के सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर कार्यरत आउटसोर्स कर्मी काली पट्टी बांधकर विरोध जताएंगे। अंतिम चरण (23-24 फरवरी) में कर्मचारी काम बंद कर सामूहिक अवकाश पर रहेंगे और भोपाल की सडक़ों पर उतरकर हल्ला बोल प्रदर्शन करेंगे।

नौ सूत्रीय मांगों पर अड़े कर्मचारी, वेतन बढ़ाने की मांग

आउटसोर्स कर्मचारियों ने सरकार के सामने नौ सूत्रीय मांगें रखी हैं, जिनमें मुख्य रूप से विभाग में समायोजन की मांग शामिल है। एनएचएम के अंतर्गत सेवाएं दे चुके कर्मियों को रिक्त पदों पर समायोजित कर नियमित किया जाए या संविदा में मर्ज किया जाए। आउटसोर्स कर्मियों का न्यूनतम वेतन 21,000 रुपये निर्धारित हो और अप्रैल 2024 से रुकी हुई 11 माह के एरियर राशि का तत्काल भुगतान किया जाए। रेगुलर कर्मचारियों की तरह छुट्टियां, स्वास्थ्य बीमा और ग्रेच्युटी का लाभ दिया जाए। नियमित भर्तियों में आउटसोर्स कर्मियों को 50 प्रतिशत आरक्षण मिले। निजी आउटसोर्स एजेंसियों को ब्लैकलिस्ट कर विभाग सीधे कर्मचारियों के खातों में भुगतान करे।

स्वास्थ्य सेवाएं ठप होने की आशंका

मप्र संविदा आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष चित्रवीर पटेल का कहना है कि हॉस्पिटल मैनेजमेंट के लिए बड़ी चुनौती राजधानी भोपाल सहित प्रदेश के जिला अस्पतालों, पीएचसी और सीएचसी में वार्ड बॉय, कंप्यूटर ऑपरेटर, सफाई कर्मी और अन्य तकनीकी पदों पर बड़ी संख्या में आउटसोर्स कर्मचारी तैनात हैं। इनके दो दिवसीय अवकाश पर जाने से ओपीडी रजिस्ट्रेशन, लैब टेस्टिंग और वार्डों की सफाई व्यवस्था पूरी तरह ठप होने की आशंका है। इनका कहना है कि हम लंबे समय से अपनी जायज मांगों को लेकर गुहार लगा रहे हैं, लेकिन केवल आश्वासन मिल रहा है। उत्तर प्रदेश और हरियाणा की तर्ज पर हमारे लिए भी ठोस नीति बनाई जाए, अन्यथा हमें सडक़ों पर उतरने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

दस माह में ट्रेनों में टिकट चेकिंग अभियान के दौरान 5.20 लाख मामलें पकड़े गए

जनवरी माह में 45,376 मामलें पकड़े, 2.7 करोड़ रूपये जुर्माना वसूला

भोपाल। मंडल के वाणिज्य विभाग ने वर्तमान वित्तीय वर्ष में अबतक दस माह अप्रैल एवं जनवरी, 2026 तक में टिकट जांच के दौरान बिना टिकट, अनुचित टिकट लेकर यात्रा करने वाले एवं बिना बुक गये सामान सहित कुल 5,19,949 मामलों से 33.19 करोड़ रुपये अर्जित किये। जिसमे बिना टिकट के 2,56,509 मामले, अनुचित टिकट के 2,61,026 मामलें एवं 2414 बिना बुक गये सामान के मामलें शामिल है।

जबकि केवल जनवरी माह में टिकट चेकिंग अभियान के दौरान बिना टिकट के 21,628 मामलें, अनुचित टिकट के 23,399 मामलें एवं 349 बिना बुक गये सामान के मामलें पकड़े गए जिससे भोपाल मंडल को केवल जनवरी माह में 45,376 मामलों से कुल 2.7 करोड़ रूपए का राजस्व प्राप्त हुआ। इससे भोपाल रेल मंडल के आय में बढ़ोत्तरी हुई। जो कि वाणिज्य विभाग के टिकट चेकिंग कर्मचारियों द्वारा किया गया सराहनीय कार्य है । वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक सौरभ कटारिया नें यात्रियों से अपील की है कि उचित टिकट लेकर ही यात्रा करें ताकि यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो।

मप्र में 1 मई से होगी डिजिटल जनगणना

भोपाल । मध्यप्रदेश में 1 मई से डिजिटल जनगणना होगी। पहले मकान फिर परिवार गिने जाएंगे। इस बार गिनती तीन चरणों में होगी। सबसे पहले मकानों की जानकारी, उसके बाद परिवारों का विवरण और अंत में व्यक्तिगत जानकारी दर्ज की जाएगी। यह प्रक्रिया फरवरी तक पूरी होगी। भोपाल जिले में जनगणना की जिम्मेदारी डिप्टी कलेक्टर भुवन गुप्ता को दी गई है। जनगणना के दौरान हर 1000 लोगों पर एक प्रगणक तैनात रहेगा, जो घर-घर जाकर जानकारी जुटाएगा। एक मई से प्रगणक पहले मकान की जानकारी दर्ज करेगा।

प्रगणक मोबाइल एप के जरिए जानकारी दर्ज करेंगे

इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी। प्रगणक मोबाइल एप के जरिए जानकारी दर्ज करेंगे। डेटा रियल-टाइम में पोर्टल पर अपलोड होगा

बीना विधायक निर्मला सप्रे की सदस्यता मामले में विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष हुई सुनवाई

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने ठोस सबूतों के साथ रखा अपना पक्ष, जल्द निर्णय की उम्मीद

भोपाल। बीना विधायक निर्मला सप्रे की सदस्यता से जुड़े दलबदल मामले में मंगलवार को मध्यप्रदेश विधानसभा में विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र तोमर के समक्ष सुनवाई हुई। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने अपना पक्ष मजबूती से रखते हुए निर्मला सप्रे के खिलाफ उपलब्ध ठोस सबूत विधानसभा अध्यक्ष के सामने प्रस्तुत किए।

नेता प्रतिपक्ष ने बताया कि इस प्रकरण को लेकर उच्च न्यायालय द्वारा विधानसभा से यह पूछा गया था कि इस मामले में क्या कार्यवाही की जा रही है। विधानसभा द्वारा न्यायालय को यह जानकारी दी गई थी कि मामले में कार्यवाही जारी है। उन्होंने कहा कि कई मामले में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के स्पष्ट निर्देश हैं कि दलबदल से जुड़े मामलों में 90 दिनों के भीतर निर्णय लिया जाना चाहिए। नेता प्रतिपक्ष ने बताया कि आज उन्हें अपना पक्ष रखने के लिए बुलाया गया था।

सिंघार ने कहा कि उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष ऐसे पुख्ता प्रमाण रखे हैं, जिनसे यह स्पष्ट होता है कि विधायक निर्मला सप्रे ने भाजपा के मंच से सदस्यता ग्रहण की है। इसके अलावा उनके सार्वजनिक बयान और अन्य सबूत भी प्रस्तुत किए गए हैं, जो दलबदल की पुष्टि करते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि विधानसभा अध्यक्ष संवैधानिक दायित्व का निर्वहन करते हुए अगले कुछ दिनों में इस मामले पर निष्पक्ष और समयबद्ध निर्णय लेंगे। सिंघार ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा इस मामले को टालने का प्रयास कर रही है, क्योंकि वह उपचुनाव से डरती है।

कांग्रेस का अब लीडर एडजस्टमेंट प्लान!

3 हजार से ज्यादा नेताओं को मिलेगी ब्लॉक और ग्राम प्रभारी के तौर पर जिम्मेदारी

भोपाल। मप्र में कांग्रेस की तीन दिन चली बैठकों के बाद संगठन को लेकर एक नया फॉर्मूला सामने आया है। चुनाव से पहले कांग्रेस ने अब नेताओं के पुनर्वास की तैयारी भी शुरू कर दी है। संगठन को और मजबूत करने के लिए करीब 3000 से अधिक नेताओं के एडजस्टमेंट का प्लान बनाया है। ये नेता अलग-अलग भूमिकाओं में पार्टी के लिए काम करेंगे। मप्र में लगातार तीन दिन तक कांग्रेस की बैठकों का दौर चला। प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और संगठन के कई वरिष्ठ नेताओं के साथ मंथन हुआ। इन बैठकों में यह फैसला लिया गया कि संगठन को मजबूत करने के लिए ज्यादा से ज्यादा नेताओं को जिम्मेदारी दी जाएगी। खास तौर पर वे नेता, जिन्हें कार्यकारिणी में जगह नहीं मिल पाने की वजह से पार्टी में हाशिये पर माना जा रहा था, अब उन्हें ब्लॉक, मंडल और सेक्टर प्रभारी बनाया जाएगा।

कांग्रेस का मानना है कि इससे संगठन की निगरानी व्यवस्था मजबूत होगी और जमीनी स्तर पर सक्रियता बढ़ेगी। नेताओं की नियुक्ति के साथ-साथ जिला कार्यकारिणी को लेकर भी अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से दिशा-निर्देश मिले हैं। इसके तहत छोटे जिलों में 31 सदस्यीय और बड़े जिलों में 51 सदस्यीय कार्यकारिणी बनाई जाएगी, यानी अब सीमित और चुनी हुई टीम पर फोकस रहेगा। सूत्रों के मुताबिक, प्रदेश कांग्रेस के करीब 3000 नेताओं का एडजस्टमेंट किया जाएगा। इसके लिए क्राइटेरिया भी तय किया गया है। सीनियरिटी, जिला और ग्रामीण क्षेत्र के संतुलन के आधार पर नियुक्तियां होंगी। खास तौर पर वही नेता शामिल किए जाएंगे, जो कार्यकर्ताओं के बीच और संगठन में सक्रिय रहे हैं।

बदलाव पर आमने-सामने बीजेपी और कांग्रेस

प्रदेश संगठन महामंत्री संजय कामले का कहना है कि चुनाव से पहले कांग्रेस एक बड़ी रणनीति पर काम कर रही है और संगठन स्तर पर जिम्मेदारियां तय की जा रही हैं। वहीं बीजेपी का कहना है कि कांग्रेस चाहें जितने बदलाव कर ले, कुछ होने वाला नहीं है। बीजेपी का दावा है कि कांग्रेस के भीतर गुटबाजी एक पुरानी बीमारी है और नाराज नेताओं को संभालने के लिए ये कवायद की जा रही है। नेताओं का एडजस्टमेंट कांग्रेस के लिए हमेशा से एक बड़ी चुनौती रहा है। अनुशासनहीनता और गुटबाजी पार्टी की पुरानी समस्या मानी जाती रही है। अब देखना होगा कि संगठन में किया जा रहा ये बदलाव कांग्रेस को कितनी मजबूती देता है। हालांकि, प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी जिस तरह लगातार मप्र में मेहनत कर रहे हैं, उससे संगठन को लेकर एक नई उम्मीद जरूर

सख्त सुरक्षा बीच की 12वीं एमपी बोर्ड की परीक्षा प्रारंभ

भोपाल। कडी सुरक्षा व्यवस्था की बीच मध्य प्रदेश में 12वीं बोर्ड परीक्षा की प्रारंभ हो गई। सुबह से ही परीक्षा केंद्रों पर छात्रों की भीड़ नजर आई। परीक्षाएं सुबह 9 से 12 बजे तक आयोजित की जा रही हैं। प्रदेश के 3856 परीक्षा केंद्रों पर करीब 7 लाख छात्र पहला पेपर दे रहे हैं। इस साल एमपी बोर्ड की परीक्षाओं में 10वीं और 12वीं के कुल 16 लाख से अधिक छात्र शामिल हो रहे हैं। इनमें लगभग 9 लाख छात्र 10वीं और 7 लाख छात्र 12वीं के हैं। राजधानी भोपाल में 12वीं के 26 हजार से अधिक और 10वीं के 30 हजार से ज्यादा छात्र परीक्षा दे रहे हैं। इसके लिए शहर में 104 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इतने बड़े स्तर पर परीक्षा कराने के लिए शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन को पूरी तरह अलर्ट मोड पर रखा गया है। बोर्ड परीक्षाओं में नकल रोकने के लिए इस बार सख्त व्यवस्था की गई है। हर जिले में चार-चार फ्लाइंग स्क्वॉड तैनात हैं। कई परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है। संवेदनशील केंद्रों की मॉनिटरिंग सीधे भोपाल स्थित बोर्ड कार्यालय से हो रही है। प्रश्न-पत्रों को थानों से परीक्षा केंद्र तक ले जाने की पूरी प्रक्रिया में वीडियोग्राफी और सुरक्षा गार्ड लगाए गए हैं, ताकि किसी भी तरह की गड़बड़ी न हो सके। परीक्षा केंद्रों के आसपास अनावश्यक भीड़ पर भी रोक लगाई गई है। शिक्षा विभाग ने साफ निर्देश दिए हैं कि सुबह 8:30 बजे के बाद किसी भी छात्र को परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं

बीसीसीआई ने नये केन्द्रीय अनुबंध की घोषणा की, विराट ओर रोहित का हुआ डिमोशन

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के नये केन्द्रीय अनुबंध में कई बदलाव हुए हैं। बीसीसीआई ने साल 2025-26 सत्र के लिए नया केन्द्रीय अनुबंध जारी कर दिया है। इसमें अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली का डिमोशन हुआ है। वहीं ईशान किशन और मोहम्मद शमी सहित पांच खिलाड़ियों को बाहर कर दिया गया है। बोर्ड ने इस बार ए प्लस कैटेगरी को भी हटा दिया है। अब ए कैटेगरी में ही टेस्ट और एकदिवसीय टीम के कप्तान शुभमन गिल के साथ जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा को रखा गया है। वहीं नए केन्द्रीय अनुबंध में कुल 5 खिलाड़ियों मोहम्मद शमी, रजत पाटीदार, सरफराज खान, मुकेश कुमार और ईशान किशन को बाहर कर दिया गया है जबकि एक ही नये खिलाड़ी साई सुदर्शन को इसमें जगह मिली है।

इस बार 34 की जगह 30 खिलाड़ियों को ही अनुबंध दिया गया है। शमी को बाहर किए जाने से तय है कि अब उनका करियर समाप्त हो रहा है और वह टीम योजनाओं में शामिल नहीं हैं। वहीं ईशान, मुकेश और सरफराज को एक भी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेलने के कारण बाहर कर दिया गया। ईशान को टी20 प्रारुप में जगह मिली है पर उनकी वापसी नये सत्र में हुई है। यह वापसी नए साइकिल में हुई है। वहीं सीनियर पुरुष अनुबंध सूची में नये खिलाड़ी के तौर पर केवल सुदर्शन को जगह मिली है। बोर्ड ने अभी तक रिटेनरशिप की राशि की जानकारी नहीं दी है। ए प्लस ग्रुप इस बार समाप्त कर दिया गया है इसमें 7 करोड़ मिलते थे जबकि ए में 5 करोड़, बी में 3 करोड़ और सी में एक करोड़ मिलते थे। अब देखना है कि इस बार इसमें कितनी रकम मिलती है।

बीसीसीआई केन्द्रीय अनुबंध

ग्रेड ए-शुभमन गिल,जसप्रीत बुमरा,रवींद्र जड़ेजा।

ग्रेड बी - विराट कोहली, रोहित शर्मा, केएल राहुल, वाशिंगटन सुंदर, मोहम्मद सिराज, हार्दिक पंड्या, ऋषभ पंत, कुलदीप यादव, यशस्वी जयसवाल, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर।

ग्रेड सी - अक्षर पटेल, रुतुराज गायकवाड़, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, शिवम दुबे, संजू सैमसन, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, ध्रुव जुरेल, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, नितीश कुमार रेड्डी, अभिषेक शर्मा, साई सुदर्शन, रवि बिश्नोई।

पोंटिंग ने बाबर आजम के फार्म पर सवाल उठाये

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम के फार्म पर सवाल उठाये हैं। पोंटिंग ने कहा है कि बाबर ने जिस प्रकार से एसोसिएट टीम नीदरलैंड्स के खिलाफ धीमी बल्लेबाजी की है। उससे साफ है कि वह सहज नहीं हैं। इसके बाद भी वह नीदरलैंड्स के खिलाफ 18 गेंदों में केवल15 रन ही बना पाये। इस पारी के दौरान वह न एक भी चौका , छक्का नहीं लगा पाये। पोंटिंग के अनुसार आजम के शॉट में पहले जैसी ताकत नजर आई और न ही टाइमिंग नजर नहीं आई। पोंटिंग ने कहा, अगर आप 18 गेंदों में 15 रन बना रहे हैं तो इससे साफ है कि आप दबाव में है और स्ट्राइक भी रोटेट नहीं कर पा रहे। इससे दूसरे बल्लेबाजों पर भी दबाव आता है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि बाबर को फिर से नंबर-3 पर बल्लेबाजी करानी चाहिए जिससे वह पावरप्ले के दौरान मैदान की पाबंदियों का लाभ उठाकर रन बना सकें। पोंटिंग ही नहीं भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने भी कहा कि बाबर अपने पहले ही मैच में रनों के लिए जूझते दिखे। वहीं शास्त्री ने कहा कि बाबर पर उम्मीदों का बोझ है जिससे वह खुलकर नहीं खेल पा रहे। शास्त्री ने कहा, करियर के इस पड़ाव पर उम्मीदों का बोझ काफी अधिक होता है। लोग चाहते हैं कि वह पाक के शीर्ष बल्लेबाज होने के कारण हर मैच में रन बनाये। उन्हें पहले पांच गेंदों में दो बाउंड्री लगाने की कोशिश करनी चाहिए, भले ही वह आउट हो जाएं।टी20 क्रिकेट में बीच के ओवर बेकार करने से निचले स्तर पर आने वाले बल्लेबाजों पर दबाव पड़ता है। पोंटिंग ने यहां तक कहा कि टीम को यह भी सोचना होगा कि बाबर को वर्तमान क्रम पर रखा जाए या नहीं। उन्होंने कहा, अगर पाकिस्तान को टूर्नामेंट में आगे जाना है तो उन्हें बाबर का सर्वश्रेष्ठ संस्करण चाहिए। पाक को अब 11 फरवरी को कोलंबो में अमेरिका से खेलना है और इस मैच में बाबर बेहतर प्रदर्शन कर अपने को साबित करना चाहेंगे।

श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को धन्यवाद दिया

नई दिल्ली। श्रीलंकाई राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने भारत के खिलाफ टी20 विश्वकप मैच खेलने के लिए तैयार होने पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को धन्यवाद दिया है। पाक सरकार ने 15 फरवरी को कोलंबो में होने वो इस मैच का पहले बहिष्कार करने का फैसला किया था पर श्रीलंकाई राष्ट्रपति के अनुरोध और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के दबाव में उसने ये फैसला बदल दिया है। दिसानायके ने पाक प्रधानमंत्री को एक पत्र भेजकर याद दिलाया था कि श्रीलंका ने कठिन हालातों में भी उसका साथ दिया था। जब कोई टीम दौरा नहीं कर रही थी तब वह पाक के दौरे पर पहुंची थी। इसी के बाद पाक सरकार ने पहले अपने फैसले से पलटते हुए अब अपनी पुरुष क्रिकेट टीम को भारत के खिलाफ तय मैच खेलने की अनुमति दे दी है। यह मैच 15 फरवरी 2026 को खेला जाएगा। दिसानायके ने सोशल मीडिया में लिखा कि वह खुश हैं कि क्रिकेट का यह बहुप्रतीक्षित मुकाबला अपने तय कार्यक्रम के अनुसार खेला जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला यह अहम मैच कोलंबो में ही होगा। उन्होंने ये भी लिखा कि जिस खेल से हम सभी प्यार करते हैं, वह चलता रहे।

उन्होंने साथ ही कहा, टूर्नामेंट के सह आयोजक के तौर पर, श्रीलंका आईसीसी और सभी संबंधित लोगों को उनके प्रयासों के लिए धन्यवाद देता है। इससे पहले पाकिस्तान सरकार ने बांग्लादेश को विश्वकप से बाहर किये जाने के विरोध में भारत के खिलाफ मैच न खेलने का संकेत दिया था। बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों से भारत से अपने मैच श्रीलंका कराने की मांग की थी, जिसे आईसीसी ने खारिज कर दिया था। पाकिस्तान की बहिष्कार की धमकी पर आईसीसी ने कड़ा रुख अपनाते हुए उसकी सभी शर्तें खारिज कर दी थीं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने भी पाक से र श्रीलंका सरकार ने पाकिस्तान से अपना फैसला बदलने की अपील की थी।

इन अपीलों के बाद प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ ने पाकिस्तान की टीम को मैच खेलने की हरी झंडी दे दी। पाकिस्तान सरकार ने साफ किया कि बांग्लादेश और श्रीलंका के अनुरोध को देखते हुए यह अनुमति दी गई है। उसके एक बयान में कहा गया, कई देशों की बातचीत में मिले परिणामों और मित्र देशों के अनुरोध को देखते हुए, पाकिस्तान सरकार राष्ट्रीय टीम को मैदान में उतरने का निर्देश देती है।

डी कॉक ने धोनी के एक विश्व रिकार्ड की बराबरी की

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक कनाडा के खिलाफ हुए टी20 विश्वकप क्रिकेट मैच में बल्लेबाजी में तो असफल रहे पर उन्होंने इस मैच में भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के एक विश्व रिकार्ड की जरुर बराबरी कर ली। डी कॉक ने कनाडा के खिलाफ हुए मुकाबले में दो कैच पकड़े। इसी के साथ उन्होंने धोनी के टी20 विश्वकप में विकेटकीपर के तौर पर सबसे अधिक 32 खिलाड़ियों को आउट करने के रिकार्ड की बराबरी कर ली। अब डी कॉक के पास अगले मैच में धोनी का रिकार्ड तोड़ने का अच्छा अवसर है।

टी20 विश्वकप में विकेटकीपर के तौर पर सबसे ज्यादा आउट करने वाले खिलाड़ियों में तीसरे नंबर पर पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज कामरान अकमल हैं। कामरान ने विकेट के पीछे 30 शिकार किये हैं। वहीं वेस्टइंडीज के दिनेश रामदीन चौथे 27 और श्रीलंके के पूर्व कप्तान कुमार संगाकारा 26 शिकार के साथ ही पांचवें पायदान पर हैं।

मैच की बात करें तो दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान एडन मार्करम के 59 रनों की पारी से निर्धारित 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 213 रन बनाए। वहीं कनाडा की ओर से अंश पटेल ने 31 रन देकर 3 विकेट लिए। इसके बाद जीत के लिए मिले 214 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए कनाडा की टीम 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 156 रन पर ही आउट हो गयी। केवल नवनीत धालीवाल ही 64 बना पाये। वहीं बाकि बल्लेबाज असफल रहे।

सूर्यकुमार ने कप्तान के तौर पर अपने को साबित किया - गंभीर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कप्तान सूर्यकुमार यादव की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह मेरा काम आसान कर देते हैं। गंभीर ने कहा कि टी20 प्रारुप में कप्तान बनाये जाने के बाद से ही सूर्या ने अपनी जिम्मेदारी काफी अच्छे से निभाई है। वह हर प्रकार से सफल रहे है। दबाव के बीच भी उनकी नेतृत्व क्षमता को सभी ने देखा है। एक वीडियो में गंभीर ने कहा कि टीम में सूर्यकुमार जैसे आक्रामक बल्लेबाज से भारतीय टीम को काफी लाभ होता है। टीम के लिए ये खुशी की बात है कि उसे ऐसा कप्तान और बल्लेबाज मिला है जो संयमित रहते हुए सभी का सही उपयोग करता है। इससे कोच के तौर पर मेरा काम भी आसान हो गया है। गंभीर ने कहा, 'सूर्यकुमार ने इस प्रारूप में मेरा काम कर कर दिया है। वह लोगों के लिए एक बेहतरीन कप्तान हैं, यह केवल नहीं कि वह मैदान पर क्या करते हैं, या बल्लेबाज के रूप में कैसे हैं, या उनके शॉट्स इस प्रारूप में किस प्रकार के हैं।' कोच के तौर पर दिमाग में कई बातें चल रही होती हैं पर सूर्यकुमार माहौल को शांत बनाए रखते है, जो हर कोच चाहता है।'

सूर्यकुमार ने पहले ही मैच में अमेरिका के खिलाफ पारी को संभालकर टीम को जीत दिलायी। उन्होंने एक छोर से विकेटों के गिरने के बची भी 49 गेंदों में नाबाद 84 रन बनाकर टीम को मैच में बनाये रखा। गंभीर ने कहा, 'मेरे लिए खिलाड़ी सूर्यकुमार को अलग रखा जा सकता है पर कप्तान सूर्यकुमार के तौर पर वह हर परीक्षा खरे उतरे हैं। इससे मुझे भी काफी आराम मिल गया है क्यों मेरा काफी काम वहीं कर देते हैं। वह वास्तव में एक शानदार नेतृत्वकर्ता हैं।' यह सौभाग्य की बात है कि देश का नेतृत्व उनके जैसे खिलाड़ी के हाथ में है, क्योंकि उनका दिल सही जगह पर है और दबाव में वह सही फैसला लेते हैं।' गौरतलब है कि रोहित शर्मा के टी20 से संन्यास के बाद गंभीर ने ही सूर्या को कप्तानी देने की मांग की थी।

यूएफा महिला चैंपियंस लीग खेलने वाली पहली भारतीय महिला फुटबॉलर हैं मनीषा

लीमा। भारतीय महिला फुटबॉलर मनीषा कल्याण मनीषा यूएफा महिला चैंपियंस लीग में खेलने वाली पहली भारतीय फुटबॉलर हैं। इसके बाद से ही उन्हें विदेशी लीग से प्रस्ताव मिलने शुरु हुए। अब मनीषा पेरु के क्लब एलियांजा लीमा से खेलती हुई नजर आयेंगी। मिडफील्डर मनीषा ने हाल ही में इस क्लब से करार किया है। मनीषा के अनुसार इससे उन्हें काफी कुछ सीखने का अवसर मिलेगा। मनीष के अनुसार वह इस टीम की ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास करेंगी। उन्होंने कहा, "मैं इस क्लब में आकर बहुत खुश हूं। मुझे उनका खेलने का अंदाज काफी अच्छा लगता है।मैं अब इस नई चुनौती को लेकर बेहद उत्साहित हूं। वहीं क्लब एलियांजा ने कहा, "मनीषा के साथ करार से हमें खुशी हुई है। उनके आने से हैं टीम को मजबूत मिलेगी। उन्होंने यूरोपीय फुटबॉल के शीर्ष स्तर पर खेला है जिसका लाभ क्लब को मिलेगा। "साथ ही कहा , "कल्याण ने क्लब और राष्ट्रीय टीम दोनों स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया है। उनके पेशेवर करियर में भारत, साइप्रस और यूनान की लीग में खेलने का अनुभव शामिल है। "वहीं मनीषा ने कहा कि उसका प्रयास क्लब के लिए बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। उनका घ्यान अपना सौ फीसदी देने पर रहेगा।

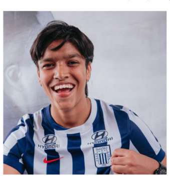

अर्शदीप के पास टी20 विश्व कप में शीर्ष दस गेंदबाजों में जगह बनाने का अवसर

नई दिल्ली। भारतीय टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप के पास इस बार विश्वकप में शीर्ष दस गेंदबाजों में आने का अवसर है। आज तक हुए विश्वकप मुकाबलों में भारतीय का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है पर इसके बाद भी शीर्ष 10 में एक भी भारतीय गेंदबाज नहीं है। टी20 विश्व कप में अब तक भारत के सबसे सफल गेंदबाज आर अश्विन रहे हैं। अश्विन ने 24 मैचों में 32 विकेट लिए हैं और वह 13वें स्थान पर हैं। वहीं विश्व कप के 15 मैचों में अर्शदीप के नाम 29 विकेट हैं और वह 19 वें स्थान पर है। अर्शदीप के पास इसबार ज्यादा से ज्यादा विकेट लेकर अश्विन को पीछे छोडने के साथ ही शीर्ष भारतीय गेंदबाज बनने का अवसर है। शीर्ष पांच गेंदबाजों में एशियाई गेंदबाज छाये हुए हैं पर इसमें एक भी भारत का नहीं है।

पहले स्थान पर बांग्लादेश के पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन हैं। शाकिब ने 43 मैचों में 50 विकेट लिए हैं। वहीं श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा ने 20 मैचों में 40 विकेट लिए हैं और वह दूसरे नंबर पर हैं। वहीं पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी के 34 मैचों में 39 विकेट हैं और वह तीसरे नंबर पर हैं। चौथे स्थान पर अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान हैं। राशिद ने अब तक खेले 24 मैचों में 38 विकेट लिए हैं। पांचवें नंबर पर श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा हैं। मलिंगा ने 31 मैचों में 38 विकेट लिए हैं। ऑस्ट्रेलियाई एडम जांपा भी 21 मैचों में 36 विकेट लेकर छठे स्थान पर हैं और उनके पास भी शीर्ष स्थान पर जाने का मौका है। पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर सईद अजमल सातवें स्थान पर हैं। अजमल के नाम 2009 से 2014 के बीच 23 मैचों में 36 विकेट हैं। न्यूजीलैंड के पूर्व गेंदबाज टिम साउदी आठवें स्थान पर हैं। साउदी ने 2010 से 2024 के बीच 25 मैचों में 36 विकेट लिए हैं। दक्षिण अफ्रीका के एनरिक नॉर्किया नौवें स्थान पर हैं। नॉर्किया ने 19 मैचों में 35 विकेट लिए हैं। श्रीलंका के अजंता मेंडिस दसवें स्थान पर हैं। 2009 से 2014 के बीच मेंडिस ने 21 मैचों में 35 विकेट लिए हैं।

यूएई ने अनुशासन तोड़ने वाले अपने खिलाड़ी को वापस भेजा

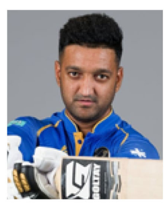

चेन्नई। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने अपने एक खिलाड़ी मुहम्मद जोहेब को अचानक ही वापसी घर भेज दिया है। जोहेब इस प्रकार एक भी मैच खेलने से पहले ही टूर्नामेंट से बाहर कर दिये गये। माना जा रहा है कि उन्हें अनुशासनात्मक कारणों से बाहर किया गया है। उनकी जगह पर युवा आर्यंश शर्मा को शामिल किया गया है। यूएई अपने पिछले अभ्यास मैच में इटली के खिलाफ केवल 81 रन ही बना पायी थी। ऐसे में देखना होगा कि नये बल्लेबाज आर्यंश कैसा खेलते हैं। टीम से बाहर किये गये जोहेब ने मई 2025 में यूएई के लिए डेब्यू किया था और तब से ही 16 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने 20.2 की औसत और 103.76 के स्ट्राइक रेट से 303 रन बनाए हैं। यूएई टीम में भारतीय और पाकिस्तानी मूल के कई क्रिकेटर भी शामिल हैं। टीम के कप्तान मोहम्मद वसीम ने यह भी कहा कि खिलाड़ी 2023 में दुबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली जीत को याद कर उतरेंगे। उन्होंने कहा कि हमारी टीम में किसी प्रकार के मतभेद नहीं है। यहां जो भी खिलाड़ी हैं। वह यूएई के लिए खेल रहे हैं।

आईसीसी ने इस बार टी20 विश्वकप के लिए अच्छी पिचें बनायीं - अश्विन

गेंद और बल्ले में टक्कर से रोमांच बढ़ा

चेन्नई। दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उसने टी20 विश्वकप के लिए अच्छी पिचें बनायी है। अश्विन के अनुसार इससे मुकाबले रोमांचक हो रहे है क्योंकि पिच से बल्लेबाजों के साथ ही गेंदबाजों को भी सहायता मिल रही है। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट की शुरुआत में हर कोई सोच रहा था कि विश्वकप में बड़े स्कोर बनेंगे पर अभी तक हुए मैचों में ये बात गलत साबित हुई है। ये खुशी की बात है कि आईसीसी ने ऐसी पिचें तैयार की हैं जहां बल्लेबाजों और गेंदबाजों के बीच कड़ी टक्कर हो रही है। इससे खेल का स्तर बढ़ा है।

अश्विन ने कहा कि टेस्ट खेलने वाले देश आईपीएल और द्विपक्षीय सीरीज की तरह ही ऐसी पिचों की उम्मीद करते हैं जिसपर आसनी से रन आयें। इस बार ऐसी टीमों को हैरानी हुई है। वानखेड़े स्टेडियम को ही लें भारतीय टीम को वहां सपाट पिच की उम्मीद थी पर जो पिच मिली वह काफी अलग रही। इससे टीम के लिए रन बनाना आसान नहीं रहा। अश्विन का मानना है कि पिच की इस प्रकृति ने टीमों को हैरान कर दिया है। उन्हें वह गति और उछाल नहीं मिल रहा है जिसकी उन्होंने भविष्यवाणी की थी। इसकी वजह से खेल और भी चुनौतीपूर्ण हो गया है।

आंखिर दबाव में झुका पाकिस्तान, भारत के खिलाफ टी20 विश्वकप मुकाबला खेलने को तैयार हुआ

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) आंखिरकार दबाव के आगे झुक ही गया है और वह भारतीय टीम के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले टी20 विश्वकप मैच खेलने के लिए तैयार हो गया है। भारत और पाकिस्तान के बीच ये मैच 15 फरवरी को कोलंबो स्टेडियम में खेला जाएगा। लाहौर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी), पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) की बैठक के बाद इस पर आम सहमति बन गयी है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, आईसीसी शीघ्र ही इसकी औपचारिक घोषणा करेगा। वहीं इससे पहले पाक ने कहा था कि वह बांग्लादेश के समर्थन में भारत के खिलाफ मैच से हट रहा है। पीसीबी ने कहा था कि उसकी सरकार ने उसे मैच से हटने को कहा है। उसके इस बयान के बाद माना जा रहा था कि अब वह भारत के खिलाफ नहीं खेलेगा पर आईसीसी के कड़े रुख, बांग्लादेश बोर्ड की मध्यस्थता और लगातार बातचीत के कारण पीसीबी खेलने को तैयार हो गया। उसने आईसीसी के सामने तीन शर्तें रखीं थीं जिन्हें मानने से आईसीसी ने इंकार कर दिया था।

साथ ही उसे न खेलने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी जिसमें प्रतिबंध भी शामिल हैं। इसके बाद पीसीबी अपने पहले के बहिष्कार वाले रुख से पीछे हटते हुए मैच खेलने पर तैयार हो गया। भारतङ्कपाकिस्तान मुकाबले से सबसे अधिक राजस्व भी आता है। इसके रद्द होने की स्थिति में आईसीसी, ब्रॉडकास्टर्स और सदस्य बोर्डों को भारी आर्थिक नुकसान होता। अब मुकाबला तय कार्यक्रम के अनुसार होने से न सिर्फ टूर्नामेंट का आकर्षण लौटा है। वहीं मैच की मेजबानी करने वाले श्रीलंकाई बोर्ड को भी राहत मिली है। मैच न होने पर श्रीलंकाई बोर्ड को काफी नुकसान होता। इसी कारण उसने पीसीबी को पत्र लिखकर कहा था कि वह मैच के बहिष्कार की जिद छोड़ दे। साथ ही याद दिलाया था कि जब पीसीबी अलग थलग पड़ गया था तो श्रीलंका ने ही वहां का दौरा किया था।

कार्यालय सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक,
जिला चिकित्सालय बालाघाट (म.प्र.)

क्रमांक/स्टोर/2026/288 बालाघाट दिनांक 07/02/26

-: निविदा आमंत्रण सूचना :-

कार्यालय सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक बालाघाट, जिला चिकित्सालय के अंतर्गत स्थापित ऑक्सीजन पीएसए प्लांट हेतु आवश्यक कंस्यूमेबल सामग्री की जैम पोर्टल पर ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जा रही है। जिसका संपूर्ण विवरण (निविदा की शर्तें) निविदा की अंतिम तिथि 25 फरवरी 2026 तक जैम पोर्टल https://gem.gov.in पर देखा जा सकता है। उक्त निविदा तकनीकी प्रस्ताव को दिनांक 26 फरवरी 2026 गठित निविदा समिति के समक्ष कार्यालय सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक कक्ष में खोला जावेगा। निविदाकार स्वयं उपस्थित रहा सकते है। निविदाओं को निरस्त करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षर कर्ता का होगा।

जी-25691/25

सिविल सर्जन
सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक
बालाघाट (म.प्र.)

'स्वच्छता ही सेवा'

असामाजिक तत्वों की सरेआम गुंडागर्दी से रजेगांव में जबर्दस्त आक्रोश

गांधी चौक में ग्रामीणों ने किया धरना प्रदर्शन, दो आरोपी गिरफ्तार, गांव में निकाला गया जुलूस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रजेगांव में 8 एवं 9 फरवरी की दरमियानी रात असामाजिक तत्वों द्वारा की गई गुंडागर्दी की घटनाओं से गांव में भारी आक्रोश फैल गया। रजेगांव चौक पर आरोपियों ने खुलेआम अश्लील गालियां देते हुए डंडे व लोहे के पाइप से बेरहमी से मारपीट की थी।जिससे गांव का माहौल तनावपूर्ण हो गया।

उल्लेखनीय है कि 8 फरवरी की रात लगभग 8-30 बजे दूध व्यवसायी लोकेश सेलोकर मोटरसाइकिल से अपने खेत से घर लौट रहे थे। इसी दौरान सेम हुसैन एवं जुनेद पठान थार वाहन से मौके पर पहुंचे और लोकेश से शराब पीने के लिए रुपये की मांग की। लोकेश द्वारा रुपये देने से इंकार करने पर आरोपियों ने अपनी थार वाहन से उसकी मोटरसाइकिल को टक्कर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिये थे। इसके बाद इन दोनों आरोपियों ने लोकेश को अश्लील गालियां देते हुए उसे लोहे के पाइप से लोकेश के साथ मारपीट कर दी थी। बीच-बचाव करने आए संदीप तीतरमारे के साथ भी मारपीट कर उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई थी।

घटना की रिपोर्ट किरनापुर थाना में दर्ज कराई गई। रिपोर्ट दर्ज होने की भनक लगते ही उसी रात सेम हुसैन व जुनेद पठान के साथी बोलेरो वाहन से रजेगांव के गांधी चौक पहुंचे और रिपोर्ट करने को लेकर ग्रामीणों को धमकाते हुए अश्लील गालियां देने लगे। इसका विरोध करने पर जमील मिर्जा, अंकित दायरे एवं राजकुमार के साथ स्टील के पाइप से मारपीट कर उन्हें घायल कर दिया गया। इस दूसरी घटना की भी रिपोर्ट किरनापुर थाना में दर्ज की गई।

इस दोहरी वारदात को गंभीरता से लेते हुए किरनापुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 9 फरवरी को मुख्य आरोपी सेम हुसैन एवं जुनेद पठान को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भेज दिया।

इधर 10 फरवरी को घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने रजेगांव के गांधी चौक पर धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने क्षेत्र में सक्रिय असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए प्रशासन के प्रति नाराज़गी जाहिर की। स्थिति को देखते हुए गांव में तनाव का माहौल बन गया, जिसके चलते पुलिस प्रशासन ने एहतियातन मौके पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया।

धरने पर बैठे ग्रामीणों ने गिरफ्तार आरोपियों का जुलूस निकालने की मांग भी की। पुलिस अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों को समझाइश दी गई। जिसके बाद स्थिति नियंत्रित में हुई। ग्रामीणों की मांग को ध्यान में रखते हुए पुलिस द्वारा दोनों आरोपियों का गांव में जुलूस निकालकर कड़ा संदेश दिया गया।

फिलहाल पुलिस द्वारा मामले में कानूनी कार्रवाई जारी है और क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की गई है। वहीं ग्रामीणों ने भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने हेतु प्रशासन से कठोर कदम उठाने की मांग की है।

प्राथमिक शाला के शिक्षक पर गांव का माहौल बिगाड़ने का आरोप

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी क्षेत्र के कुछ ग्रामीण कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में पहुंचे, जहां उन्होंने अपने ही ग्राम की प्राथमिक शाला में पदस्थ एक शिक्षक के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराई। ग्रामीणों का आरोप है कि संबंधित शिक्षक विद्यालय के कार्यों के बजाय गांव की राजनीति में सक्रिय रहते हुए आपसी माहौल को खराब कर रहे हैं। ग्रामीणों ने जनसुनवाई में दिए गए आवेदन में बताया कि शिक्षक द्वारा बीते एक वर्ष से गांव में विवाद की स्थिति उत्पन्न की जा रही है, जिससे सामाजिक सौहार्द प्रभावित हो रहा है। उनका कहना है कि इसका असर बच्चों की पढ़ाई और स्कूल के वातावरण पर भी पड़ रहा है। मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान वारासिवनी क्षेत्र से लगभग आधा दर्जन से अधिक ग्रामीण जिला मुख्यालय पहुंचे। ग्रामीणों ने जनसुनवाई में एक लिखित आवेदन प्रस्तुत कर अपने गांव की शासकीय माध्यमिक शाला में पदस्थ शिक्षक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आवेदन देने पहुंचे ग्रामीण संजय बिसेन ने बताया कि उनके ग्राम की शासकीय माध्यमिक शाला नगझर संकुल बुदबुदा में पदस्थ शिक्षक कृष्णकुमार चौधरी बीते कुछ दिनों से अपनी सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन वे विद्यालय में बच्चों को पढ़ाने के बजाय गांव में राजनीति कर गाँव के मौहोल को बिगाड़ने का काम कर रहा हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि शिक्षक न तो समय पर स्कूल आता हैं और न ही नियमित रूप से अपनी उपस्थिति दर्ज कराता हैं, जिससे उनकी अटेंडेंस भी बेहद कम पाई जा रही है। ग्रामीण ने आगे बताया कि शिक्षक द्वारा गांव की गौठान भूमि को लेकर शासकीय स्कूल में मिलाए जाने के विषय पर लगातार विवाद उत्पन्न किया जा रहा है। इस कारण गांव में आए दिन तनाव की स्थिति बनी रहती है और आपसी सौहार्द प्रभावित हो रहा है। उनका कहना है कि शिक्षक की इन गतिविधियों से गांव का वातावरण लगातार बिगड़ता जा रहा है। ग्रामीणों ने यह भी चिंता जताई कि एक ओर जहां स्कूलों में परीक्षाओं का दौर शुरू होने वाला है, वहीं शिक्षक द्वारा पढ़ाई पर ध्यान न देकर ग्रामीणों को शासकीय भूमि के मुद्दे पर उलझाया जा रहा है, जिसका सीधा असर बच्चों की शिक्षा पर पड़ रहा है। जनसुनवाई में ग्रामीणों ने कलेक्टर एवं जिला शिक्षा अधिकारी से मांग की है कि शिक्षक कृष्ण कुमार चौधरी का तत्काल प्रभाव से गांव की शासकीय माध्यमिक शाला से अन्यत्र स्थानांतरण किया जाए।

जिले में माइनिंग के खिलाफ बढ़ता ग्रामीणों में जबर्दस्त आक्रोश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी क्षेत्र के ग्राम बासी से आए लगभग आधा सैकड़ा से अधिक ग्रामीण मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में पहुंचे। ग्रामीणों ने प्रशासन को एक सामूहिक आवेदन सौंपते हुए अपने गांव की पहाड़ी को माइनिंग (कार्य के लिए लीज पर दिए जाने का कड़ा विरोध दर्ज कराया। ग्रामीणों ने जनसुनवाई में बताया कि गांव की पहाड़ी क्षेत्र में यदि खनन कार्य शुरू किया गया तो इसका सीधा और गंभीर प्रभाव ग्राम की भौगोलिक संरचना पर पड़ेगा।

इससे न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुंचेगा, बल्कि भू-स्खलन, जलस्त्रोतों के प्रभावित होने और खेती योग्य भूमि के नष्ट होने की आशंका भी बनी रहेगी। ग्रामीणों का कहना है कि पहाड़ी क्षेत्र गांव के लिए प्राकृतिक सुरक्षा कवच की तरह है और यहां माइनिंग होने से भविष्य में ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने आशंका जताई कि खनन से उत्पन्न कंपन और धूल से गांव में रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में संचालित और प्रस्तावित माइनिंग कार्यों को लेकर अब ग्रामीणों का विरोध खुलकर सामने आने लगा है। ग्रामीणों का कहना है कि जिस तरीके से लगातार माइनिंग गतिविधियां की जा रही हैं, उसका सीधा और गंभीर प्रभाव गांवों की प्राकृतिक संरचना, पर्यावरण और भविष्य में संभावित प्राकृतिक आपदाओं पर पड़ रहा है। इसी क्रम में वारासिवनी क्षेत्र के ग्राम बासी का मामला भी सामने आया है, जहां ग्रामीणों ने पहाड़ी क्षेत्र को माइनिंग के लिए लीज पर दिए जाने का विरोध किया है। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम बासी की पहाड़ी, जो पटवारी हल्का क्रमांक 15 के अंतर्गत राजस्व भूमि के खसरा नंबर 19 में स्थित है, वहां कुछ लोगों द्वारा माइनिंग कार्य के लिए लीज आवेदन किया गया है। इस जानकारी के सामने आते ही गांव में नाराजगी का माहौल बन गया है। गांव के ही शैलेंद्र ठाकरे और शिवलाल ने बताया कि उक्त पहाड़ी केवल एक भू-भाग नहीं, बल्कि गांव की आस्था और जीवनरेखा से जुड़ी हुई है। पहाड़ी पर प्राचीन शिव-पार्वती मंदिर, हनुमान मंदिर, राधा-कृष्ण मंदिर, गौठान, मोक्षधाम सहित जल के प्राकृतिक स्रोत एवं नदी मौजूद हैं। ऐसे में यदि यहां माइनिंग कार्य किया गया, तो धार्मिक स्थलों के साथ-साथ प्राकृतिक संसाधनों को भी भारी क्षति पहुंचेगी। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि वर्तमान में गांव में लगभग 100 से अधिक परिवार निवासरत हैं और माइनिंग कार्य शुरू होने की स्थिति में इसका सीधा प्रभाव ग्रामीणों के जीवन, स्वास्थ्य, खेती और जलस्त्रोतों पर पड़ेगा। इससे क्षेत्र की भौगोलिक संतुलन भी बिगड़ने की आशंका है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि ग्राम बासी की पहाड़ी को माइनिंग कार्य के लिए दिए जाने वाले सभी आवेदनों को तत्काल निरस्त किया जाए और भविष्य में भी इस पहाड़ी को यथावत सुरक्षित रखा जाए। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि इसके बावजूद माइनिंग प्रक्रिया शुरू की गई, तो सभी ग्रामीण एकजुट होकर बड़े स्तर पर आंदोलन और प्रदर्शन करेंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित विभागों की होगी।

जिले में 'ईट राइट' अभियान के तहत खाद्य व्यवसायियों को दिया जा रहा प्रशिक्षण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीणा के निर्देशानुसार एवं अभिहित अधिकारी डॉ. परेश उपलप के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन विभाग द्वारा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में ईट राइट इंडिया अभियान के अंतर्गत खाद्य व्यवसायियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना तथा मिलावट पर प्रभावी रोक लगाना है।

प्रशिक्षण कार्यक्रमों की श्रृंखला में दिनांक 5 फरवरी 2026 को बालाघाट में 23 खाद्य व्यवसायियों को प्रशिक्षित किया गया। इसी क्रम में 6 फरवरी को लांजी में 31, 7 फरवरी को किरनापुर में 18, 8 फरवरी को बैहर में 27, 9 फरवरी को कटंगी में 7 तथा 10 फरवरी को वारासिवनी में 30 खाद्य व्यवसायियों को फास्टैक (स्नशस्ञ्झड्डष्ट) प्रशिक्षण देकर प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। विभाग द्वारा 11 फरवरी को खैरलांजी में भी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा मिलावट पर अंकुश लगाने एवं शुद्ध व गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु सतत निरीक्षण एवं कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में 10 फरवरी को वारासिवनी स्थित कायनात होटल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान किचन में स्वच्छता संबंधी अनियमितताएँ पाए जाने पर धारा 32 के अंतर्गत नोटिस जारी किया गया है। भविष्य में नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा।

निरीक्षण के दौरान होटल से दही एवं दाल के नमूने लेकर जांच हेतु प्रयोगशाला भेजे गए। इसके साथ ही वारासिवनी में चलित खाद्य प्रयोगशाला (एमएफटीएल) द्वारा बस स्टैंड के आसपास स्थित खाद्य प्रतिष्ठानों से नमक, मिर्च-मसाले आदि के 25 नमूनों की स्पॉट टेस्टिंग की गई। इसी दौरान लालबर्रा रोड स्थित गुरु नानक हॉल के सामने लगभग 30 खाद्य व्यवसायियों के लिए जन जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें खाद्य सुरक्षा मानकों की जानकारी दी गई।

कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी वाजिद मोहीब, योगेश डोंगरे एवं श्रीमती गीता टांडेकर उपस्थित रहे। विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु इस प्रकार की कार्यवाही और जागरूकता अभियान निरंतर जारी रहेंगे।

वारासिवनी नगर में आयोजित हुई जलसुनवाई, पेयजल की गुणवत्ता जांची गई

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शासन के निर्देशानुसार नगरपालिका परिषद वारासिवनी द्वारा नगर क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति की नियमित निगरानी एवं निरीक्षण का कार्य निरंतर जारी है। इसी कड़ी में मुख्य नगरपालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश उके के निर्देशन में नगर के सभी वार्डों में नागरिकों को स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रति सप्ताह मंगलवार को जलसुनवाई का आयोजन किया जा रहा है।

इसी क्रम में आज दिनांक 10 फरवरी 2026 को नगर के समस्त वार्डों में जलसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री उके की उपस्थिति में नागरिकों से पेयजल आपूर्ति एवं गुणवत्ता से संबंधित समस्याएँ सुनी गईं और उनका त्वरित निराकरण करने के प्रयास किए गए। जलसुनवाई के दौरान निकाय में पंजीकृत चयनित स्व-सहायता समूह की महिलाओं को अमृत मित्र के रूप में साथ लेकर जलावर्धन योजना के अंतर्गत सप्लाई किए जा रहे पानी की गुणवत्ता की मौके पर ही वॉटर टेस्टिंग किट से जांच की गई। जांच में पानी के पी.एच., टर्बिडिटी, हार्डनेस एवं क्लोराइड स्तर की परख की गई, जिसमें निकाय द्वारा प्रदाय किए जा रहे पानी की गुणवत्ता निर्धारित मानकों के अनुरूप पाई गई। मुख्य नगरपालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश उके ने बताया कि नगरवासियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना नगरपालिका की प्राथमिकता है और इस दिशा में हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से भी अपील की कि वे पेयजल से संबंधित किसी भी समस्या की जानकारी जलसुनवाई के माध्यम से प्रशासन तक पहुँचाएँ। जलसुनवाई कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मुख्य नगरपालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश उके, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष आलोक खरे, जलप्रदाय शाखा प्रभारी सुरेन्द्र लड़कर, जलप्रदाय सहायक महेश साहू, वार्ड प्रभारी दुर्गा शांडिल्य, अमोल देशपांडे, विक्रम सिंह तोमर तथा अमृत मित्र के रूप में श्रीमती छाया राहंगडाले, श्रीमती शिवानी गिरी, श्रीमती रेखा देशमुख, श्रीमती हीरवती पंचेश्वर सहित अन्य कर्मचारी एवं वार्डवासी उपस्थित रहे। इस पहल से नागरिकों में पेयजल की गुणवत्ता के प्रति विश्वास बढ़ा है और स्वच्छ जल उपलब्ध कराने की दिशा में नगरपालिका का यह प्रयास सराहनीय साबित हो रहा है।

जटाशंकर त्रिवेदी महाविद्यालय में लैंगिक संवेदनशीलता पर राष्ट्रीय वेबिनार संपन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट के इतिहास विभाग द्वारा 10 फरवरी 2026 को लैंगिक संवेदनशीलता विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के संरक्षण एवं आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. सीमा श्रीवास्तव के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। अपने उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे ने लैंगिक संवेदनशीलता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज में बेटा-बेटी के भेदभाव को मानसिकता और सोच के स्तर पर समाप्त करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कार्यस्थलों पर बेटियों के साथ भेदभाव आज भी देखने को मिलता है, जो समाज के लिए चिंताजनक है। इस स्थिति को बदलने के लिए समझदारी, समान दृष्टिकोण और रूढ़िवादी मानसिकता में सुधार आवश्यक है। वेबिनार की मुख्य वक्ता सरोकार एनजीओ भोपाल की संस्थापक एवं सचिव श्रीमती कुमुद सिंह ने लैंगिक समानता पर अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि जेंडर एक सामाजिक-सांस्कृतिक अवधारणा है, जो समय के साथ बदलती रहती है। उन्होंने महिलाओं के श्रम को महत्व देने, रंगभेद और लिंगभेद को समाप्त करने तथा शिक्षा के माध्यम से लैंगिक समानता स्थापित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमारे संविधान की शुरुआत हम भारत के लोग से होती है, जो किसी भी प्रकार के लिंग भेदभाव को स्वीकार नहीं करता। बिना लैंगिक समानता के गुणवत्तापूर्ण समाज का निर्माण संभव नहीं है।

दूसरे मुख्य वक्ता यशोदा गर्ल्स आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज नागपुर के प्राध्यापक डॉ. सूर्यकांत कापसीकर ने ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में लैंगिक समानता पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि प्राचीन काल में मातृसत्तात्मक समाज व्यवस्था थी और स्त्री-पुरुष में भेदभाव नहीं था। समय के साथ समाज में विषमता आई, जिसे दूर करने के लिए महात्मा ज्योतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले और डॉ. भीमराव अंबेडकर जैसे महापुरुषों ने महत्वपूर्ण प्रयास किए। उन्होंने विद्यार्थियों और समाज को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से जागरूक करने तथा जमीनी स्तर पर कार्य करने की आवश्यकता बताई। वेबिनार की संयोजक डॉ. आशा गोहे ने कहा कि लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने जोर दिया कि बालिकाओं के संरक्षण का अभियान परिवार से ही शुरू किया जाना चाहिए। सह-संयोजक डॉ. रचना कोरी ने लैंगिक संवेदनशीलता को एक ऐसी प्रक्रिया बताया, जो लोगों को लिंग आधारित रूढ़िवादिता को पहचानने और समाप्त करने के लिए जागरूक करती है।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. पी.आर. कातुलकर, डॉ. सरिता खोब्रागड़े, प्रो. किशोरी लाल अहिरवार, डॉ. योगिता पटले, डॉ. सुप्रिया बिसेन, प्रो. रविशंकर मड़ावी एवं अतुल मेश्राम सहित अनेक प्राध्यापक और विद्यार्थी उपस्थित रहे। वेबिनार का मंच संचालन प्रो. प्राशु गौतम ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन डॉ. रचना कोरी द्वारा किया गया। इस सफल आयोजन ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को लैंगिक संवेदनशीलता के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अरंडिया के जंगल में हुए अंधे हत्याकांड में मृतक के दोनों दामाद निकले हत्यारे

पुरानी रंजिश के चलते दोनो दामादों ने बीच जंगल में ले जाकर हत्या को अंजाम दिया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। स्थानीय पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बैहर आदर्श कांत शुक्ल ने परसवाड़ा थाना क्षेत्र में हुए अंधे हत्याकांड का खुलासा किया। उन्होंने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि बीते दिनों ग्राम अरंडिया के जंगल में मिले वृद्ध के शव के मामले में पुलिस ने जांच के बाद बड़ा खुलासा किया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मृतक की हत्या किसी और ने नहीं, बल्कि उसके ही दोनों दामादों ने की थी। पुलिस द्वारा की गई गहन विवेचना, साक्ष्यों के संकलन एवं तकनीकी जांच के आधार पर आरोपियों तक पहुंचने में सफलता मिली। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध संबंधित धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है।

10 फरवरी को शाम स्थानीय पुलिस कंट्रोल रूम में आदर्शकान्त शुक्ल द्वारा बताया गया कि थाना परसवाड़ा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम अरंडिया के जंगल में घटित अंधे हत्याकांड का पुलिस द्वारा सफल खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुरानी रंजिस के चलते दमाद और उसके साढू ने की 60 वर्षीय बुजुर्ग की हत्या आरोपी लगातार भ्रामक जानकारियाँ देकर पुलिस एवं मृतक के परिजनों को गुमराह कर दिया था ।03 फरवरी को थाना परसवाड़ा में सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम अरंडिया के जंगल क्षेत्र में एक वृद्ध व्यक्ति का शव दिखा है। सूचना पर तत्काल थाना प्रभारी परसवाडा, फोरेंसिक वैज्ञानिक अधिकारी, फिंगरप्रिंट टीम एवं पुलिस बल मौके पर पहुंचा एवं घटनास्थल निरीक्षण तथा प्रारंभिक पूछताछ उपरांत मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ की गई। शव की पहचान कैलाश गिरी गोस्वामी उम्र 60 वर्ष निवासी नेवरगांव , नगाटोला थाना वारासिवनी के रूप में हुई। पीएम रिपोर्ट में मृत्यु का कारण सिर पर गंभीर चोट से उत्पन्न बाहरी रक्तस्राव के कारण होना पाया गया। प्रथम दृष्टया अज्ञात आरोपी के विरूद्ध हत्या का अपराध पाए जाने पर थाना परसवाड़ा में धारा 103 (1) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। पुलिस अधीक्षक बालाघाट आदित्य मिश्रा द्वारा घटना को गंभीरता से लेते हुए अंधी हत्या के खुलासे एवं आरोपी के शीघ्र गिरफ्तारी हेतु निर्देशित करने पर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बैहर आदर्श कांत शुक्ला एवं एस डीओपी परसवाडा अरविंद शाह के मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी परसवाडा निरी. मदन इवने एवं थाना प्रभारी चांगोटोला उनि शशांक राणा के नेत्रत्व पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा उत्कृष्ट विवचेना कर हत्या के दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।

इस प्रकार हुआ हत्या का खुलासा

श्री शुक्ला ने बता की पुलिस विवेचना के दौरान घटनास्थल के आसपास एक कि.मी के दायरे मे सघन सर्चिंग की गई, आरोपी अशोक गिरी के गांव एवं घटनास्थल के आसपास के क्षेत्रों में गोपनीय रूप से जानकारी एकत्र की गई। पुलिस टीम द्वारा मृतक के परिजनों, रिश्तेदारों एवं आसपास के ग्रामीणों सहित कई साक्षियों से हिकमतमली पूछताछ की गई। आवागमन मार्ग पर स्थित संभावित स्थानों के कई सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन किया गया तथा तकनीकी साक्ष्यों का गहन विश्लेषण किया। जिसमे तथ्य सामने आया कि कैलाश गिरी गोस्वामी (मृतक) का अपने दामाद अशोक गिरी एवं उसके साढ़ भाई रुस्तम गिरी से पूर्व से पारिवारिक विवाद एवं रंजिश थी। इसी रंजिश के चलते आरोपियों ने मृतक की हत्या की योजना बनाई। 30 जनवरी 2026 की शाम आरोपियों ने मृतक को शराब पिलाने के बहाने अपनी मोटरसाइकिल से ग्राम अरंडिया के जंगल क्षेत्र में ले गए, जहां सुनसान स्थान पर मृतक के सिर पर लकड़ी के डंडे से प्रहार कर तथा गला दबाकर उसकी हत्या की गई। हत्या उपरांत शव को घसीटते हुए जंगल में और अंदर ले जाकर फेंका दिया।

आरोपी दे रहे थे पुलिस को भ्रामक जानकारी

आदर्शकांत शुक्ला ने यह भी बताया की आरोपी अशोक गिरी द्वारा स्वयं ही मृतक की गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज कराई गई तथा वह विवेचना के दौरान पुलिस के साथ रहकर सहयोग का दिखावा करता रहा, तथा लगातार भ्रामक जानकारियाँ देकर पुलिस एवं मृतक के परिजनों को गुमराह करता रहा। गठित पुलिस टीम की सूक्ष्म विवेचना में मृतक के दामाद अशोक गिरी एवं उसके साढू भाई रुस्तम गिरी की भूमिका संदिग्ध पाई गई। दोनों को तलब कर गहन पूछताछ करने पर उन्होंने अपराध स्वीकार किया। पूछताछ पर आरोपी अशोक गिरी ने बताया कि मृतक की हत्या करने के पश्चात मृतक का झोला और उसमें रखे समान को अपने पिता की समाधि के पास ले जाकर जलाया उसका कहना था कि पिता का बदला लिया। दोनों आरोपियों अशोक गिरी पिता स्व. सरजू गिरी गोस्वामी, उम्र 30 वर्ष, निवासी वार्ड नं. 15, ग्राम डोंगरिया, थाना परसवाड़ा और रुस्तम गिरी पिता स्व. चैनगिरी गोस्वामी, उम्र 37 वर्ष, निवासी ग्राम समसवाड़ा, थाना चौरई, जिला छिंदवाड़ा के रहने वाले हैं को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। गिरफ्तार आरोपी के पास से एक मोटरसाइकिल, आरोपी अशोक का मोबाइल, घटना के वक्त पहने कपडे, दण्डा, जलाए गये झोले की राख का अवशेष पुलिस को मेले हैं ।

बालाघाट
बुधवार 11 फरवरी 2026

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

भरवेली में युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भरवेली के अवंती बाई चौक समीप किराए के मकान में अपने परिवार के साथ निवास कर रहे एक युवक ओम पिता ताराचंद बाहेश्वर 20 ने अपने घर के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। 10 फरवरी को 10:30 बजे करीब यह घटना उस समय हुई जब यह युवक अपने घर में अकेला था। भरवेली पुलिस ने इस युवक का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। इस युवक ने किस वजह से फांसी लगाकर आत्महत्या की अभी पूर्ण रूप से स्पष्ट नहीं हो पाया है भरवेली पुलिस आगे जांच कर रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ओम बाहेश्वर अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। जिसके परिवार में माता-पिता के अलावा एक बहन भी है। ओम बाहेश्वर कक्षा 12वीं कंप्लीट करने के बाद आईटीआई किया था और आईटीआई बेस पर ही वह भरवेली माइंस में प्राइवेट में काम करता था। उसका पिता भी भरवेली माइंस में प्राइवेट में ही काम करता है। ओम बाहेश्वर कें माता पिता अपना मकान बना रहे थे जिसके कारण वे भरवेली के अवंती बाई चौक समीप एक मकान में किराए से रह रहे थे। 10 फरवरी को सुबह ओम बाहेश्वर के माता-पिता काम करने चले गए थे। घर में ओम बाहेश्वर अपनी बहन के साथ में ही था। 10:00 बजे करीब ओम बाहेश्वर की बहन कपड़े धोने के लिए चली गई थी ।10:30 बजे करीब जब वह घर आई तब उसने घर के अंदर कमरे में अपने भाई ओम बाहेश्वर को फांसी पर लटके हुए देखा। ओम बाहेश्वर ने कमरे के अंदर चुनरी बांधकर फांसी लगा ली थी और उसकी मौत हो चुकी थी। चिल्लाने पर मोहल्ले पड़ोस के लोग दौड़े और उसके माता-पिता भी पहुंच चुके थे। सूचना मिलते ही भरवेली पुलिस थाने से उपनिरीक्षक आर पी मेश्राम अपने स्टाप के साथ मौके पर पहुंचे और मृतक ओम बाहेश्वर का शव फांसी से नीचे उतरवाए और पंचनामा कार्रवाई पश्चात जिला अस्पताल बालाघाट में पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए। ओम बाहेश्वर ने किस वजह से फांसी लगाकर आत्महत्या की ।अभी पूर्ण रूप से स्पष्ट नहीं हो पाया है। भरवेली थाने के उपनिरीक्षक आर पी मेश्राम द्वारा धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

प्रसूता की मौत पर परिजनों ने मचाया जमकर हंगामा
घटना पर आक्रोश जताते हुए अस्पताल में की तोड़फोड़

परिजनों ने चिकित्सकों पर लगाया गुमराह कर उपचार में लापरवाही का आरोप

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

नगर के वार्ड नंबर 6 चित्रगुप्त नगर स्थित श्रीवास्तव नर्सिंग होम में मंगलवार की दोपहर उस वक्त हंगामा मच गया, जब बुखार आने पर अस्पताल में भर्ती कराई गई एक प्रसूता की उपचार के दौरान मौत हो गई। जहां महिला की मौत होने पर गुस्साए परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा मचाया, तो वही आवेश में आकर अस्पताल के दरवाजे में लात घुसे मारकर आंशिक रूप से तोड़फोड़ की। इस पूरे मामले में जहां परिजनो ने श्रीवास्तव नर्सिंग होम की महिला चिकित्सक राखी श्रीवास्तव पर उपचार में लापरवाही बरतने, उपचार को लेकर परिजनों को गुमराह करने और पैसे एठने के चक्कर में प्रसूता को दूसरे अस्पताल रिफर ना किए जाने का आरोप लगाते हुए संबंधित चिकित्सक व अस्पताल प्रबंधन पर वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग की है तो वही अस्पताल प्रबंधन, द्वारा परिजनों के आरोपो को झूठ व बे बुनियाद बताते हुए, उपचार में लापरवाही व गुमराह किए जाने वाली बात से साफ इनकार किया है।

क्या है पूरा मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम भटेरा वार्ड नंबर 8 निवासी अंगसाल उर्फ राजा मोहारे की 24 वर्षीय पत्नी, सलोनी मोहारे के गर्भवती होने पर उसके परिजनों द्वारा नगर के वार्ड नंबर 6 स्थित श्रीवास्तव नर्सिंग होम में उपचार कराया जा रहा था। जहां प्रसव के पूर्व तक सलोनी का उपचार श्रीवास्तव नर्सिंग होम में चलता रहा। जिसे प्रसव पीड़ा होने पर 24 जनवरी को डिलीवरी के लिए श्रीवास्तव नर्सिंग होम लाकर भर्ती कराया गया था। जानकारी के मुताबिक 24 जनवरी की शाम सीजर ऑपरेशन के बाद सलोनी ने एक पुत्र को जन्म दिया था, जहां बच्चा कमजोर होने की बात कहते हुए चिकित्सकों के कहने पर परिजनों द्वारा नवजात बच्चे को किसी अन्य प्राइवेट अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया था। जबकि सलोनी को श्रीवास्तव नर्सिंग होम में ही भर्ती रखा गया था।बताया गया कि करीब 5 दिन बाद जच्चा बच्चा के स्वस्थ होने पर ,29 जनवरी को उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी।जिसपर परिजन उसे अपने घर लेकर चले गए थे।

बुखार आने पर महिला को पुनः कराया गया था भर्ती

परिजनों द्वारा बताया गया कि कुछ दिन बाद प्रसूता सलोनी को बुखार आने लगा।जिसपर उनके परिजनों ने श्रीवास्तव नर्सिंग होम में फोन लगाकर बुखार आने संबंधी जानकारी दी थी, जिसपर चिकित्सक द्वारा सलोनी को अस्पताल लेकर आने और उसका चेकअप कराने के लिए कहा गया था। जिसपर चिकित्सकों की सलाह पर परिजन, सलोनी को लेकर पुनः श्रीवास्तव नर्सिंग होम पहुंचे थे।जहा चेकपकर डॉ श्रीवास्तव ने उन्हें बताया था कि महिला को इंफेक्शन हो गया है और शरीर के कुछ हिस्सों में गठान आ रही है। जिसपर सलोनी को 4-5दिन भर्ती कराकर उपचार कराने की सलाह दी गई थी। जिसकी 10 जनवरी मंगलवार को उपचार के दौरान अचानक मौत हो गई।

परिजनों ने मचाया हंगामा, कार्यवाही की करी मांग

प्रसूता की मौत होने पर परिजन भड़क उठे, और उन्होंने महिला की मौत को लेकर हंगामा मचाना शुरू कर दिया, उधर परिजनों के हंगामे को देखते हुए अस्पताल प्रबंधन द्वारा कोतवाली पुलिस को सूचित कर मौके पर पुलिस बुला ली गई, लेकिन परिजन नहीं माने और हंगामा मचाते रहे। उधर पुलिस द्वारा हंगामा मचा रहे परिजनों को समझाईश देकर मामला शांत करने की कोशिश की गई, लेकिन हंगामा शांत नहीं हुआ।परिजन इस मामले में अस्पताल प्रबंधन पर उपचार में लापरवाही और गुमराह करने का आरोप लगाकर हंगामा मचाते रहे।

अस्पताल के दरवाजे पर की गई आंशिक तोड़फोड़

उधर अस्पताल प्रबंधन द्वारा महिला का शव जिला अस्पताल ले जाकर पीएम करने की बात कही गई, ताकि मौत के सही कारणों का पता चल सके। जहां परिजनों ने शव को उठाने के दौरान अस्पताल चैनल गेट के समीप एक कमरे में हाथ घुसो से तोड़फोड़ की। जिससे दरवाजे पर लगा कांच टूटकर फर्श पर बिखर गया।

उपचार में लापरवाही और गुमराह करने का आरोप

उधर प्रस्तुत की मौत पर उनके परिजनों ने चिकित्सकों पर उपचार में लापरवाही भरतने और उपचार के नाम पर पैसे ऐंठने के लिए गुमराह किए जाने का आरोप लगाया है। परिजनों के अनुसार चिकित्सकों ने सोमवार की रात परिजनों को बताया था कि सलोनी अब पूरी तरह से स्वस्थ हो चुकी है, उसकी सेहत में सुधार आ गया है। परिजनों ने बताया कि वे सलोनी को और कहीं रिफर करने का आग्रह कर रहे थे, लेकिन महिला चिकित्सक ने उन्हें रिफर करने से साफ मना कर दिया। वही अपनी रिस्क (जिम्मेदारी) पर ही महिला को कहीं और ले जाने की बात कही। जिसपर परिजन मान गए और वही उपचार करा रहे थे। परिजनों ने बताया कि रात को सलोनी के पूरी तरह स्वस्थ होने की जानकारी दी गई थी, वहीं मंगलवार की सुबह करीब 10:30 बजे अचानक उसकी मौत होने की जानकारी दी गई।

हमें न्याय चाहिए- सुलाखे

जानकारी देते हुए मृतक महिला के मामा श्री सुलाखें ने बताया कि उनकी भांजी की मौत अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही की वजह से हुई है। जब उनसे केस नहीं संभाल रहा था तो रिफर कर देना था, हमने रिफर करने भी कहा था, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। सोमवार रात को बताया गया कि इंफेक्शन सुधर गया है हालत में भी सुधार आ चुका है और सुबह अचानक से मौत हो गई।हम इस मामले में कार्रवाई चाहते हैं हमारी मांग है कि अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही की जाए ताकि ऐसा किसी और के साथ ना हो सके। इस मामले में हमें न्याय चाहिए।

सभी आरोप बुनियाद है- एसके श्रीवास्तव

वहीं अस्पताल प्रबंधक डॉ एसके श्रीवास्तव ने बताया कि एक महिला पेशेंट का निधन हो गया है कुछ दिन पूर्व उसका सीजर हुआ था, सीजर के चार-पांच दिन बाद उसे बुखार आने लगा, जिसपर उसे पुनः अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया था। चार-पांच दिन वह यहीं पर भर्ती थी, उसकी हालत में लगातार सुधार आ रहा था। आज सुबह अचानक उसकी मौत हो गई। हमने शव का पोस्टमार्टम कराने की सलाह दी है पोस्टमार्टम के बाद ही मौत के कारण स्पष्ट हो पाएगा लेकिन उनके परिजन भड़क गए और हंगामा मचाने लगे,हंगामा मचाते हुए उन्होंने कुछ तोड़फोड़ भी की है इस मामले में अभी तक हमारे द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है।उनके द्वारा जो भी आरोप लगाए गए हैं वह झूठे व बे बुनियाद है।

मोटरसाइकिल की ठोकर से गंभीर साइकिल सवार की मौत- मोटरसाइकिल चालक सहित तीन घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्राम चांगोटोला के समीप से गुजरने वाले बालाघाट नैनपुर रोड पर स्थित ग्राम पचपेड़ी में मोटरसाइकिल की ठोकर से गंभीर रूप से घायल साइकिल सवार की जिला अस्पताल बालाघाट में उपचार के दौरान मौत हो गई मृतक ताराचंद पिता श्री शेखू जावरे 48 वर्ष वार्ड नंबर एक चांगोटोला निवासी है।जिला अस्पताल पुलिस ने इस व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। इस सड़क दुर्घटना में अन्य दो घायल जिनमे गोविंद पिता चुन्नीलाल उइके 35 वर्ष ग्राम चांगोटोला और गौरव पिता बुधराम बरमैया 20 वर्ष ग्राम बसेगांव थाना चांगोटोला निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार चांगोटोला निवासी ताराचंद जावरे अपनी पत्नी रेवंता जावरे के साथ खेती मजदूरी करता था। जिसके परिवार में दो बच्चे हैं ।जिनमें बड़ा बेटा टीकाराम 16 वर्ष और बेटी शिवानी 10 वर्ष की है। 9 फरवरी की शाम 7:00 बजे ताराचंद जावरे अपने मोहल्ले के गोविंद उइके के साथ साइकिल में किसी काम से पचपेड़ी गए हुए थे। तभी 7:30 बजे करीब बालाघाट नैनपुर रोड पर स्थित ग्राम पचपेड़ी में वहा से गुजर रही तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने ताराचंद जावरे की साइकिल को ठोस मार दी। मोटरसाइकिल की जबरदस्त ठोकर से ताराचंद जावरे गंभीर रूप से

घायल और बेहोश हो गया वही गोविंद उइके के अलावा इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल चालक शुभम उइके और उसका साथी सौरभ बरमैया घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर भीड़ लग गई। खबर मिलते ही ताराचंद जावरे की पत्नी रेवंता जावरे और बेटा सहित अन्य लोग भी पहुंच गये। 108 एंबुलेंस ताराचंद जावरे सहित 4 घायल को लामता के शासकीय अस्पताल में भर्ती की थे। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उस जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया था ।जिला अस्पताल में उपचार के दौरान रात्रि 3:00 बजे करीब ताराचंद जावरे की मौत हो गई ।जिला अस्पताल पुलिस ने मृतक ताराचंद जावरे का शव अपने कब्जे में लेकर जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिए थे। 10 फरवरी को सुबह जिला अस्पताल पुलिस ने ताराचंद जावरे का शव पोस्टमार्टम करवा कर उनके परिजनों को सौंप दिए और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना चांगोटोला भिजवा दी है। इस मामले की आगे जांच चांगोटोला पुलिस द्वारा की जा रही है। इस सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल चालक शुभम उइके को मामूली चोट आई थी। आने दो घायल गोविंद उइके और शौरभ बरमैया का इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया जा रहा है।

बीमा कंपनी बजाज एलाइंस को देना होगा 2 लाख रुपये से अधिक की क्षतिपूर्ति राशि

जिला उपभोक्ता विवाद आयोग ने पारित किया आदेश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग डॉ महेश कुमार चांडक और सदस्य श्रीमती हर्षा डोहरे की संयुक्त बैंच ने शिवपूजन मिश्रा को 2 लाख रुपये से अधिक की क्षतिपूर्ति राशि, ब्याज और हर्जाने के रूप में देने के आदेश बजाज एलाइंस इंश्योरेंस कंपनी नागपुर को दिए हैं। शिवपूजन मिश्रा ने अपनी हुंडई कार के लिए बीमा पॉलिसी ली थी, जो दुर्घटना 12 दिसंबर को आवेदक लालबर्रा के तरफ आ रहा था रात्रि में सामने अचानक गाय आ जाने के कारण उपरोक्त वाहन पे से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई। शिवपूजन मिश्रा ने अपनी कार का बीमा बजाज एलाइंस इंश्योरेंस कंपनी नागपुर से किया था, जिसकी पॉलिसी दिनांक 18 दिसंबर 2022 से 17 दिसंबर 2023 तक थी। दुर्घटना 12 दिसंबर को 2023 को हुई थी, उन्होंने तुरंत बीमा कंपनी को सूचना दी और वाहन को सुधारने के लिए कहा। लेकिन बीमा कंपनी ने दावा अस्वीकार कर दिया, जिसके बाद शिवपूजन मिश्रा ने उपभोक्ता आयोग में शिकायत दर्ज कराई। कंपनी ने दावा अस्वीकार कर दिया था, लेकिन आयोग ने सर्वेयर की रिपोर्ट के आधार पर बीमा कंपनी को सेवा में कमी मानते हुए क्षतिपूर्ति राशि देने के आदेश दिए। उपभोक्ता आयोग ने मामले की जांच की और पाया कि बीमा कंपनी ने सेवा में कमी की है। आयोग ने बजाज एलाइंस इंश्योरेंस कंपनी नागपुर को आदेश दिया कि वे शिवपूजन मिश्रा को 2 लाख 1 हजार 86 रुपये की क्षतिपूर्ति राशि साथ ही 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज, 3 हजार रुपये की शारीरिक और मानसिक वेदना की क्षति पूर्ति और 1500 रुपये का वाद व्यय देने को कहा गया है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेढ़ापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

School Affiliation No.- JDJ/01/145/1033
Reg. No.- 04/21/01/10448/08
School Code No.- 782182
Ph. 07632-240998 Mob.: 9425892693
E-mail: apolloinstitute@rediffmail.com
apolloinstitute@in.com

APOLLO CONVENT HIGHER SECONDARY SCHOOL BALAGHAT
Excellence Through Education
Friends Colony, Baihar Road, Balaghat (M.P.)
DISE CODE-23450120612
SCHOOL REGISTERED CODE NO. - 4529963
visit us: www.apolloconventschool.in

Teachers Required

Sr. No.	Post	Eligibility
1	Principal	Post Graduation + M.Ed. and 5 year experience as principal in any reputed school(Maths, Chemistry, Biology, Arts, Commerce)
2	PGTs	Post graduation + B. Ed.
3	TGTs	Graduation + B. Ed
4	PRTs	Graduation + B. Ed / D. Ed / D. L. Ed

Candidates, who are dynamic, committed to their profession, proficient in the subject(s) and in written & spoken English should apply latest by 23.02.2026 on at the Directors office with your Resume between 9:00 am to 1:30p.m.
(For all post applicants must possess minimum qualification as prescribed by CBSE)
Director
Apollo Convent H.S. School Balaghat

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट